पृष्ट	सूचीपत्र	पृष्ट	सूचीपत्र

श्रीमन्महाराजाधिराज जंवूकाश्मीराद्यनेकदेशाधिपती प्रभुवरजीकीआज्ञानुसार संस्कृतसें श्रीरणवीरप्रकाश नामा ग्रंथभाषाकिया सोवगसीकृष्णदयाल जीके अधिकारमें छपा और जंवूवासी पंडितनीलकंठजीने सोधकर साडेसातसऊं॥ ७५० ॥ छपवाया जिसकिसीको दूसराभाग लेनेकी इछाहोवे सो श्रीरघुनाथजीकेवजार मुद्रायंत्रालयसें मोल लेलेवे कीमत दूसरेभागकी ३॥।) पौनेचाररुपैए ॥

॥ अथरक्तपित्तनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तपित्तवरणनकरोंभाषामांहिनिदान जैसेंभाष्योशास्त्रमेंसमझेपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ अतिआतपव्यायामपछानो शोकमार्गश्रमतेंपुनमानो अतिमैथुनतेंउत्पतजोय अतिउष्णभोजनकरसोय लवणअमलतीक्षणकटुक्षार इन्हकेसेवनउठैविकार कुत्तहोयपितरुधिरविनाशै पीछेतैंइहभांतप्रकाशैं अधोद्वारपुनऊर्द्धद्वार रक्तवहैजोवारंवार अधोद्वारकहियेयहतीन गुदालिंगभगलषोप्रवीन अक्षकरण-नासामुखजानो ऊर्द्धद्वारयहचारपछानो आमासयतेंऊर्द्धकोजात पक्काशयतेंअधप्रगटात अतिहीपित्तको-पकरजवही सकलरोंमतेंप्रगटेतवहीं ॥

॥ अन्यप्रकारनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तजुऊर्द्धद्वारनिकसावै सोकफहूंतेंलक्षणगावै अधोद्वारजोनिकसेलोहू वातयुक्त-जानोतुमवोहू रोमकपतेंप्रगटेजोय पित्तयुक्तजानोहोइसोय ऊर्द्धद्वाररक्तपरवाहि अधोद्वारवाप्रगटे-जाहि वादुहुंद्वारनतेंप्रगटावत ताकोंवैद्यसाध्यकहिगावत एकदोषदोइदोषनसंग होइसोसाध्यकहा-यसभंग ऊर्द्धरुधिरकोसाध्यसुजान अधोगमनकोजाप्यपछान दुहूंद्वारमोंरुधिरजुआवत ताकोंवैद्यअ-साध्यकहावत ऊर्द्धअधोरोमप्रगटावत तीनोदोषनतेंलषपावत सोऊअसाध्यअहैंलषलहिये तासचि-कित्साकवहुंनगहिये अवरहुंमंदअग्नियुतजोय वडोवेगरोगकोहोय क्षीणदेहअरुक्षीणजुश्वास अती-रक्तछुटजावैतास इन्हलक्षणयुतरोगीलहिये रक्तपित्तअसाध्यसोकहिये ॥

॥ अथरक्तपित्तपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दश्वासअंगपीडाहोय कंठधुषैयोंलषियतसोय शीतलतातनताहिसुहावै रुधिरवास-मुखतेंबहुआवे ॥

॥ अथरक्तपित्तकेउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ दुर्वलताअरुउपजैश्वास दाहत्रिषामूर्छाज्वरकास पीतवरणपीडातनहोय भेदवि-ष्टाअधीर्यताजोय तप्तसीसथुकिथुकिदुर्गंध भातभक्षनसोंनाहिंसनवंध वमनकोष्टशोषहोयजास उपद्रव-एतेंकीनप्रकास धौतमांसजलवताजिहरंग वाजलकाथमांसधरअंग अथवाचीकडजलकीन्यांई मिंझपाकसमवादरसाईं वांजंवूफलपक्कसमान रंगनीलडीसमवाजान इंद्रधनुषवर्णतनजास सोअसा-ध्यतजदीजैतास नीलवर्णआकाशजोअहै ताकोंरंगवर्णलषलहै ॥ दोहा ॥ रक्तजापित्तनिदानयहभा-ष्योभलेंविचार कहोंचिकित्सातासकीसुनलीजैचितधार ॥ इतिरक्तपित्तनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथवातकृतलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ नीलरक्तवर्णजुतफेन वातजलक्षणलहुविधएन ॥

॥ अथपित्तकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ श्यामवरणरुधिरहोइजावै वागोमूत्रवर्णप्रगटावै वासुरमेकेवरणलहीजे पित्तरक्त-कृतरूपभनीजै ॥

॥ अथकफकृतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अल्पपांडुस्निग्धहोयजोऊ पिछलसमजेलहुजोहोऊ निदानग्रंथमतकहहैजोऊ कफकृतलक्षणजानोसोऊ ॥

॥ अथत्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जिसमोंयहसभचिन्हलषावै सोत्रिदोषलक्षणलषिपावै दोयदोषजिसचिन्हलषावै द्वंदजरोगवैद्यातिसगावै ॥

॥ अथरक्तपित्तरोगाचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सारक्तपित्तकीसुनलीजैमनधार प्रथमहियाकोंसमुझकैपुनकीजैउपचार ॥ चौपई ॥ ऊर्द्धगामीकोरेचनमान अधोगामीकोवमनपछान अग्निमंदबलक्षीणजुतास अपतर्पणविधिकरेजुतास ॥ अथरेचनं ॥ चौपई ॥ जाकोरक्तपित्तलषपैये ताहिविरेचनप्रथमकरैये अमलतासआमलेमिलाय मधूशरकरामेलपिवाय अथवात्रिवीहरडसमलेय मधुशरकरासाथतिसदेय ॥ अथवमनविधि ॥ पुनः यथावलरोगीदेष ताकोंभीहैवमनविशेष ॥ अथवमनचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ मुथूमुलठइंद्रयवआन ताहिमैनफलकरोमिलान इयसमचूर्णमधूजुमिलाय दुग्धसाथपीवमनकराय रक्तातिसारहरऔषधजोय रक्तपित्तमोजानोसोय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ लेहूवालाउत्पलपाय धनियांचंदनमुलठमिलाय वासाअवरगिलोयउशीर यहसमक्काथकरैमतिधीर मधुशरकरामिलायपिलावै त्रिषादाहज्वररक्तपितजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पद्मउत्पलकिंजलकयहजान पृष्टपर्णीप्रियंगूठान यहसमकाथवनायपकावै पाछेंमधुशरकरामिलावै रक्तपित्तरोगहोइनाश वंगसेनमताकियोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चंदनलोधरसुंठउशीर समयहक्काथकरोमतिधीर मधुशरकरामिलायजुपीवै रक्तपित्तरुजनाशकरिवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ किरायतातिक्तामुथूउशीर समयहकाथअहैसुखसीर मधुशरकरामेलयहपीवै रक्तपितजावैसुखथीवै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रियंगूसुरमालोहेचूरण गाजनिमृतकातामधपूरण पीसमहीनसमचूर्णवनावै भक्षेनित्यरक्तपितजावै ॥ काथः ॥ चौपई ॥ केवलवासाक्काथवनावैं वावासादलरसकढवावे मिसरीमधुतिन्हसंगमिलाय पीवैरक्तपित्तदुःखजाय ॥ पत्रकादिचूर्ण ॥ चौपई तालीसपत्रतजचंदनएला प्रियंगूसुंठमुलठकरमेला उत्पलतगरमांसीपहिचांन इन्हदुगुणेःत्तरचूर्णसुठान मिसरीमधुमिलायकरषावै रक्तपित्तदाहज्वरजावै कासक्षईयहदूरनिवारै शोणितमूत्रकृछ्रकोंटौर मुखनासाभगलिंगजुकान अवरगुदाइत्यादिस्थान होइइन्हठौरनरुध्रप्रवाहि यहचूरणहितकरलषताहि यहविसिष्टनिजमुखतेंकह्यो रक्तपित्तादिरोगहरलह्यो ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुचलकल्हारअवरलहुउत्पल अरुणकमलअरुलेहुपद्मथल पायमुलठसमचूर्णवनावै मधुमिसरीसोंनितउठषावै रक्तपित्तछर्दत्रिषनाशैं होइआरोग्यदेहदुतिभासैं ॥ अन्यच ॥ प्रियंगूमृत्यकागाजनिपाय सुरमालोध्रसमपीसरलाय रसवासर्जिमषीरमिलावै षावैतासरक्तपित्तजावै ॥ क्काथ ॥ प्रथमाहैवासाक्काथकरावै पाछेतैंयहचूर्णमिलावै उत्पलअरुगाजनीरलाय प्रयंगूलोध्रकमलतुरीपाय मधुमिसरीमिलायसोपीवै वृद्धरक्तपित नाशातिसथीवै ॥ उपदेशः ॥ चौपई ॥ जिसदेशनमोंवांसाहोय जीवनकीआशाधरजोयरक्तपित्तक्षिईवालेतहां कासीश्वासीकोंडरकहां ॥ चूरण ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रचूर्णवनवावै

वासारसमधुसहितषवावै कफअरुरक्तपित्तअरुकास तमकअवरस्वरभेदविनाश ॥ काथ ॥ चौपई ॥ वासाहरडमनकातीन इन्हकोकाथकरैपरवीन मधुशरकरामिलायपिवावै रक्तपित्तकासरुजजावै- ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शतावरिवालारहसनआन मनकाअवरफालसेठान काथजुरक्तपित्तयह नाशै शूलनिवारैसुखपरकाशै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चंदनपाठाकौडगिलोय लोध्रजवाहांमघां संजोय वासाअवरइंद्रयवजान मुनकापायकाथयहठान मधुमिलायकरपीवैजोय कफयुतरक्तत्रि- ष्मज्वरषोय अवरहुंकासजायहैतास वंगसेनमतकियोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जंवूआं वअंर्जुनयहतीन शीतलकरयहकाथप्रवीन पीवैरक्तपित्तदुखजावै रोगहरैतनसुखउपजावै ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ उदुंवरतरुफलरसमंगवाय मधुमिलायप्रातहिंपीवाय ॥ अथमोदक ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिवीप्रियंगूलेय मघामिलायसमचूर्णकरेय मधुसरकरामिलावैतास मोदककरखावैदुखनाश सन्निपाततेंऊर्द्धरुजजोय रक्तपित्तनाशैंतवहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अल- सीफूलमंजीठपिसाय तुचावटजटाएकसमभाय यहचूरणमुद्गजूषकेसंग होवैरक्तपित्तकोभंग॥ अन्यच- ॥ चौपई ॥ उशीरपद्मलोध्रअरुगेरी चूरणकरेअपनोहितहेरी मिसरीमेलतंडुलजलसंग पीवैरक्तपि- त्तहोइभंग तमकत्रिषाअरुदाहमिटावै शीघ्रभगैरुजसुखप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ प्रियंगू- लोध्रगाजनीजान सुरमायहसमपीसोआन वासारसअरुमधुजुमिलाय पीवैरक्तपित्तमिटजाय मुख- नासकालिंगगुदाकेर रक्तप्रवाहिजायसुखहेर शस्त्रवेगकोरुधप्रवाहि नाशहोयसुखउपजैताहि ॥ अन्यच- ॥ चौपई ॥ केवलहरडचूर्णजोलहिये मधुयुतदीपनपाचनकहिये रक्तपित्तकफशूलमिटावत अतीसार- दुखदूरकरावत ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ मध्यभागगन्योंकालेहु अरुगन्योंकीजढसंगदेहु कुमद- निअरुकमलोंकोकेसर मुलठमोचरसपद्मपृथकधर वटकीजटामनकाठान अवरछुहारेजहसमआन यह- सभसमलेकाथवनावै मधुसरकरामिलायपिवावै प्रमेहरक्तपिततत्तक्षिणनाशै रोगजायतनदुतिपरकाशै- ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ लोहुगंधआवैजिहश्वास धूमगंधडिकारहोइतास ऐसोरक्तपित्तीहैजोय ताहिचूर्णयहहितकरिहोय लघुलायचीचूर्णकरलेह तामोमिसरीदुगुणिवरेह नितषावैआनंदतहोय रोगजायमनसमझोसोय ॥ अथदुग्धपानं ॥ चौपई ॥ जिसरक्तपितीहोइवातअधिकाय तौमिसरीदु- ग्धअजासुखदाय अथवागौदुग्धकोंलेवै पांचभागतामोंजलदेवै तिंहपकायमधुमिसरीपाय रक्तपि- तीअचवैदुःखजाय अथवापस्यविदारीगंधा दूधपकायपीवैनितसंध्या अथवाद्राक्षमनकापावै अथवा- पायप्रयंगुपकावै अथवाभषडेवाजुमुलठ वाशतावरीकरोइकठ याप्रकारकोंदुग्धपकाय पीवैरक्तपित्त- मिटजाय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ रुंवलपकछुहारेजान हरडकाश्मरीसमलेठान द्राक्षमनका- सभीमिलाय मधुमिलायचाटैदुःखजाय वाभिन्नाभिन्नमधुसंगजुचाटै रक्तपित्तकोदुखसभकाटै ॥ अन्यच ॥ पदरप्रयंगूअरुकचनार सिंवलफूलसभनकेडार मधुमिलायपीसकरचाटै रक्तजपित्तरोग- कोंकाटै ॥ अन्यच ॥ हरडचूर्णवासारससंग सत्तवारिकरैषरलअभंग मधुमिलायपुनचाटैसोय रक्तपित्तनाशतवहोय वामघपीपलइसीप्रकार चाटैरक्तपित्तकोंटार ॥ अथलाक्ष्याचूर्ण ॥ चौपई ॥ जाहिक्षतजहोइरक्तप्रवाह लाक्षचूर्णपयसाथपिलाह रक्तप्रवाहिनाशतवहोय सुखसंयुक्तरुजीहोइसोय ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ त्रिफलाअर्जुनमहूमंगाय लोहपात्रनिशिधरैभिगाय पुनपकायघृतसंयुतचाटै सहितशरकरारक्तजकाटै भूषलगैबकरीपयपीवै रोगजायतवसुखियाथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥

वकरेकाजुकलेजाश्रान घृतसोंभूनकरेनितपांन रक्तपित्तताकोहोइनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मंगवावैजुकबूतरमास घृतमोंनकिंभूनेतास सितामिलायतासकोंषावै रक्तविकारदेहतेंजावै ॥ अथभस्मक्ष्यार ॥ चौपई ॥ रक्तपितीकफअधिकलषावै भस्मक्ष्यारयहताहि' षवावै उत्पलवामृणालकोंआन अथवापद्मप्रयंगूठान केसुवाअसनलषलेहु अथवामहुआभस्सकेरहु मधुघृतमिलायहचाटैक्ष्यार रक्तसकफमिटजायविकार ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ जिसरक्तीमंदाग्निजनावै अवरअरुचभोजनप्रगटावै सुंठइंद्रयवसमयहलेह तंडुलजलसोंपीजैएह रक्तपित्तमंदाग्निमिटावै अरु-भोजनकीरुचउपजावै ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ तक्रअवरदाडिममंझार सिद्धयवागूकरेसुधार नितषावैयहरोगीजोय नासरक्तपित्तकोहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ जिंहनासातेंरुध्रप्रवाहि प्रगटहोययहचूर्णताहि घृतमोंभूनआमलेपीस नितषावैताकोदुखर्षीस अथवाशिरमोलेपलगाय तातेंरुधिरप्रवाहमिटाय नासारुध्रयोंरोकदिषावै जलप्रवाहिज्योंसेतरुकावै अथवादुग्धशरकरासंग नासाहारपियेदुःखभंग वासरकराजलनासाहार देवैजोरोगीप्रणधार नासारुध्रबंदहोइजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ अन्यप्रकार ॥ चौपई ॥ द्राक्षमनकाकोरसलीजे घृतपयमेलसितासोंपीजै नासेताकोरक्तविकार वैद्यकमतयोंकीनउचार अथवागन्नेकोरसपीवै रक्तविकारनासतवथीवै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ दाडिमपुष्परसलेनसवार वादूर्वारसकीलषधार अथवाआंवगुटीकीदेह वागंढेरसकीलषलेह ईंहनसवारसुरक्तामिटाय अवरहुंभीसुनहोचितलाय ॥ अन्यच ॥ दूर्बारसलाक्ष्या-रसजान हरडआवलेरसलेठांन दाडिमफूलजरसकोंलेह यहसभसमएकत्रकरेह तीनदिनाजोलेनसवार नासेनासारक्तविकार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ प्रियंगूगन्नेकीजढपावै सींवलकीजढसंगमिलावै घृतमोंपायपकायसुधरै ताघृतमध्यशरकराडारै पीवैवालेवैनसवार रक्तदोषमिटजायाविकार ॥ अथचंदनादिचूरण ॥ चौपई ॥ चंदनलोध्रमृणालउशीर पद्मकेसरविलमुध्रलषधीर नागपुष्पन्ही-वेरपछान यवपाठाकोगेडपुनठान उत्पलआद्रकअवरपतीस रसोतमंजीठधावैलेपीस आंवगुटीजाम-णगुटिजान नीलोत्पलघृतलायचीमान दाडिमत्वचामोचरसपावै यहसमपीसेचूर्णवनावै यहऔषध-सभलेचौवीस इकठीसमचूरणकरपीस मधुशरकरमिलांवेताय वलअनुसारानिताप्रतिषाय तंडुलजल-सोंषावैसोय इन्हरोगनतेंमुक्तीहोय रक्तपित्तअर्शज्वरनाशै मूर्छात्रिषाछर्दसुविनाशै अरुनाशेतनतेंअती-सार यहसभनासेंदेहविकार जिंहइस्त्रीकोंरजनहींआवै होयरजस्वलायाकोंषावै अरुजाकोंहोइगर्भ-श्राव यहचूर्णषावैधरभाव गर्भश्रावविकाराविनाशै होइाथिरगर्भदेहसुखभाशै चंदनादियहचूर्णकहिये रोगजाहिंहितकरजगलहिये जौंसुरवैद्यअश्विनीकुमार तिन्हयहचूरणकीनउचार पित्तप्रमेहकीऔषधजेतीलिं गद्दारकेरक्तमोतिती अन्यच पंचमूललघुआनापिसाय ताकेसंगजुदुग्धपकाय ताहिदुग्धकोकरेजुपान लिंगद्दा रकोंरक्तहोयहान अथदूर्वादिघृत चौपई दूर्वाअवरकमलकोकेसर एलवालुचंदनलेमुत्थर मंजीठकमलथलअ वरउशीर कर्षकर्षयहलेमातिधीर प्रस्थएकघृतमोयहपावै तंडुलजलपयअजामिलावै चतुर्गुणेजलपयजलमान मंदअग्निपकायपुनछान पुनमुलठअरुद्राक्षमंगावै महूरक्तचंदनपीसावैं अवरकाश्मरीकोंलिआन कर्षकर्ष-सभकरोमिलान पुनमंदाग्निसंगसुपकावै वलअनुसारानिताप्रतिषावै रक्तवमनपितरक्तविडारे नासाकर्णरुध्र कोंटारे जोकांनोंतेंरुध्रलषावै तौयहघृतकानोंमोंपावै जोनेत्रनतेंरक्तजनावै तोयहघृतनेत्रनमोंपावै जो-लिंगगुदातेंरुध्रप्रवाहि वस्तीकर्मकरघीउचढाहि जोतनरोमनरुध्रप्रगटावै तोघृतकोमर्दनकरवावै

॥ अथमहादूर्वाघृतं ॥ चौपई ॥ दूर्वाएलुवालुकजुपद्मथल मंजीठउशीरजाननीलोत्पल रहसणचंदनलोध्रकुठमुस्थर दोनोरजनिकंकोलमुलठधर पद्मकाष्टरक्तचंदनजान सवयहकर्षकर्षपरिमान करयवकुहप्रस्थघृतपाय प्रस्थअजाकोक्षीरमिलाय रक्ततंडुलजलप्रस्थरलावै प्रस्थएकदूर्वारसपावै सभरलायमंदाग्निपकाय नित्यथावलताकोंषाय रक्तवमननासापरवाहि पावैकाननासिकाजाहि लिंगगुदापरमर्दनकरै अर्शरक्तरक्तपितटरै पितअरुकफविकारजोलहिये कीटदद्रिकंडूजोकहिये इन्हरोगहिंघृतयहहितकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथशुंगादिघृत ॥ चौपई ॥ बटरुवलपीपलयहतीन इन्हकीजढसमलेहुप्रवीन नीकेंकूटतप्तजलमाहि आठप्रहरराषैलषुताहि पुनसोऊजललेवैछान घृततिंहडारैप्रस्थप्रमान मंदअग्निसोंताहिपकावै अर्धशर्करापायमधुपावै पीवैरक्तपित्तमिटजाय अग्निवेशरिषिकह्यो सुनाय ॥ अथशतावरीघृत ॥ चौपई ॥ शतावरिमेदमुलठअनार कंकोलतिंतडीतामोडार विदारकिंदसुपारीमूल सभयहलेपीसोसमतूल तिहसभतेंदुगुणोघृतपावै दुग्धचतुर्गुणपायपकावै षावैकासअफाराजाय कवजशूलज्वररक्तमिटाय ॥ अथमहाशातारीघृत ॥ चौपई ॥ शतावरिमूलरसप्रस्थजुदोय तासमतामोदुग्धसमोय प्रस्थएकघृतपायप्रवीन मंदअग्निधरयहजोतीन घृतपकाययहचूर्णमिलाय तिंहऔषदकोंकहोंसुनाय जीवकरिषिवमेदमहामेद काकोलीक्षीरकाकोलीभेद द्राक्षमुलठमुदगपरणीलहु माषपार्णीरक्तचंदनगहु अवरविदारीकंदपछान कर्षकर्षइन्हकोपरिमान पीसशरकरामधुघृतपाय षावैरक्तपित्तमिटजाय क्षीणवीर्यकोंवीर्यवधावै अंगदाहशिरदाहमिटावै योनिशूलयोनिकोदाह मूत्रकृछ्रपित नासेताह ॥ अथवासादिघृत ॥ चौपई ॥ वासाकोपंचांगमंगावै कूटक्काथमोंघीउपकावै मधुमिलायकषावेतास रक्तपित्तरोगहोइनाश ॥ अथवासादिपुष्पघृत ॥ चौपई ॥ वासासणअर्जनकचनार इन्हकेपुष्पलेहूसमडार करैक्काथघृतपायपकावै षावैरक्तपित्तदुखजावै ॥ अथमहावासाघृत ॥ चौपई ॥ वासारसघृतदुग्धपकाय पाछेतेंयहचूरणपाय किरायताकोगडमुथूमुलठ महूरक्तचंदनजुइकठ अनंताऔरसारवाउशीर मूर्वाकमललेहुमतिधीर पद्मकाष्टजानोत्रायंती मिसरीमधुजुपत्रमदयंती सभयहघृतमिलायकरषावै रक्तपित्तस्वरभेदमिटावै हलीमकवातगुल्मकोंनाशै कफपितरक्तविकारविनाशै ॥ अथकामदेवघृत ॥ चौपई ॥ इकशतपलअसगंधमंगावै तिसतेंअर्धभषडापावै वलाशालिपरणीजुगिलोय जढअश्वत्थशतावरिजोय विदारीकंदकाइमरीलीज इटसिटअवरकमलकेवीज माषवीजदशदशपलजान चतुर्गुणाजलपायपकान द्रोणप्रमाणआयरहैजवै छाणधरैताकोढिगतवै मनक्कापद्मकाष्टमधकुष्ट पद्मरक्तचंदनजुइकठ कवचवीजगजकेसरजान नीलोत्पलजीवनीपछान तालीसपत्रसारिवादोय तामोंआनमिलीजैसोय यहसभकर्षकर्षलषलीजै दोइपलमिसरीताहिरलीजै पोनेगन्नेरसपुनआन आढकएकतासपरिमान चतुर्गुणदुग्धप्रस्थघृतपाय मंदअग्निपकायनितषाय रक्तपित्तकामलाविनासै वीर्यक्षीणकोंवीर्यप्रकाशै हलीमकवातरक्तमिटजावै पांडुमूत्रकृछ्रदुखजावै पार्श्वशूलस्वरक्षयस्वरभेद हृदयदाहनिर्बलताछेद परसूतीतियषावैजोऊ ताकेतनमोंबहुवलहोऊ वीर्यवधावणयाकोंजान इंद्रियदेहशक्तिकरमान रसायणहैआयुषावधावै स्वरवर्णकंठकोसुष्टवनावै रहितसर्वरोगनतेंहोय फूलेदेहीकृशताषोय जलकेसिंचनतैंद्रुमजैसें फूलैपुष्टहोयनरतैसें कामदेवघृतयाकोनाम वहुगुणदायकहैसुखधाम ॥ अथमूर्वादितैल ॥ चौपई ॥ मूर्वाअवरमंजीठमुलठ चंदनद्राक्षकरेलेइकठ नक्तअवरसारवालेदोय गन्धोंकारसतैलसमोय दुग्धचतुर्गणपायपकावै पीवैमर्दनदेहकरावै रक्तपित्तकफवातविनाशैं रोगजा-

यतनदुतिपरकाशै अथमधूकादिगुटिका चौपई महूमुलठद्राक्षपुनजान वंशलोचनयहपलपलठान त्रिजात
कतीनकर्षयहलेय मिसरीदोइपलसंगरलेयमघांतीनपललेजुमिलाय छुहारेपलइकताहिरलाय पीसेमधुमिला
यगुटिकाऊ वांधैताहियथावलषाऊ रक्तपित्तश्वासज्वरकास छर्दअरुचमदभ्रमात्रिषनाश मूर्छाहिडकीक्षई
लिफवाय स्वरभंगरक्तथुकधुकीमिटाय अथकूष्मांडघृत चौपई ॥ वृद्धपुरातनकठिनजुहोय कुष्मांडमंगवा
बेसोय वीजत्वचातेंरहितवनावै सिलपरपीसजुतासवनावै वस्त्रपीडरसताकोधरे धूपतपायतनकसोकरै
कूष्मांडहोइतुलाप्रमान ताम्रकडाहैमोंतिसठान प्रस्थएकघृतभूनेजास माष्योंवर्णलषैजवतास तामों-
शतपलषंडमिलावै पुनवहकुष्मांडरसपावै कडछीफेरपकावैताय ताकोघृतप्रगटैजवआय अैसैंपक्क-
लषैतिसजवै घृततैंअर्धमधुमेलैतवै दोयपलमघांचूर्णतिंहपाय सुंठजीराइकइकपलभाय त्रैसुगंधमर-
चांपुनजान धनियांसुक्तिसुक्तितंहठान ताहियथावलनितउठषावै पथ्यरहैयहरोगमिटावै रक्तपित्तश्वा-
सज्वरकास यक्ष्महृदयरुजत्रिषाविनाश पीनसक्षताछर्दविनाशै रुजस्वरभंगकंठकोनाशै ॥ अथअ-
न्यकूष्मांडघृत ॥ चौपई ॥ शतपलकूष्मांडविनवीज त्वचारहितकीजैलषलीज ताम्रपात्रघृतप्रस्थमंझार
भूनेमंदअग्निपरधार माष्योंवरणहोयसोजवै शतपलषंडडारियेतवै मघआद्रकदोदोपलपावै पुन-
यहचूरणपीसमिलावै जीरातज्जलायचीजानो धनियांमरचजानमनमानो अरुतालीसपत्रलषलेय
अर्धअर्धपलतामोदेय कडछीफेरेताहिपकाय घृततेंअर्धमषीरमिलाय याकोंनित्ययथावलषावै रक्त-
पित्तक्षईरोगमिटावै श्वासकासअंधरातजावै छर्दत्रिषाज्वरनाशकरावै वृद्धवीर्यहोइयुवाप्रकाशै
वलअरुसुष्टवरणतनभासै कंठकीरस्वरसुंदरहोय कूष्मांडरसायणजानोसोय यहभाष्योअश्विनीकुमारन
यहनिश्चयकीजेउरधारन ॥ अथवासाकूष्मांडघृत ॥ चौपई ॥ कूष्मांडपललेहुपचास प्रस्थघीउमोंभूनै-
तास शतपलषंडजुताहिमिलावै वासाक्वाथआढकलषपावै मंदअग्निसोंपक्ककरीज पुनयहचूरण-
तामोंदीजै धात्रीफलपुनमुत्थरजान त्रैसुगंधजुभिडंगीमान कर्षकर्षयहचूरणकीजै सुंठमरचपलपल-
यहलीजै एलाधनियांपलपलपावै मघांकुडवइकपीसमिलावै घृततैंआधोडारमषीर वलअनुसार-
सेवनितधीर रक्तपित्तश्वासअरुकास हिडकीक्षईहलीमकनास अमलपित्तहृदरोगाविनाशै पीनसइ-
त्यादिकरुजनाशै ॥ अथशूरणपाक ॥ चौपई ॥ शूर्णकूष्मांडविधिजैसें वनवायपकावैषावैतैसें अर्श-
वातमंदाग्निमिटावै रक्तपित्तकोरोगनसावै ॥ अथकूष्मांडअनूपान ॥ चौपई ॥ पंचमूलक्वाथकेसंग
इक्षुरसवापयसोंचंग इन्हअनुपाननसाथजुपावै रोगजाहिप्राणीसुखपावै ॥ अथवासाषंड ॥ तुलाएक-
भरवासालेवै अष्टगुणाजलक्वाथकरैवै पादशेषइकजवआरहै आढकहरडचूरणतवगहै शतपलषंडदो-
यलमघचूरण तामोंविधिसोंकीजैपूरण शीतलकरमधुकुडवमिलावै चतुरजातचूर्णपलपावै कडछीमे-
रलायसोषावै रक्तपित्तक्षईरोगमिटावै अरुदुखश्वासकासकीहान वंगसेनमतकीनवखान ॥ अथअमृ-
ताक्षलोहरसायण ॥ चौपई ॥ गिलोयत्रिवीदंतीअरुचित्रा आवणीषदरवलाअरुभंगरा तालमषाणाइ-
टसिटथोहर कासीसवारणागन्नेकीजर कंदविदारीपुष्करमूर वासाकुशातालकोमूल भिलावेदालह-
लदजुकुलंजन चवकगवाक्षीकुठसुहांजन भडिंगीमूर्वापिप्पलामूल पलपलयहलीजैसमतूल द्रोणएक-
जलमोंपकवावै अष्टमभागछाणधरवावै पुनत्रिफलाइकप्रस्थमंगाय अष्टगुणातामोजलपाय यहभी-
क्वाथअष्टगुणलेय अगलेक्वाथसंगसुमिलेय पुनलेलोहपुठतिसदीजै माक्षिकसंगमारसोलीजै सोमृ-
तलोहषोडशपलगहै यौंसुधारपुनअभरकलहै सोअभरकपलचारप्रमान चारोपलगंधकतिंहठान घौ

तशुद्धदोइपलधरपारा गुडपलअष्टसुनपुरुषउदारा पित्तअधिकतौमिसरीपावै अधिकरक्तपितषडमिलावै गुगुलदोइपलसमुझपतीजै अर्धप्रस्थघृततामोदीजै पाकविधिन्नहोयनरजोऊ सभधरक्राथपकावैसोऊ शीतलहोयोजानेजवै मधुपलअष्टमिलावैतवै स्वर्णमषीदोपलपुनलीजै शुद्धमारकरतामोदीजै पुनपलअर्धशिलाजितचूरण तिसऔषदमौंकीजैपूरण पुनत्रिफलात्रिकुटापीसान दंतीत्रिवीषैरकथजान तालीसपत्रपुनजीरेदोय धनियांचित्राद्राक्षसमोय रसौंतमुलठीककडशृंगी चतुरजातकीजैइकसंगी लवंगजायफलमरचकंकोल डारछुहारेपलपलतोल यहसभऔषधपलपलपावै बापलअर्धअर्धजुरलावै इसऔषदकोषावैजोय नाशसमस्तरोगकोहोय रक्तपित्तज्वरक्षईविनाशै कुष्टजुअमलपित्तकौंनाशै अर्शअरुचसंग्रहणीजावै उदरशूलप्रमेहमिटावै पथरीआमवातजुविडारै मूत्रकृछ्रइस्यादिकटारै याभक्षणाकोसुनोप्रकार प्रथमहिब्रह्मचर्यकोंधार प्रथमदिवसइकमासाषावै इकइकरत्तीवधावतजावै जानोमासेअष्टप्रयंत रहैवधावतलषयहतंत अमृतलोहनामइंहजानो अहैरसायणयहमनआनो द्विदलदालकोवर्जनकरै अनूपमांसकोमननहिधरै ककारादिकसभवस्तुजोय तिनकोभक्षेनहिनरसोय जोनरइंहविधियाकोंषावै वृद्धसुयुवाअवस्थापावै होइआरोग्यसदासोरहै वंगसेनमतऐसैंकहै ॥ इति-

॥ अथषंडषाद्यलोह ॥ चौपई ॥ शतावरिवासावलाभिडंगी त्रिफलाषैरगिलोयजुमुंडी तज्जतालमूलीपहिचान पुष्करमूललहोसुनज्ञान यहसभपांचपांचपललीजै द्रोणपायजलक्राथसुकीजै अष्टमभागरहैतुउतारै वस्त्रछनायनिकटसोधारै व्योषआदिमारितजोहोई लेयलोहद्वादशपलसोई षोडशपलघृतसंगमिलावै षोडशपलतिहषंडरलावै क्राथसहिततांवेकेवासन पक्ककरैदेमंदहुतासन सोऊशीतलहोवेजवै अर्धप्रस्थमखीरमिलावैतवै शिलाजीततज्जअरुनागर आद्रकमघजीराविडंगधर कक्कउश्रृंगीजाफलपाय पीसमहीनकरतासमिलाय त्रिफलामरचांकेसरजान तालीसपत्रधनियांलषमान अर्धअर्धपलपीसमिलावै मथकरथिदेवासनपावै गौदूधअथवारसमास लषवलइन्हसंगषावैतास रक्तपित्तक्षईकासमिटावै वातरक्तपरमेहनसावै शोथपांडुकुष्टकौंनाशैं लिफअफारारक्तविनाशैं अमलपितअर्शहोएदूर नेत्रज्योतिप्रगटावैभूर पुष्टकरैपुत्रहिंउपजावत अग्निकरैपुनदेहवधावत षंडषाद्यहलोहपछान कह्योग्रंथमतनिश्चैजांन जोजोऔषधपितज्वरकही रक्तपितमौंहितकरलही ॥ दोहा रक्तपित्तरुजकीकहीचिकित्साभलेवनाय रोगहरेंतनसुखकरैलषलीजैचितलाय ॥ इतिरक्तपित्तरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथरक्तपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रक्तपित्तरुजकेकहौंपथ्यापथ्यविचार तिन्हकौंसमुझविचारकैवैद्यकरैउपचार ॥ अथपथ्यनिरूपणम् अडिल्यछंद रक्तपित्तरुजहोततीनअस्थानमों होवैरक्तप्रवाहिलहोनिजज्ञानमों शिरकेसभहीद्वारनेत्रमुखनासजो अबरकर्णकोद्वारएकअस्थानसो दूसरगुदकास्थानभलीविधिजानिये तीसरलिंगस्थानसुऐसेंमानिये इन्हअस्थाननरुध्रचलैजवजानहो तिंहकेपथ्यापथ्यकहौंपरिमानसो इन्हकौंरेचनपथ्यकह्योसुनलीजिये शठीशालीचावलपथ्यभनीजिये कोद्रमकंगुनीसांउकचावलजांनरे सभीपुरातनहोंहिसुमनअनुमानरे यवकोकोटामसुरमुंगअरुमोंठसुन चिडवेचणेजुलाजासत्तूमानपुन सहाकबूतरहरणलवाकोमासरे गोवकरीकादुग्धघीउपथतासरे महिषीघृतअरुपनसप्याजफलजानहो कदलीफलजुपटोलतालफलमानहो आमलेतालनवीजकपित्थअनारही वासामींठेपक्कसुविल्वछुहारही पक्कपुरातनकूष्मांडनालेरजो निंवशाकतरवूजफालसेद्राषसो ईक्षुदंडशालूककंदसिंगाडपुन माष्योंशी.

तलतोयजुशीतलपवनसुन घृतशतधौतवषान्योंचदनलेपजो वुटणातैलाभ्यंगफुहारेमानसो चंदनभ. क्षणशीतलवस्तूंषाईये चंद्राकिरनविचित्रकथामनभाईये शीतलभूपरवैठणशयनसुहावनो सरितातट. कीरेतीवैठनभावनो चंदनलेपलपेटीतियआलिंगनं कदलीपंकजपत्रनऊपरवैठनं वैडूरजमणिमुक्ताहा रसुहावने पहिरेवस्त्रमहीनस्वेतमनभावने वागवाटिकानहरनसशीकोदर्शजो कमलनकोवनदेषनमित्र. सपर्शहो शीतलझरनेंदेषननिकटनिवासही हर्षवधावनकीर्त्तनरागहुलासही रक्तपित्तरुजहोयअधिकतन. जासही तिसकेंयहसभकीन्हिपथ्यप्रकाशही ॥ इतिरक्तपित्तरोगेपथ्यानिरूपणम् ॥

॥ अथअपथ्यनिरूपणं ॥

॥ अडिल्यछंद ॥ सूरजकिरनपछानअवरव्यायामरे तीक्षणकर्मसुमानमहादुखधामरे मारगकोवहु. चलनोधूम्रजुपानही अतिमैथुनअतिउष्णरूक्षअन्नखानही मदिरासरपपक्ष्यारवस्तुसभजानिये दहीअव, रजलकूपतांवूलपछानिये अवरहुंजोजोवस्तुरक्तउपजावहैं सोसोसभहीवस्तुअपथ्यलषावहैं ॥ दोहा. यहजोकहैअपथ्यसभरक्तपित्तकेजान गहैपथ्यत्यागैअपथताकीहोयनहान ॥ इतिरक्तपित्तरोगेपथ्यापथ्य. अधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ रक्तपित्तरुजवरन्योप्रथमाहिकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्य वषान ॥ इतिरक्तपित्तरोगेनिदानचिकित्सापथ्यापथ्यसमाप्तम्

॥ अथरक्तपित्तकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपै जोब्राह्मणपरकोपनिरर्थ द्विजनिंद्याअरुकलहसमर्थ रक्तपित्तरुजतासप्रवेश आगेसुनऽताकोभेष तासउपायकहोसुनसोय जातेनासरक्तपित्तहोय ॥ उपाय ॥ ब्रह्मचर्यव्रतराषैसोयी एकभरमप्रणधारैजोयी वैशाखमांहिकरप्रातस्नान होवेरोगरक्तकीहान इतिरक्तपित्तकर्मउपाय ॥ दोहा ॥ रक्तपित्तवरननकियो. कारणसहितउपाय शीतपित्तकेदोषकोआगेसुनाचितलाय

॥ अथरक्तपित्तज्योतिप ॥

चौपै सशिघरमोंमंगलपडेतिहनररक्तविकार रक्ततस्करीकार्य्यसोउद्यमकरहिअपार ऐसेऔगुणकेनि मितमंगलपूजाइष्ट दानकरैवृषलालरंगइहउपायहैश्रेष्ट विल्लरक्तचंदनबलालालफूलगुलमान बकुलपु ष्पजलपाइकरताहिकरैइस्नान ॥ इतिज्योतिषोपायसमाप्तम् ॥

॥ अथशीतपित्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तनिदानकीभाषाकरोंवनाय याकोंसमुझैवैद्यजोताकीमतिअधिकाय ॥

॥ अथशीतपित्तनिदानपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलशीतलवहैवात इन्हसपर्शतेंहोइउतपात इन्हकोजवस्पर्शतनहोय कुप्त वातकफापितमिलसोय त्वचारक्तमोंफैलसोजांहि अंतररक्तवहिरत्वचमांहि तातेंत्रिषाअरुचहोइआवै हल्लासमोहदाहप्रगटावै गौरवअंगनेत्रहोंइलाल पूर्वरूपयोंलषोविशाल ॥

॥ अथलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तनपरधफडशोथजुहोय कंडूदाहछर्दज्वरजोय सूचींविधइवपीडाजान वातादिभे दपुनकरोंवषान वातअधिकजासमोंलहिये शीतपित्तनामतिसकहिये कफअधिकजोयामोंमानै तासउ

दर्दसुनामवषाने शिसरमांहिधफडजोपरैं मध्यतेंनिम्नषुरकबहुकैं शैशिरनामताहिकोकहिये असेयाकेल क्षणलहिये जोयहदुखइकक्षणभररहै कोठनामताहूकोकहै अवरजोबहुतदेरनकरहै सोईउतकोठनाम-करकहहै यामोवमनजुआवतनाहिं कोष्टनामताकोकरगाहिं यामोवमनवहुतकरआवत उत्कोष्टनाम-तिसवैद्यजुगावत ॥ दोहा ॥ शीतपित्तजुनिदानकौंभाष्योसमुझविचार क्षणभररहैबहुचिररहैऐसेंकी-नउचार ॥ इतिशीतपित्तरोगानिदानम्.

॥ अथशीतपित्तउदर्दरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तकेरोगकीकहोंचिकित्साजान ज्योंभाषीवंगसेनमोतैसेंकरोंवषान ॥ चौपई ॥ अथवमन ॥ पडोलनिंबअवरलेवासा औषदवमनमिलावोतासा हितकरतासचिकित्साकहिये यह-निश्चयअपनेमनलहिये ॥ अथरेचन ॥ चौपई ॥ मघत्रिफलासमगुग्गुलसंग रेचनचूरणदेहनिसंग मर्द-न ॥ कटुकतैलकोंमर्दनकीजै स्नानउष्णजलसोंरुजछीजै ॥ अथपाणा ॥ त्रिफलानवकर्षमधूहिमिलाय पीवैरोगनाशहोइजाय ॥ काथ ॥ चौपई ॥ अमृतादिकाथपरिमान विसार्पिरोगमोंकीनवषान सोऊ-क्काथवनायपिलावै शीतपित्तरोगमिटजावै ॥ चूर्ण ॥ मधूअवरमिसरीसमपावै यहहितकरचूरणलष-षावै ॥ अन्यच ॥ चूर्णआमलेगुडजुमिलाय षावैशीतापित्तमिटजाय ॥ अथयूख ॥ त्रिकुटाज-वानीलेहुयवक्ष्यार यवकेमांडपीससोडार पीवावैरोगीकोंसोय शीतपित्तरोगहततहोय ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ रासनात्रिफलाअवरशतावर असगंधइंद्रजवचूर्णवरावर याकोंषायशीतपितजाय ऐसेंगुणतसकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चिरोंजीतिंदुकउनावखैरकथ श्वेतखैरविजयसारसमाहिमिथ सप्तपर्णीअरुदुर्गंधिखैरआन अश्वकर्णीअर्जुणतुचजान काथकरैजुसमस्तमिलाय सीतापित्तदेहीनरहाय ॥ अन्यच ॥ हिंगुजवायणचूरणषावै शीतपित्तरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ जवायणगुडमिलाय-जोषाय रोगशीतपिततातैंजाय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपारजर्नाआन पवाडबीजति लसमलेठान चूर्णकरकटुतैलमिलाय मर्दनकरउदर्दमिटजाय ॥ गुड ॥ पुरातनगुडरसआद्रक मेल षावैरुजउदर्दकोंरेल ॥ दुग्ध ॥ काश्मरीफलपयपायपकावै षायउदर्ददद्रूरुमजावै ॥ अथरुधमोक्ष ॥ प्रथममरचघृतकरहैपान पुनरुधनिकालैहोइरुजहान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई प्रथमस्नेहपानसुखका रण फुनस्वेदनयामोहितधारण रेचनकरतनशुद्धकरावै पाछेकुष्टहरउौषधषावै शीतापित्तउदर्दरुजनाशै रोगमिटैतनदुतिप्रकाशै ॥ अथआविलेह ॥ चौपई ॥ निंवपत्रआमलेपीसाय घृतामिलायअविलेहच-टाय उदर्दरोगनाशलवहोय निश्चैकीजैमनमोंसोय ॥ अथवुटणा ॥ चौपई ॥ कुठअसगंधनिंवसुरदार सुहांजणासर्षपरजणडिार तुंबरूधनियाचवकपडोल अरुघंडालीजैसमतोल चूर्णकरकटुतैलामिलावै तक्रमेलकरदेहलगावै कंडूपिटकाशोथनसाय कुष्टउदर्दनाशहोइजाय ॥ अन्यच ॥ धात्रीत्वचापत्रा-कुठआनो नागपुष्पएलानखठानो तगरप्रयंगूरेवंदमान दूर्वाशीपचिोरकजान अस्थौनेयवालुकपुन-लीजै श्रीवेष्ठसरजरसइकथलकीजै नीलाथोथाअगरगजकेसर अरुकुंकमलेताहिपीसधर अवरवका-यणपुष्करमूल यहचूरणकीजैसमतूल पायतैलकटुमर्दनकरै रुजउदर्दकंडूकोंहरै वातजकफजरोगमिटजाय-पिटकादिकवहुरोगनसाय ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकीकहीचिकित्साजोय वंगसेनमतजानिएसो-गनिवारनहोय ॥ इतिशीतापित्तउदर्दरोगाचिकित्सासमाप्ता ॥

॥ अथशीतपित्तउदर्दकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकुष्टकोपथ्यापथ्यअधिकार वैद्यकग्रंथविचारकैताकोंकरोंउचार ॥ अथ पथ्यं ॥ चौपै ॥ मोक्षणरक्तछर्दअरुलेपन पुनलषपथकरवावैरेचन चावललालमुंगजुकुलत्थ वालमूलिकाजानोपथ्य त्रिफलामधुजुककोंडेजान वैंतकूमलीकरेलेमान अरुसुहांजणापथ्यकहीजै पुनकटुतैलअनारभनीजै कटुतीक्षणकषायजोवस्त पित्तश्लेष्महरहैजुसमस्त तप्तोदकजानोपरमान एतेपथ्यकीनव्याख्यान ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेमनसमुझकैलषहोपुरुषसुजान आगेंसुनोअपथ्यसभसोईकरोंवषान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै ॥ दुग्धमत्सजलजीवनमास इक्षुविकारगुडादिप्रकाश स्नानमद्यअवरनवनीत वमनवेगरोकनसुनमीत पूर्वदक्षिणपवनपछान दिनकीनिद्राआतपमान मैथुनअमलमधुरसभवस्त विरुद्धअन्नजलगुरुजुसमस्त ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकेपथ्यापथ्यवषान लषराषैनिजहृदयमोंसोनरवैद्यप्रमान ॥ इतिशीतपित्तउदर्दरोगपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शीतपित्तउदर्दकोप्रथमहिकह्यो निदान पुनहिंचिकित्सावरनकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिशीतपित्तउदर्दरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथअमलपित्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अमलपित्तनिदानकोसुनहोपुरुषसुजान भाषारचवरननकरोंज्योंकहेग्रंथनिदान ॥ चौपै ॥ दुष्टविरुद्धजुभोजनषावै अमलविदाहीसोंजुअघावै पित्तप्रकोपीअन्नजुपान अरुभोजननहिपच्योसुमान अर्धदग्धछातीपररहै प्रगटैअमलपित्तयोंकहै रवांहादिकशाकादिकजेऊ भोजनदुष्टकहितहैतेऊ मत्सक्षीरइकठेजोषावै भक्षविरुद्धताहिकोंगावै अमलपित्तजाकोंप्रगटावत विनश्रमश्रमयुतदेहलषावत तीक्षणअमलेप्रगटडकार मूर्छातृषाभ्रममोहविकार कंठहृदयमोंउपाजितदाह अरुतनभारीहोवतताह तलेऊपरतेंनिकसैंअन्न अमलपित्तजानीइनचिन्ह हरतपीतनीलरंगस्याह ईषदलालवमनहोइताह अमलोस्वादवमनकोहोय कंडूशिरपीडाहोइजोय हाथनचरणनउपजेदाह वहुतउपद्रवउपजैंताह नवीनयतनसाध्यसुकहावै चिरकोकष्टअसाध्यलषावै.

॥ अथअधोगामीअम्लपित्तलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ विष्टामाहिअनेकप्रकार तृषादाहमूर्छामोहधार हृदयदूषवमनसीआवै कायाभ्रमअतिहींदरसावै अग्निमंदरोमांचतजोय पर्साछूटैपीतरंगहोय ऐसेलक्षणजामोजान अधोगामीअम्लपित्तपछान.

॥ अथऊर्द्धगामीभोजनांतअम्लपित्तलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ भोजनकियेवानिराजुहार तीखाखट्टावमनविकार शरीरखाजचकतेपडजाय डकारवहुतकंठकुक्षभाय सिरपीडाकरपैरमोदाह भोजनअरुचिज्वरलक्षणताह जोअम्लपित्तमेंवायुकफमिलै तौवैद्यमोहकरहोयसुटलै अथदोषभेद जाहिअम्लपित्तकंपप्रगटाय प्रलापमूर्छाकायअकडाय अंधेरीघूमतमोहफुनहर्ष तवजानवैद्यवावायुमिलकर्ष वाकफमूकशरीरहोयभारी अरुचिकायशीतलअंगहारी वमनहोइफुनअग्निवलजाय खुजलीनींदअत्यंतकरभाय जाकेलक्षणऐसेहोय अम्लपित्तकफमिलतहैसोय ॥ दोहा ॥ अमलपित्तनिदानकोवैद्यकमतअनुसार लक्षणसहितवषनियोंसमुझलेहुचितधार ॥ इतिअमलपित्तरोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथअमलपित्तरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्साअमलपित्तकीसुनलीजैचितधार जैसेंभाषीवंगसेननेतैसेंकरौउच्चार ॥ चौपई ॥ अमलपित्तजाकेतनहोय रेचनवमनकरावेसोय रक्तमोक्षपुनातिंहहितजान प्रथमहिसोसुनकरौंवषान ॥ अथवमनविधिः ॥ चौपई ॥ पटोलनिंववासासमलीजै लवनमयनफलमधुसंगदीजै यहषुलायवमनकरवावै अमलपित्तशांतिहोइजावै ॥ अथरेचनविधिः ॥ चौपई ॥ धात्रिफलमधुत्रिवीमिलाय खावेरेचनशुद्धकराय अमलपित्तऊर्द्धगामीजोय ताकोंश्रेष्टवमनअतिहोय अमलपित्तअधोगामीजास रेचकरावनाहितकरतास जोइन्हसोंनिवर्तनाहिंहोय रक्तसोक्षकरवावैसोय तिक्तवस्तुषानअरुपान अमलापित्तमोश्रेष्टपछान ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंवगिलोय पटोल इन्हकोक्काथकरैसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास सछर्दअमलपित्तहोइनाश ॥ अन्यच - गिलोयकिरायतासुंठीमुत्थर क्काथकरैसमलेयइकत्तर पवैअमलपित्तहोइनाश होइअरोगतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गजपीपलपुनसुंठपटोल करैक्काथसभलेसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास सहशूलअमलपित्तहोइनाश अग्निवधैभुजवलप्रगटावत इहप्रकारताकेगुणगावत ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ निंवपापडाअरुत्रिफलाय गिलोयकिरायताभंगरापाय यहसमक्काथमधुपायपिलावै अमलपित्तनाशहोइजावै ॥ अथपुटपाक ॥ चौपई ॥ हिंगुनिर्मलीफलकोंआन अमलीअवरतज्जसमठान सहघृत॥ पुटसुदग्धकरषावै अमलपित्तनाशहोइजावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ धनियांचंदनमुथामिलाय यहसमपीसीमधुसुरलाय याकोंचटैअमलापितजावै ताकोगुणयोंप्रगटसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एलामुत्थरचंदनआन धनियाअभयाकणापछान धात्रीफलअरुलेहुपटोल यहसमचूर्णकरोसभतोल. मधुमिलायकरचाटैतास होयेअमलपित्तकोनाश ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ यवमधपीपलअवरपटोल करैक्काथयहलेसमतोल मधुमिलायकरपीवैतास छर्दअरुचअमलपित्तविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई पटोलपत्रकिरायतात्रिफलाय क्काथसितामधुपायपिलाय सहज्वरछर्दअमलापितनाशै होयअरोग्यदेहदुतिभासे अविलेह चौपई निंवपापडाअरुत्रिकुटाय अवरजुकोगडवीजरलाय लघुकंडयारीयहसमलीजैं मधुमिलाबकरचटणीकीजैं चाटैहोयअमलपितनाश ताकोगुणअसकीनप्रकास ॥ अथघृत ॥ चौपई कैवलपिपलीघृतमोंपावै मंदअग्निसोंताहिपकावै पीवैमधुयुतअमलपितनाश यहगुणताकोकीनप्रकाश अन्यच घृत चौपई चूर्णशतावरीलेपलचार प्रस्थतोयप्रस्थघृतडार चारप्रस्थातिंहदुग्धामिलावै मंदअग्निसों ताहिपकावै षावैअमलपित्तअरुश्वास रक्तपित्तमूर्छाहोइनाश त्रिषाअवरसंतापनसावै एतेगुणतिसघृतकेगावै ॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ धात्रीफलशतावरीआन मधुशरकराकरचूर्णमिलान शीतलजलअरपयघृतजानो भिन्नाभिन्नअनुपानपछानो चाटैअमलापित्तहोइनाश आयहोशहोइनेत्रप्रकाश ॥ अथरसामृतचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलामुत्थराविडंग चित्रापलपलकरइकसंग पावैगंधककर्षजुदोय कर्षएकपारासंजोय कर्षएकमधुघृतकेसंग चाटिलेहकरेरुजभंग पाछेजलवादुग्धपिवाय पित्तरोगतातेंमिटजाय अमलपित्तमंदाग्निविडारैं प्रणामशूलकामलपांडुटारैं ॥ अथनारकेलखंड ॥ चौपई ॥ कुडवनारकेलकोंआनैं सूक्ष्मताकोचूर्णठानै पलइकघृतमोंभूनसुलीजैं कुडवशुद्धखांडतिंहदीजैं चतुर्गुणदुग्धमंदाग्निपकावै पक्कहोययहचूर्णपावै चतुरजातकधनियांपिपलामूल कर्षकर्षचूर्णसमतूलताहिमिलाययथावलषावै पुरुषसुवलनिद्राअधिकावै अमलपित्तक्षइंश्वासनिवारै प्रणामशूलरक्तपिजुतटारै

॥ अथपिप्पलीशंख ॥ चौपै ॥ कुडवकणाचूर्णपीसाय षटपलघृतताहीमोंपाय प्रस्थषंडपलअष्टशतावरी दोयप्रस्थदुग्धतामेंधरी त्रिजातकमुत्थरधनियांआन मांसीसुंठदोजीरेठान हरडधात्रीफलसमलेय तीनतीन-टंकलषतेय मरचैंषदरसारयहदोय षटषटमासेताहिंसंजोय मधुत्रैपलहिमिलावैतास यथावलषायरोगयहनाश शूलअरुचहृदयदाहनसावै अम्लपित्तछर्दमूर्छाजावै अग्निवृद्धहोवैपुनतास एतेगुणतिसकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ अमलपित्तअधगामीहोय पित्तसंग्रहणीकरेविधजोय वाकफपित्तहरऔषधजान अमलपित्तमोसोपरमान ॥ अन्यच ॥ रक्तपित्तकीऔषधजेती अमलपित्तमोजानोतेती ॥ अन्यच ॥ पित्तशूलकीक्रियासुजान अमलपित्तकीकरेप्रधान ॥ अथधात्रीलेह ॥ चौपै ॥ धात्रीचूर्णआठपलआन लोहचूर्णचारपलठान करंजुमुलठीजीरालीजै दोइदोइपलयहजानपतीजै दिनसातगिलोयक्काथकेसंग षरलकरेपुनताहिअभंग आतपचंडमांहिसुसुकाय मधुघृतमेंपुनपीसामिलाय भोजनआदिमध्यपुनअंत षायथावलसुनहोसंत आदिषायपितवातनिवारे मध्यअन्नपचेकवजविडारे भोजनांतजोषावैतास अनुपानदोषहोएनाश अरुशूलादिरोगमिटजावैं ऐसोगुणतिसग्रंथवतावै ॥ अथवृहत्त्र्यूषणमंडूर ॥ चौपै ॥ पांचकर्षलीजेत्रिकुटाय त्रिफलादोइदोइकर्षमिलाय पलइकरसगिलोयकोलीजै प्रसारणिवलाविजोरलहीजै अरुभंगरायहचारजुकहे इन्हकेरसपलअठअठगहे मंडूरपलचालीसमिलावैं यहसमस्तमंदाग्निपकावै पुनयहऔषदपीसरलावै करइकत्रसभर्पासमिलावै मासेआठमिलावैहिंग मासेपांचधात्रीफलसंग त्रिकुटामासेचारोचार यहचूर्णतवतामोंडार पांचपांचपलमधुशरकरा पषाणभेदयथालाभतिहधरा पुनधानियांअरुजीरेसाथ शुद्धकरैघृतलषयहगाथ तिसघृतसाथसुमर्दनकरै पुनसनिग्धवासनमोंधरै भोजनादिमध्यअरुअंत षाययथावलसुनहरंसित अमलपित्तादिरोगसभनाशैं रोगरहिततनअंगप्रकाशैं पूतनाहरीतकीगुणा अन्यच हिक्काकुष्टमदमूर्छाजानो अजीर्णपीडाकोष्टजमानो रक्तपित्तभ्रमशूलसुकहिये उदररोगकृमिरोगजुलहिये अवरप्रमेहअरोचिकजानअमलपित्तअतिसारपछान हरीतकीमधुयुतभक्षणकरे एतेरोगताहितेंटरे अथत्रिफलादि मंडूर चौपै त्रिफलाभंगरावलामंगावै वासानिंवश्रावणीपावै किरायतागिलोयपापडाजान मंडूकपर्णिपटोलभर्डिगीठान इन्हइकइककेक्काथहिंसंग मंडूरपुरातनकरखरलअभंग पुनत्रिफलेरससंगपकावै मधुमिसरीघृततासमपावै अरुत्रिफलामुत्थरात्रिकुटाय जवायणजीराअरुचित्राय मुलठीधनियांअवराविडंग चतुरजातकखरलीजैसंग चतुर्थभागयहचूर्णपावै सभमिलायकरखरलकरावै वलअनुसारताहिनितषाय-अमलपित्तादिरोगनरहाय अमलपित्तोत्पन्नरुजजेते नाशहोंहिसोसभलषतेते ॥ अथविद्याधरमंडूर ॥ ॥ चौपै ॥ त्रिफलात्रिकुटावायविडंग दंतीचित्राकुठधरसंग मुत्थरापिपलामूलाभिलावै गिलोयतेजवलशूरणपावै भिडंगिशतावरीनिचुलकेवीज गजपिप्पलधनीयांशृंगीलीज दालहलदीतुंवरुयवक्षार भद्रदारुदोइजीरेडार तुम्माअजमोदाजुशतावर कोशातकिफलपत्रकतिंहधर पारागंधकत्रिवीमिलाय वर्चविधाराताहिरलाय पांचोलवणतालकोमूल यहचूरणकीजैलेसमतूल इसतेंदुगुणमंडूरमिलावै यहसभचूर्णषरलमोंपावै पुनगूत्रअवरात्रिफलाकोकाथ आद्रिकरसरसभंगरेसाथ वज्रवलीअरश्रावणील्याय अफलक, कोडीतालफलपाय दालचीनीअरशूरणकंद इनकेरसभिनभिन्ननिवंध खरलकरैभिनभिनइन्हसंग सुकायसुकायलेयसुअभंग पुनअष्टगुणगोमूत्रमंगावै त्रिफलाकाथचतुर्गुणपावै सोमंडूरतहपायपकाय ताकोनित्ययथावलषाय कुक्षरोगग्रहणीमिटजावै उदरवृद्धमंदाग्निनसावै मेदरोगअर्शनरहाय वमनजुवात व्याधमिटजाय अमलपित्तादिरोगहतकैसे अंधकारसूर्यकरजैसें ॥ इतिअमलपित्तरोगचिकित्सासमाप्त ॥

॥ अथकफपित्तरोगनिदानाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अमलपित्तकोभेदयहकफपितकरैंवषान तासाचिकित्साकहितहोसमझोसहितनिदान

॥ अथकफपित्तलक्षणनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ श्लेष्मपित्तजिसतनलषपावैं तीक्ष्णामलकटुडाकरआवैं अरुचिछर्दिहृदवस्तीदाह-भ्रमआलसमूर्छाहोइताह शिरपीडामुखलालांजान मुखमीठाकफपित्तपछान ॥ इतिनिदानम् ॥

॥ अथचिकित्सा ॥

॥ अथद्राक्ष्यादिघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्षगिलोयजवाहपटोल यहचारोलीजैंसमतोल त्रायंतिअर-आमलेआन पद्मइंद्रजवधनियांठान कंदवराहिकिरायतलीजैं कूटसभीसमकल्ककरीजैं घृतमोंपा-यपकायसुखावै अमलपित्तकफपित्तनसावै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंवजुखदरपटोल वासाअरगिलोयसमतोल करैकाथपीवैपुनतास रुजकफपित्तहोयहैनाश धनियांइंद्रयवआमलेआन मघपटोलसमक्काथसुठान मधुमिलायकरपीवैसोय कफपित्तरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ आद्रकअ रुपटोलकोकाथ श्लेष्मपित्तनाशैइससाथ पाचनदीपनयाकोजान वैद्यकग्रंथनकीनप्रमान ॥ अन्यच ॥ मुत्थपटोलसुंठीधनिलीजै तासक्काथविधिवतकरपीजै कफपित्तरोगनसावैसोय रोगरहिततनकीद्युति-होय ॥ अन्यच ॥ पटोलसुंठीकौडजुगिलोय क्काथपीयेकफपितहतहोय ॥ अथघृत ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठिपठोलदोऊसमआन घृतमोंसोपकायकरपान कफपित्तरोगनाशतवहोय निश्चयकीजैंमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलक्काथमोंघीउपकावै चूर्णसुंठिमिलायपिलावै कफपित्तरोगहोयहैनाश निश्चयजानोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ सहजीराधनियांघृतपकाय पीवैक फपित्तरोगनसाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ करंजुपत्रवासाकेफूल त्रिफलाइंद्रयवलेसमतूल मधुर-लाययहचूर्णखावै कफपितरोगनाशहोजावै आमलेरसदधिकांजीसंग खरलकरेयहचूर्णनिसंग मधु-युततंडुलजलकेसाथ खावैरोगहरेसुनगाथ ॥ अथमोदक ॥ मघांहरडगुडमोदककरै षावैकफपित्त-रुजकोंहरैं ॥ दोहा ॥ अमलपित्तकफपित्तकीकरीचिकित्सागान वंगसेनजैसेंकहीतैसेंकीनवषान इतिअमलपित्तकफपित्तरोगचिकित्सासमाप्ता,

॥ अथअमलपित्तकफपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा अमलपित्तकफपित्तकेसुनलीजैमतिसार पथ्यापथ्यजुतासकेनीकैंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ जोयहरोगऊर्द्धतनभासे वमनतासकोपथ्यप्रकाशै जोयहरोगअधोतनहोय तौ रेचनपथजानोसोय उभयठौरकोयहपथलहिये रक्तमोक्षविधश्रेष्टसुकहिये पुनऊर्द्धअधोगतिकेपथकहों चावलकनकमुंगयवलहों वनमृगपक्षिनकोरसमास खंडककोडेमधुलपुतास पटोलकरेलेपथ्यपछानो तप्तोदकशीतलकियोमानो वृद्धकूष्मांडपथ्यपहिचान वैंतअग्रदलपथलपमान कदलीफलकोकंदजनावै धा त्रीफलजुकपित्थलषावै अन्नपानकफपित्तहरजोय वाथूशाकअनारपथहोय ॥ दोहा ॥ अमलपित्तादि-करोगकेकीनेपथ्यवषान अवसुनहोताकेअपथजैसेंग्रंथप्रमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ वमन-

वेगरोकनतिलमाष तैलाभ्यंगकुलथकहैभाष भेडदुग्धकांजीपुनजानो लवणअधिककटुवस्तुपछानो दधिअरुमद्यअवरगुरुअन्न यहअपथ्ययाहिकेमन्न ॥ दोहरा ॥ पथ्यापथ्यकहेसभीशास्त्रकेअनुसार तिहकोसमुझेंचतुरनरक्यासमुझेंजुगवार इतिअमलपित्तकफपित्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् दोहा॥ अमलपित्तकफपित्तवरन्योप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्रीअमल-पित्तरोगसमाप्तम्

॥ अथअमलपित्तदोषकारणउपायनिरूपणम्॥

।। अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोवहुस्वादीजिव्हाहोय भक्ष्याभक्षहिंखावैसोय ताकोअमलपित्तप्रगटावै तासउपायसुनोजोंगावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ पांचकुंभपंचामृतभरे पंचमूर्तविष्णूकीकरै एकस्वर्णइकरजतबनावै इकताम्रइकपितलकरावै एककाष्टकीप्रतमाकीजै पांचोपांचकलशपरदीजै विधिसोंपूजेंविप्रहिदेय अमलपित्ततैंमुक्तिलषेय ॥ दोहा अमलपित्तवरननाकियोकारणसाहितउपाय अवआगेजैसेंकहोंसुनलीजैचितलाय इतिअमलपित्तदोषकारणउपायसमाप्तम्,

॥ अथअमलपित्तज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ चंद्रदशाकेअंतरेमंगलकरैप्रयान सोमंगलवलवानहोइअष्टमद्वादशस्थान तिहकर-प्राणीभोगताअम्लपित्तकोरोग मंगलपूजाविधिकरेकाटैग्रहकायोग ॥ इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्रीचि-कित्सासंग्रहेश्रीरणबीरप्रकाशभाषायारक्तपित्तअमलपित्तकथननामत्रयःत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३३ ॥

॥ आमवाताधिकारः ॥

॥ अथआमवातरोगनिदाननिरूपणं ॥ दोहरा ॥ आमवातवर्ननकरोंजैसेकह्योनिदान ज्योंकीत्योंभाषारचोंसमुझोपुरुषसुजान ॥ चौपई ॥ विरुद्धहारअरुचेष्टाजास मंदअग्निजुअरुचपरकास अरुनिश्चलजोबैठोरहै अतिसनिग्धभोजनजोगहै अतिमैथुनअतिजलमोतरै आमवातइतन्योंकोचरै प्रेरितवातआमजोधावै कफकेथलमोआप्रगटावै आमवातकफइकठेहोय सभनाडिनकोंधावनसोय आमवस्तुसुनहुक्याकहिये ग्रंथनिदानहुतेयोंलहिये वातपित्तकफइकमतधार अन्नरसेंमेंकरेविकार सोविकृतरसतनमोंधावत तनकेछिद्रनकोजुश्रवावत तिहमिलुनानावर्णदिषावै पिच्छलहोयसुआमकहावै मंदअग्निहदभारीकरै सकलव्याधताआश्रयधरै त्रिकुलसंधनमोंजबकोपै अंगसूनकरहैबललोपै ॥ अथआमवातसामान्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ अंगहिमर्दतृषाउपजावै आलसगौरवज्वरप्रगटावै करैअरुचअंगशोथकरावै योसामान्यलिंगतिसगावै आमवातजबकोपहिधरै सबरुजतैकष्टसाध्यलषपरै हस्तपादशिरगुल्फमंझार जानुऊरूत्रिकसंधिविचार शोथहिपीडकरैइनथान महादुःखप्रगटावतमान ज्योंअनेकवृश्चिकदुखहोय असपीडाउपजावैसोय अग्निमंदमुखतेजलचलै गौरवअवरअरुचितनापिलै उत्साहहानजुविरसतादाह बहुतमूत्रताकुक्षकठनाह शूलतृषाभ्रममूर्छाजानो छर्दहृदयग्रहकबजसुमानो जडताआंद्रांकूजतरहैं उदरअफाराएतेलहै आमवातजोपितयुतहोय तनमोदाहप्रगटकरसोय आमवातवातहिमिलजोय शूलअधिकउपजावैसोय आमवातजोकफयुतकहिये गुरुताकंडूजडतालहिये आमवातजवकरवहुकोप सोअसाध्यकरहैतनलोप ॥ दोहरा ॥ आमवातबडरोगहैसभरुजआश्रयजान साध्यचिकित्साजोकरैतौतनहोयनहान ॥ इतिआमवातरोगनिदानम् ॥

॥ अथआमवातरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ आमाचिकित्साकहतहोंग्रंथनकेअनुसार वैद्यचतुरइहसमझकैंपुनकरहेउपचार ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ सौंफवरचनागरकोंआन वारुणतरुकीतुचापछान भषडामुंडीअरुसुरदार परसारिणीपुनर्नवडार तरकारीजोमैनफलपावै कांजीमोसमपीसामिलावै अल्पउष्णकरलेपनकरै आमवातकीपीडाहरै ॥ अन्यच ॥ एरणमूलसुहांजनजान वरमीकीमृतकातिहठान यहसमलेसंगगूत्रपिसाय उष्णकरैलेपनलेपाय अथवाबांधेऊपरतास आमवातरुजहोयहैनाश ॥ अथचूर्णं ॥ चित्राकौडकलिंगपतीस पाठामुत्थवरचसंगपीस हरडगिलोयसुंठसुरदार चूरणकीजैयहसमडार तप्तोदकसोंपीवैतास आमवातरोगहोयनास ॥ क्काथ ॥ हरडसुंडपुनवरचकपूर गिलोयपतीससुरद्रुमपूर करैक्काथप्रातहिअचवाय आमवातकोंरोगनसाय अरुजोरूषाभोजनकरै आमवातकीपीडाहरै ॥ अन्यचक्काथ ॥ रहसणएरंडसुंठगिलोय देवदारुसमतासमिलोय पीजैक्काथआमहोयनाश संधास्थिमजावातविनाश ॥ अन्यच ॥ सुंठीमघांपिप्पलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल करैक्काथलाकोनितपीवै नाशआमवातकोथीवै अन्यच सुंठसटीसमचूर्णकीजै इटसिटक्काथसाथसोपीजै पीवैसातदिनापर्यंत आमवातदुःखकोहोयअंत अन्यच रहसणभषडेअवरगिलोय अमलतासमुरदारुसंजीय एरणअरुपुनर्नवआन क्काथसुंठचूर्णसंगपान आमवातरुजहोइहै नाश निश्चयआनोमनमैंतास अथचूर्ण हरडसुंठसमचूर्णकरै वागिलोयसुंठीसमधरै तप्तोदकसोंपीवैतास होयहै आमवातकोनाश अन्यच चित्रइंद्रयवपाठाआन कौडपतसिहरडसमठान चूर्णकरततोदकसंग पीवैआमवा

तरुजभंग अन्यच सुंठपुनर्नवअवरगिलोय सटीशतावरताहिमिलोय दालहलदमुंडीसमपाय इहकांजीसों चूर्णपिवाय आमवातगृध्रसिविनाशै पीडानाशेसुखतनभासै ॥ अन्यच ॥ केवलसुंठीचूर्णवनाय सदाचारटांकजोखाय नितउठपीवैकांजीसंग आमवातकफवाताहिभंग ॥ अन्यच ॥ पंचमूलसमचूर्णवनावै नित्यउष्णजलसैपीलावै आमवातमंदाग्निमिटाय अरुचीगुल्मशूलकफजाय एरंडद्रुमसमासिंहकहावै आमवातहस्तीकोंघावै ॥ अन्यच ॥ हरडचूर्णसंगएरणतेल खावैआमवातरुजटेल अवरसुगृध्रसिवातामिटावै बंगसैनमतऐसेगावै ॥ अन्यच ॥ अमलतासदलकोमलआन कटुकतैलमोभूनेजान दालभातमोसोयरलावै खावैआमवातमिटजावै सुंठगोषरूसमयहलीजै क्राथबनायप्रातउठपीवै आमवातकटशूलविनासैं अरुपाचनहोयसोऊप्रकाशैं यवक्षारसहपीवैतास मूत्रकृच्छरोगहोयनाश ॥ अन्यच ॥ एरंडतैलसैंधासमपावै दशमूलकाथकेसंगपिवावै आमवातरुजहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ समसुंठीगिलोयकोक्राथ पीवेपिपलीचूर्णसाथ आमवातकीहोयहैहान अपनेमनमोनिश्चयआन ॥ अन्यउपाय ॥ एरणबीजशुद्धसोकीजैं चूरणकरसोदुग्धमोदीजैं ताकीखीरपकायजुखावै आमवातकटशूलमिटावै अरुगृध्रसिवातहोयहैनाश रोगीप्राप्तहोयहुल्लास ॥ चूर्ण ॥ गिलोयसुंठमुंडीयहआन गोषुरुवरणातरुसमठान चूर्णकांजीसाथपीवावै आमवातरुजभाग्योजावै ॥ अथलघुरास्नादि ॥ चौपई ॥ रहसणएरणअवरसतावरि गिलोयजवाहवासासहचरि देवदारुपुनहरडपतीस सुंठिसटीमुत्थरसमपीस सभमिलायकोजैइकसाथ विधिसोंतिन्हकोंकीजैक्राथ एरणतैलमिलायपिलावै आमवातकीव्याधमिटावै कटऊरूत्रिकवातविकार वातपृष्टपीडाकोंटार उदरपार्श्वकीवातविनाशैं वातदुःखहरसुखपरकाशैं ॥ अथमहारास्नादि ॥ चौपई ॥ रहसनएरणहरडशतावरि गिलोयजवांहामुथरसहचरि बासादेवदारुजुपतीस सुंठसटीयहसमलेपीस बलाभक्खडेमेथेजान मघपुनर्नवाअसगंधाठान चवकवचेकंड्यारीदोय अमलतासपुनपायगिलोय दालहलदनीकेपहिचान सभसमलीजैचूर्णठान रहसनतीनभागतिहपाय इनकोक्राथकरैजुबनाय अष्टअविशेषक्राथरहैयव वस्त्रछाणलेयताकोतव चूर्णकचूरपायपीवावै वाअजमोदासाथमिलावै आमवातअरुसभहीवात बातसंधमज्जाकरघात हरैकुब्जअरुवामनवात अर्दितनाशेपक्ष्याघात जानुजंघअस्थीकीपीर गृध्रसिनासेसुनहोवीर अर्शहणुग्रहगुल्मविडारै ऊरूस्तंभहदिरोगनिवारै कोष्टवातअरुसिरकीवात आंत्रावृद्धविसूचीघात सलीपद्वयोनिवीर्य्यकोदोष लिंगरोगनाशेसुनघोष वंध्याखायसुपुत्रहिलहै पुनयहऔषधपाचनअहै महारासनादिचूर्णआप्यो आपप्रजापतिनजमुखभाष्यो ॥ अथरासनादिदशमूलक ॥ चौपई ॥ रहसनसुंठीअवरविडंगु एरणत्रिफलापायप्रयंगु अरुडरैतामोदशमूल क्राथकरैसभलेसमतूल प्रातहिरोगीकोंपीवाय आमवातपुनअर्दितजाय नेत्ररोगसिरशूलमिटावै ज्वरअरुपक्ष्याघातनसावै अपस्मारकोकरहैनाश तनआरोग्यतासुखपरकाश ॥ अथअलंवसादिचूर्ण ॥ अलंवसगोपुरुत्रिफलाआन सुंठीअरुगिलोयतिहठान भागवृद्धवृद्धयहलीजै सभसमत्रिवीपीसतिहदीजै सबामिलाययहचूरणधरै मदरासोंनितभक्षणकरै तक्रसाथवाकांजीसंग तप्ततोयबाहोयरुजभंग आमवातरक्तपित्तविनाशै रुधविकारअरुअरुचिविनाशै त्रिकुजानूऊरूदुखजावै संधअस्थिपीडाज्वरघावै त्रिफलाभागवृद्धकरपाय बंगसैनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यअलंबसादिचूर्ण ॥ अलंवसगोपुरमघागिलोय विधारामुत्थोत्रिवीसमोय सुंठबारुणात्रिफलाठान पुनपुनर्नवाकरोमिलान यहसमचूर्णकांजीसंग तक्रसाथवापीदुखभंग दुग्धसाथअथवारसमास आमवातशोथहो-

यनाश ॥ अथआभादिचूर्ण ॥ चौपै आभारहसनसुंठगिलोय सौंफशतावरिताहिसमोय असगंधविधारा-अरुअजवायन अजमोदासंगकरोमिलायन यहसमभागचूर्णकरपीवै आमवातकटपीडनथीवै मन्यास्तंभ-गृध्रसीवात तुनुगृहनसोंवातउत्पात अथवैश्वानरचूरण लीजैचित्राभागजुदोय अजवायनदोयभागसमोय तीनभागअजमोदाठान पांचभागसुंठीपहिचान द्वादशभागहरडसुमिलाय कांजीसाथहिचूरणखाय अथवातकहिवाघृतसंग वाततोदकसौंरुजभंग आमवातगुल्मयहनाशै अवरहुंवातजुरोगविनाशै ॥ अथसुंठीघृत ॥ सुंठचूर्णकेसमघृतपाय चतुर्गुणकांजीपायपकाय खावैआमवातहोयनाश अग्निवधैत-नसुखपरकाश पुष्टहोणकीइच्छाजोय दुग्धपायजुपकावैसोय मूत्रपुरीषरोधहतकारण दहींमिलायप-कायसुधारण ॥ अथअन्यचसुंठीघृत ॥ सुंठचूर्णअरुसुंठीकाथ चूरणसममेलैघृतसाथ चतुर्गुणसुंठीकाथमि लावै मृदुलअग्निजुपकायसुखावै आमवातकटशूलविनाशै अवरहुवातकफजरुजनाशै ॥ अथकांज्या-दिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगुचबकत्रिकुटाअरुचित्रा इहसमचूर्णकीजैमित्रा जोयहहोवैप्रस्थप्रमाण तासम-घृतइकप्रस्थपछान इकआढिककांजीतिहपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय खावैआमवातहोयनाश शूल अफारकटपीडविनाश मंदअग्निसंग्रहणीजावै एतेगुणयहघृतप्रगटावै ॥ अथशृंगवेरादिघृत ॥ चौपै ॥ आद्रकमघांचवकयवक्षार सैंधालूनहिंगुचित्राडार अरुपावौतिहापिपलामूल सबऔषधपीसोंसमतूल चूरणप्रस्थप्रस्थघृतपावै आढिककांजीपायपकावै खावैआमवातहोयनाश उदरशूलकटपीडविनाश मंदअग्निग्रहणीजुअफार इनरोगोकोतुर्तविडार ॥ अथअजमोदादिवटिका ॥ चौपै ॥ मघांजमोदामर चविडंग देवदारुचित्राधरसंग शतावरिसैंधापिपलामूल यहसबपलपललेसमतूल दशपलसुंठीपी-समिलावै दशपलसंगविधारापावै हरडपांचपलतामोठान गुडसबकेसमकरोमिलान वटिकाबांधय-थाबलखावै उष्णतोयसौंयोंलषपावै आमवातशोषविषनाशै पांडुरोगअरुजराबिनाशै अवरविनाशैवा-तविकार ज्योंसूर्य्यतेनाशैअंधकार क्षुधावधैंमंदाग्निविडारै एतेगुणयहवटिकाधारै॥ अथयोगराजग्गुलु-॥ चौपै ॥ चित्रापिपलामूलविडंग ज्वायणत्रिकुटीलिसमचंग अजमोदाजीरासुरदारु एलासैंधारहसनडारु गोषुरधनियांचवकउशीर त्रिफलात्रिकुटाजानोबीर मुस्थरदालचीनी-अरुवासा तालीसपत्रतजपत्रजुतासा यहसभलेसमचूर्णकरै सभकेसमगुग्गुललेधरै घृतमि-लायकरमर्दनकरै सनिग्धपात्रमोसोसभधरै बलअनुसारनिताप्रतखाय आमवातकमलिप्फनसाय अ-वरहुवातरोगसभजावै गुल्मअफाराअर्शनसावै संधवातअरुमज्जावात हरहैअग्नितेजप्रगटात ॥ अथ-सुंठीखंड ॥ चौपई ॥ सुंठचूर्णपलअष्टमंगाय घृतपलबीसतासमोपाय दोयप्रस्थदुग्धतिहपावै पलपचासातिहखांडमिलावै मंदअग्निपकायसोधरै त्रिजातकत्रिकुटाचूर्णकरै पलपलइहहूंकोंपरिमान पीसेतामोंकरैमिलान नितहीताहियथाबलखावै आमवातअरुजरानसावै बलअरुपुष्टआयुवहुतास सुंठी-पंडगुणकीन्हप्रकाश अथसौंनापिंड चौपई शतपलरहसनपीसमंगावै कुडवएकतिलताहिमिलावै हिंगुजुत्रिकुटादोनोंध्यार पाचोलवणसौंफकुठडार धनियांचित्रापिपलामूल अजमोदजवायणलेसमतूल पलपलइनहूंकोपरिमाण सभइकत्रकरकरैमिलान सनिग्धपात्रमोंधरैबनायषोडशदिवसप्रयंतरखाय ताउ-प्रंतअर्धप्रस्थलेतेल अर्धप्रस्थकांजीतिहमेल कर्षप्रमाणनित्यउठखावै पुनमदरावातोयपिलावै आम-वातरक्युतबात सभीअंगजोकरहैघात उन्मादमृगीअरुविषजविकार श्वासकासअ-रुशूलविडार भग्नवातयहकरहैनाश बंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अथप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ प्रसि-

सारणीरसलेलीजै एरणतैलसमताहिरलीजै मंदअग्निसोंसाधपिलावै आमादिकसभवातनसावै ॥ अथ-दशमूलादितैल ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोरसलेलीजै कांजीअमलदहींसमकीजै तिनसभकेसमएरणते-ल मंदअग्निपुपकावैमेल ताहिनिताप्रतबलअनुसार पीवैआमवातकोटार कटऊरूकीपीडानाशै दुः खमिटैतनसुखपरकाशै ॥ अथमहासेंधवादितैलं ॥ चौपई ॥ सैंधारहसनसौंफगिलोय अजवायणकुठ-सुंठसमोय सज्जीमरचांवरचमिलाय सौंचलबिडअजमोदापाय मघांमुलठीपुष्करमूल जीराइत्यादि-कसमतूल अर्धअर्धपलइहसबजान एरणतैलप्रस्थइकठान प्रस्थसौंफरसताहिमिलावै दोयप्रस्थकांजी-तिहपावै दोयप्रस्थदधिमंडमिलाय सभमिलायमंदाग्निपकाय नित्ययथाबलताकोपीवै अरुतनमलैम-हासुखथीवै आमवातसभवातविकार कटजानूकीपीडाटार हृदयपार्श्वशूलमिटजावै सैंधवातपीडा-नरहावै आंत्रवृद्धकफवातविकार नाशैअग्निवधैसुखकार ॥ दोहरा ॥ आमवातकीकहीचिकित्साग्रंथ-नकेअनुसार आगेयाकेपथअपथसुनहोकरोउपचार ॥ इतिआमवातचिकित्सासमाप्ता

॥ अथआमवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ आमवातकेपथअपथजेतेलिखेपुरान तेसभहीवर्ननकरोंसुनहोपुरुषसुजान॥ अथपथ्यं॥ ॥ चौपई ॥ लंघनस्वेदअवरघृतपान रेचनलेपनकुलथप्रमान एरंडतैलपानपुनजानो बर्षपुरातनतं-डुलमानो मोठकणकमुंगीपुनलहिये वनमृगपक्षिमाससोकहिये मद्यपुरातनगुग्गुलजान पटोलकरेलेआ-द्रकमान सुंठमनक्कादाक्षपछानो लसणवृताकधधूरामानो दालहलद्दतप्तजोनीर अग्निसेकनोलषहोधीर दाहगुल्लअग्निकेदेवै वस्तुवातकेहरकोंसेवै अवरवस्तुकटुतीक्ष्णजोय दीपनपाचनसेवैसोय अवरमिला-वेकरेप्रमाण आमवातपथकीन्हबषान ॥ दोहा ॥ आमवातकेपथ्यसभकहेग्रंथवीचार अवसुनहोजो-अपथ्यहैतिन्हकोंकरोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दहींदुग्धमच्छीगुडजान माषपीठपुनमाष-पछान पूर्वदिशकोजोहोवेपवन आमवातअपथ्यसुनश्रवण भोजनजोविरुद्धलषलीजै जोजोवस्तुतन-दुःखदलहीजै विष्टामूत्रवेगकोरोकन बहुतबैठणोनिंदलखोमन गुरुअरुशीतलजेजेवस्तु आमरुजीकों-नाहिप्रशस्तु ॥ दोहरा ॥ आमवातकेपथअपथ्यइहविधकरैउचार पथ्यगहैत्यागैअपथ्यतातेंमिटैविकार-॥ इतिआमवातरोगेपथ्यापथ्यंसमाप्तम् ॥

॥ अथआमवातरोगेकर्मविपाकनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनयज्ञअदक्षिणकरै रत्नादिदानदक्षिणाविनकरै ॥ संचयधनअ-धर्मकरजोय आमवातरोगतिसहोय तासनिवारणकहोउपाय सोसुनानिजमनमाहिबसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ इकपलसोनाहरणबनावै बापलचाररजतबनवावै बादशपलहितात्रकोकरै स्वर्णनेत्ररू-पेखुरधरै शुक्लवस्त्रऊपरउोढाय आढिकतंडुलपरवैठाय वाहनवायुसोऊतिसजजै पवनमंत्रकरहवनहि-सजै करसंकल्पाविप्रकोदेय आमदोषतैंमुक्तलहेय ॥ दोहरा ॥ आमवातकेदोषकोंभाषोंकर-णउपाय अतिस्थूलतनदोषकोभाष्योंसभाहिसुनाय ॥ इतिआमवातरोगदोषकारणउपायसंपूर्णम् ॥

॥ अथआमवातरोगज्योतिषवर्णनम् ॥

॥ दोहा ॥ कर्कटराशीकेविषेसूर्य्यपडेबलवान तिहपरदृष्टीवुद्धकीसंपूर्णाहितजान आमवात-अरुकफअधिकताहिपुरुषकोहोय तस्करक्रियासौंचितधरेइहऔगुणतिहजोय दिनकरकीपूजाकरैविधाविधानसंयुक्त होममंत्रकरजपकरेआमवातहोयमुक्त ॥ इतिआमवातज्योतिषसंपूर्णम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषयां आमवातरोगवर्णननामचतुस्त्रिंशोऽधिकारः ॥ ३४ ॥
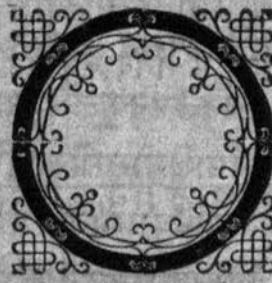
॥ अथकुष्टरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कुष्टनिदानवखानिहोंसुनलीजैचितलाय जैसेंकह्योनिदानग्रंथमोंतैसेंदेहुवताय.

॥ अष्टकुष्टरोगकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोविरुद्धभोजनअन्नपांन गुरुद्रवसनिग्धवहुखाहिअजान रोकैवेगमूत्रविष्टाय वमनवेगजोरोकरखाय तिंहकोंकुष्टरोगप्रगटावत औसेंग्रंथनिदानवतावत सुनोविरुद्धभोजनक्याकहिये सदुग्धमत्सभोजनजोअहिये अरुभोजनकरकरव्यायाम अरुमारगचलहैमधघाम लंघनशीतउष्णआहार विनाजुक्रमसेवैंनरनार धूपश्रमतआरतभयजोय शीतलजलतुरतहिपीयेसोय अरुअपक्कभोजनजोकरै अरुक्षुधाहुतैंजुअधिकउरभरैं अरुपंचकर्मकरतेकेताई विघ्नउपावैंवरजरहाई पांचकर्मकोविवरोकहों स्नानदानजपहोमसुलहों वेदपाठपंचमकहिगायो स्मृतीशास्त्रकामतहिसुनायो अरुनवान्ननवदधिनवतोय मत्सलवणअतिखवैंजोय अरुअतिअमलअतिसक्षीरगुडखांहि अतिमैथुनदिनशेनकरांहि गुरुब्राह्मणसतिजनत्रिसकार इतन्योंमोंकरैकुष्टसंचार वमनविरेचनवस्तिजुकहिये स्नेहस्वेदपंचकर्मसुलहिये विपरीतकरेइनपांचनमाहिं कुष्टरोगहोवततिसताहिं तिंहकोंवातपित्तकफतीन त्वचामांसरक्तजलहोइलीन इन्हकोकुष्टकरतहैंसोय तातेंकुष्टप्रगटतनहोय कुष्टजातअष्टादशजान नामतिन्हांकेकरोंवखान अरुतिंहसभकेलक्षणभाषों जैसेंग्रंथहुतैंलषराषों ॥ दोहा ॥ निदानकुष्टकोवरनयोनिजमनसनुझविचार नामसलक्षणकहितहोंसुनलेवोचितधार.

॥ अथअष्टादशकुष्टनाम ॥

॥ चौपई ॥ कपालकअवरउदुंवरजान मंडलरिक्षजिव्हपाहिचान पुंडरीकसिमकाकनजोय कुष्टचर्मकितिभाहैसोय वैपादिकअलसकअनुमानो दद्रूमंडलचर्मदलजानो पामकछूजुतनत्वकजान शतातूयहअष्टादशमान.

॥ अथकुष्टपूर्वरूपम् ॥

चौपई ॥ जवैकुष्टहोणेतनलागे एतेंचिन्हप्रथमतनजागैं सनिग्धत्वचातुस्पर्शकठोर विवरणदाहकंडूअतिघोर देहसभीधप्फडपडजांहि सूचीवेधइवदुखतनमांहि श्रमअरुशूलसहितव्रणजागै शीघ्रउठैचिरलगाथितपागैं श्वेदवहूवाश्वेदाविरोध सुत्तत्वचानाहिजानेरोध रोमांचरुधस्याहनिकसावै पूर्वरूपकुष्टयहगावै ॥

॥ अथकुष्टसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पूर्वजन्मपापनकरहोवत कुबुद्धिकुचीलकुपथ्यजोसेवत वायुपित्तकफलसेमंझार सोत्वचमांसरुधिरविकार दूषितकरकायारंगहरै याकोवैद्यकोढकरधरै वायुजवअत्यंतप्रगटाय कपालिककुष्टजुकोपवधाय कफकोपतमंडलहोयजावै पित्तकोपउदुम्वरवधावै विचर्चीऋक्षाजिव्हप्रगटावै वायुकफमिलगजवमेंवधावै फुनाकिटिभासिध्मकुष्टविकार प्रगटावैंसोकायमंझार असलकुष्टवैपादिका करैकायाक्षीणमंदरूपसोधरै पित्तकफीजवकायाकोपै दद्रूशतातपुंडरीकहिरोपै विस्फोटककुष्टपामचर्मदल इनकोउत्पतकरैसुनिश्चल जववायुपित्तकफकट्ठेहोन कुपितहोयकरकुष्टकरैतौन ॥

॥ अथवातादिदोषजकुष्ठलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तश्यामवरणजिसजोय रूखोपीडसहितसोहोय.

॥ अथवातजकुष्ठरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कुष्ठचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार वंगसेनजैसेंकहितैसेंकरोउचार ॥ चौपई ॥ वातअधिकजिसकुष्टीहोय घृतकोपानकरैंनरसोय वातजकुष्टनामतिसकहिये पित्तजकहोंसुतांहिलषैये

॥ अथपित्तजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ श्रवैरक्तवरणसहदाह पित्तजकुष्ठकहितहैंताह.

॥ अथपित्तजकुष्टचिकित्सा ॥

पित्तअधिककुष्टीतनजोय रक्तमोक्षरेचनकरसोय रक्तमोक्षपछनसौंकरैं बार्शृंगीतुंवीअनुसरै अथवारु. धजलौकनसाथ निकसावैंमनधरयहगाथ तानंतरऔषधकेसंग करवावेतनतैंरुजभंग.

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सनिग्धघणोगलोजुलहीजै शीतलतनगुरुखुरकलषीजै अरुतनमांहिशोथप्रगटावै कफजकुष्टअसरूपलषावै द्विलिंगनकरलाषियतहैजोई द्वंद्वजकुष्टजानियेसोई जोत्रिलिंगयुतकुष्ठलहीजै ताहित्रिदोषजकुष्टकहीजै.

॥ अथकफजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफजिहकुष्टीवहुतलषावै सोनरविधिसौंवमनकरावै.

॥ अथसप्तधातुगमनकुष्ठलक्षणं अथसप्तधातुनामकथनं ॥

॥ चौपई ॥ त्वचारुधिरमांसअरुमेद मज्जाअस्थिवीर्यलहुभेद सप्तधातुयहप्रगटवखांनी जोवैद्यक-शास्त्रनतैंहमजानी प्रविस्पोकुष्टजुइन्हमौंलहिये लक्षणभिन्नाभिन्नताकहिये.

॥ अथत्वचागतकुष्ठलक्षणम् ॥

कुष्टत्वचामोंइस्थितजवै देहविवरणरूपोहोइतवै सुप्तत्वचावहुआवैंभ्वेद रोमांचरहैयहजानोभेद

॥ अथरुधिरगतकुष्ठलक्षणं

कुष्टरुध्रमोंइस्थितजोय पूयश्रवैकंडूवहुहोय.

॥ अथमांसगतकुष्ठलक्षणं ॥

कुष्टजुइस्थितमांसमंझार मुखसूकेतनकृशताधार पीडास्फोटरहैंचिरकाल मांसस्थितकीऐसीचाल

॥ अथमेदगतकुष्ठलक्षणं ॥

जवमेदामोंइस्थितपावैं हाथटुंडेलूलेपगथावैं व्रणजुश्रवैंअंगफूटैंतास मेदस्थितअसकीनप्रकाश

॥ अथअस्थिमज्जागतकुष्ठलक्षणं ॥

अस्थिमज्जाजवकरैंप्रवेश नासाभंगस्वरभंगलषेस क्रमउपजैंहैंकुष्टमंझार नेत्रलालरंगतासनिहार

॥ अथवीर्यगतकुष्टलक्षणं ॥

जोवीर्यमांइस्थितपावै ताकेलक्षणऐसेगावै मातपिताकुष्टवीर्यकेद्वार पुत्रमांहिसोकरैसंचार यहवीर्य-गतकुष्टकहीजै सप्तधातुगतियोंलषलीजै

॥ अथकुष्टसंचारनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ अरुमैथुनतेंउपजितमानो अंगस्पर्शहुतेंभीजानो अरुनिःश्वासहुतैंभीहोय सहभोजन-उच्छिष्टतैंसोय इकशय्पाइकआसनजान इनसंसर्गनतेंभीमान कुष्टीवस्त्रपुष्पलेपनसो तिन्हहेतुरोगहो यतिससो ऐसीवरतनकेमंझार अवरकोकुष्टअवरसंचार यहसंचारकुष्टकोगायो मतनिदानग्रंथलषपायो ॥ अथरोगीशय्यावर्जितं ॥ नेत्ररोगक्षयीदाहजुरोग अपस्मारअरकुष्टकोयोग श्वासकासज्वरजिसतनजा-नो वर्जितशय्याताकीमानो.

॥ अथसाध्य कष्टसाध्य असाध्यकुष्टलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचारक्तमांसमंझार साध्यकुष्टसोकीनउचार जोमेदामोंकुष्टलहैये कष्टसाध्यसोकुष्टकहैये अस्थीमज्जावीर्यमंझार कुष्टअसाध्यताहिविचार होइमंदाग्निदाहकमसंग सोभीकुष्टअसाध्यअसंग जोत्रिदोषजकुष्टलहीजै सोभीकुष्टअसाध्यकहीजै जतैअंगविदीरणहोय रुधपूयश्रवतीरहैजोय नेत्रला-लस्वरभंगलहीजै पंचकर्मतिसनाहिकरीजै चिकित्सारहितहोयजोगयो हाथपायअंगुलीगिरभयो-ऐसोकुष्टकुष्टीनरताई यमपुरपठैराखहैनाही

॥ अथअष्टादशकुष्टलक्षणानिरूपणं ॥ अथकपालकुष्टलक्षणं ॥ १

॥ चौपई ॥ ज्योंभठिआलेकोठिकरजोय नामकपालकतासकोहोय फूटैतनकपालकीन्यांई अररख-हुरीरूषोंलषपांई पतलीदेहत्वचाहोइजावै सूचीवेधइवपीडाथावै अरुणश्यामाजिसरंगलषावत कपालसदृशतिसवैद्यजुगावत यहकपालजोकुष्टअसाध्य वरननकरीनिदानउपाध्य ॥

॥ अथकपालकुष्टाचिकित्सा ॥ १ ॥

॥ चौपई ॥ मूलीवीजसर्षपत्रिकुटाय लाक्ष्यारजनीकुष्ठमिलाय वजिपवाडाविरोजासंग अरुपा-वोसंगपायाविडंग गूत्रसाथयहलेपलगावै कुष्टकपालदद्रूमिटजावै पामथिम्मकुष्टनकेभेद नाशहोंहि-मिटहैंबहुखेद ॥

॥ अथउदुंवरकुष्टलक्षणम् ॥ २ ॥

॥ चौपई ॥ तनसनिग्धसहपीडादाह उदुंवरफलवतआभाताह रोमकपिलतनकंडूहोय उदुंवर-लक्षणजानोसोय ॥

॥ अथउदुंवरकुष्टाचीकित्सा ॥ २ ॥

॥ चौपई ॥ उदुंवरजडजुवहेडेलीजै अष्टवशेषक्काथातेसकीजै गुडयुतताकोपीवेजोय वावची-वीजचूर्णसंगहोय उदुंवरकुष्टकोनासकराय वैद्यग्रंथमतदीयोवताय ॥

॥ अथमंडलकुष्टलक्षणम् ॥ ३ ॥

॥ चौपई ॥ स्वेतरक्तनहोवैजास सनिग्धकठिनपुनलषियेतास सोदीसतमंडलआकार याविधग्रंथभेदमनधार मंडलकुष्टजुकीनवखान कष्टसाध्यलषिमनआन ॥

॥ अथमंडलकुष्टचिकित्सा ॥ ३ ॥

॥ चौपई ॥ मंडलकुष्टकोपच्छकराय पाछेतिसमोलेपलगाय ॥ अथलेप ॥ पवाडवीज-अरवाकुचिआन मालकंडुणीकरोमिलान अर्कअमलतासदललीजै कोगडअवरकनेरमिलीजै सर्जलाक्षरसतासमोपावै गोपित्तेवागूत्रपिसावै लेपकरैमंडलहोयनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ पवाडवीजअरुसेंधाल्याय रसौंतकपित्थकचूरमिलाय मुद्गपर्णीअरुकटतृणपावै माषपर्णीअरुवर्चमिलावै काकनासअरुगुग्गुलपाय मदरासंगजुपीसवनाय लेपकीयेमंडलामिटजाय वैद्यग्रंथमतदीयोवताय

॥ अथपुंडरीककुष्टलक्षणं ॥ ४ ॥

॥ चौपई ॥ रक्तकमलइवरक्तअरुस्वेत तिसतैऊचोहोइलहुभेत कुष्टपुंडरीकतासकोनाम जानलहोहेनरगुणधाम ॥

॥ अथपुंडरीकाचिकित्सा ॥ ४ ॥

॥ चौपई ॥ अमलतासदलकोमललीजै काकमाचिदलतासमोदीजै कर्पासपत्रतिसमाहिरलाय शिरीषपुष्पसंयुक्तकराय महीनपीससमलेपेजोय कुष्टपुंडरीकनाशतिसहोय ॥

॥ अथरिक्षजिव्हकुष्टलक्षणं ॥ ५ ॥

॥ चौपई ॥ करकशरक्ताहिंपूरणहोय ईषतश्यामपीडयुतसोय रिक्षाजिव्हइवहोइआकार रिक्षजिव्हकुष्टलषधार ॥

॥ अथरिक्षाजिव्हकुष्टाचिकित्सा ॥ ५ ॥

॥ हारिद्रावारणमहुरल्याय मारिचशतावरिवावचीपाय गृहकोधूममदनफललीजै थोहरअर्ककदूवांदलदीजै सभसमकट्ठेपीसमहीन लेपकुष्टऋक्षाजिव्हहीन ॥

॥ अथसिद्मकुष्टलक्षणं ॥ ६ ॥

॥ चौपई ॥ ताम्रवरणअरुहोवैस्वेत खुरकैंधूलिप्रगटलहुभेत वहुधाछातऊपरहोवत घीयापुष्पइवसितसोवत सिद्मकुष्टनामतिसजानो प्रवलहोइतोथिम्मपछानो ॥

॥ अथसिद्मकुष्टचिकित्सा ॥ ६ ॥

॥ चौपई ॥ कुष्ठप्रयंगूमूलीवीज गजकेसरसर्षपतिहदीज अवरजवांहांसमलेपाय चिरकोकुष्टथिम्ममिटजाय ॥ अन्यच ॥ गंधकअवरलेहुयवक्षार कटुतैलमिलायथिम्मकोटार ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ पवाडवीजमूलीकेवीज गंधकयहामिलायसमकीज पीसैतनपरलेपनठान यहपरमौषधथिम्मपछान ॥ अन्यच ॥ चौपइ ॥ मूलीवीजनिंवकेपत्र सितसर्षपगृहधूमएकत्र जलसोंपीसैलैपैसोय

सूकैउष्णतोयसोधोय थिम्मकुष्ठकोहोइहैनाश वर्षाऋतज्योंधूविनाश ॥ अन्यच ॥ अपामार्गर-समूलीवीज महीनपीसकरलेपनकीज होवततातैंथिम्मजुनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ कदलीक्षारअररजनीदोय लैंपैसिध्मनासतवहोय ॥

॥ अथकाकनकुष्ठलक्षणम् ७ ॥

॥ गुंजाइवहोइमध्यस्याह गिरदारक्तहोयहैताह अथवामद्धोंलाललषावै गिरदाश्यामरंगदर-शावै पकैनहीतीव्रपीडाकरै काकनकुष्टनामसोधरै त्रिदोषजकाकनकुष्टपछानो महाकुष्ठसातयह-मानो ॥

॥ अथकाकनकुष्ठचीकित्सा ७ ॥

॥ चौपई ॥ पवाडवीजअरसैंधाल्याय रसौंतकपित्थजुलोध्रामिलाय कटतृणदेवदारुवचलीजै माषपर्णीमुद्गपर्णीसुदीजै गुगुलअवरप्रसारणीपाय पीसमहीनकरलेपलगाय काकनकुष्टजुहोवत-नास जैसेंशंकरत्रिपुरविनास ॥

॥ अथएककुष्ठलक्षणं ८ ॥

॥ चौपई ॥ देहविषैपरस्वेदनआवै मत्सचानेवततनदरशावे याकोनामएककुष्टकहीजै इहलक्षण-करजानपतीजै ॥

॥ अथएककुष्टचिकित्सा ८ ॥

॥ चौपई ॥ नीलाथोथकमीलाजुआने वालादालहल्दीतिहठाने मजीठढडालककीजउलेय पीसवनायछाणकरदेय घृतवातैलपकावेजोय पाकसिद्धजानेतवसोय सिल्थारालजुदोनोपावै मल्हमल-कडीफेरवनावै मल्हमलायजुअलसकजाय एककुष्टवीदूरनसाय वाग्भट्टमतजोपहिचान सोतुमसम-झोसुगडसजान ॥

॥ अथचर्मकुष्ठलक्षणं ९ ॥

॥ चौपई ॥ हाथीचरमन्यायसभदेह होवैचरमकुष्ठलषएह ॥

॥ अथचर्मकुष्टचिकित्सा ॥ ९

मनाशिललोध्रहरिद्रापाय महीनपीससमलेपलगाय तातैंचर्मकुष्टहोयनास जैसेंपर्वतवज्रविनास ॥

॥ अथकिटभकुष्ठलक्षणं ॥ १०

॥ चौपई ॥ श्यामरंगदेहहोइजावै व्रणमुखाहिपहुरीदरशावै किटभकुष्टकहियतहैतास जाकेल-क्षणरूक्षजोभास ॥

॥ अथकिटभकुष्टाचीकित्सा ॥ १०

॥ चौपई ॥ पवाडवीजथोहरपयपाय पुनगोमूत्रजुपायलिपाय रक्तवरणकुष्टहोइनाश सूर्यवर-णाकेटकिटिभविनाश ॥ अन्यच ॥ चोपई ॥ मघांपूतकीटकुठआनै गौपित्ताचित्रासमठानै लैपैकिट्टकुष्टामेटजाय इहभीकह्योउपायसुनाय विसर्पकुष्टकोनाशकराय वैद्यग्रंथमतदीयोवताय ॥

॥ अथवैपादिककुष्ठलक्षणं ॥ ११

चौपई पादहस्तफूटजोंजांहि पीडहोयअधिकीहितिमांहि वैपादिकसोकुष्ठकहावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै

॥ अथपादस्फोटकुष्ठचिकित्सा ॥ ११

॥ अथपादस्फोटकुष्ठलेप ॥ चौपई ॥ सेंधागुग्गुलगेरीराल तुत्थमोममधुसर्षपडाल लेपैपादस्फोटजुकुष्ट इसलेपनतेंहोइसोनष्ट ॥ अन्यच ॥ शतावरीजउरसलेपलगाय दाहस्फोटसीघ्रमिटजाय ॥ अन्यच ॥ लेनवनीतकोलेपलगावै पाछेअग्नीतप्तकरावै तातेंदाहस्फोटमिटाय वंगसेनमतदीयोवताय ॥ अन्यच ॥ तिलमधुतैलसरजरसपाय लेपयपादस्फोटनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ नारकेलकाफलजुमंगवावै चीरतासमुखतंडुलपावै वहुदिनतंडुलतारसमाहि सडेंगलेंदुर्गंधप्रगटांहि तवसोपीसिलेपलगावै चिरकापादस्फोटमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धत्तूरकेवीजपिसाय माणकंदक्ष्यारजलपाय कटुतैलजुपायपकायलगावै पादस्फोटकुष्टमिटजावै रालअवरघृतपलपलपाय ताकेसमगुडतासरलाय अर्कदुग्धपलअर्धजुपावै महीनपीसकरलेपलगावै पादस्फोटजुहोवतनास वैद्यग्रंथमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ मालकंडुणीवीजमंगाय दुग्धसाथतिसपीसवनाय सूर्यकिरणसोंतप्तकरावै लेपैपादस्फोटमिटजावै

॥ अथअलसककुष्ठलक्षणं ॥ १२

विफोटलालसखरकतनपरैं अलसकनामकुष्टउचरैं

॥ अथअलसककुष्टचिकित्सा ॥ १२

जीवंतीमंजिष्टाआने दालहलदकंमीलाठाने दुग्धपायघृतसिद्धजुकीजै अथवातैलपकायसुलीजै रालमोमपाछेतिसपाय लेपेअलसककुष्टमिटाय वैपादिकअरएकजुकुष्ट अवरचरमदलकरेसुनष्ट

॥ अथदद्रूमंडलकुष्ठलक्षणं ॥ १३

॥ चौपई ॥ खुरकसहितमंडलआकार लाललालरंगदेहमंझार चक्रन्यायदम्मटदरशावैं दद्रूमंडलकुष्टसुगावैं

॥ अथदद्रूमंडलचिकित्सा ॥ १३

॥ चौपई ॥ अमलतासदलकांजीसंग लेपैकुष्ठथिम्महोइभंग अरुदद्रूरुजहोयविनाश इत्यादिकरुजकोहोइनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धात्रीरससरजरसआने थोहररससमकांजीठाने लेवेअवरपवाउकेवीज पीसमहीनकरतामोदीज लेपैदेहकुष्टहोइनाश रोगनिवर्तदेहदुतिभाश ॥ अन्यच ॥ चौपई . थोहररससालवृक्षरसपाय पवाडवीजहरडेंसमभाय कांजीसाथलेपयहठान दद्रुगजमृगासिंहहिजान ॥ अन्यच ॥ पवाडवीजकांजीतुषतोय लेपैनाशदद्रूकोहोय ॥ अन्यच

सुहांजणमूलत्वचापीसाय सकांजीलेपैदद्रूनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दूर्वासेंधाहरडपवाड कुठेरकयहसमकांजीडार पीसयाहिकोंलेपलगावैदद्रूकंडूकुष्टमिटावै ॥ अन्यच ॥ दोनोरजनीकदलीक्ष्यार लेपैदद्रूकुष्टनिवार

॥ अथचर्मदलकुष्ठलक्षणं ॥ १४

चौपई ॥ रक्तवरणसहशूलफटाक होंहिसकंडूसमझोवाक देहसमस्तदलोंदीरहै नामचरमदलताकोंकहैं

॥ अथचर्मदलकुष्टचिकित्सा ॥ १४

॥ चौपई ॥ राईसैंधागुडसमलीजे पसितासकोलेपजुकीजे विडालचर्मऊपरवंधवावे कुष्टचरमदलहतहोइजावे ॥ अन्यच ॥ गूत्रइंद्रयवपीसलगावै तौभीचरमदलकुष्टनसावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अमलवेतरससैंधापाय ताम्रपात्रमोताहिघसाय लेपैचरमदलकुष्टनसावे यहनिजमनमेंनिश्चयल्यावे

॥ अथपामाकुष्टलक्षणं ॥ १५

॥ चौपई ॥ सूक्ष्मफुनसीतनपरजोय श्रवतीरहैंखुरकवहुहोय पाछैतैंउपजैंवहुदाह पामाकुष्टकहैसभताह

॥ अथपामाकुष्टचिकित्सा ॥ १५

॥ चौपई ॥ गोकागोवरसैंधापावे हलदीमधुसमलेपधरावे पामाकछुकोहोइनाश रोगमिटैतनसुखप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सैंधासर्षपमघापवाड पीसतासमोंकांजीडार यहलेंपैतनपामाजाय कछूकुष्टनाहिजुरहाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मांसीचंदनअमलेतास निंवकरंजूसर्षपजास कोगडदोइ-रजनीजुमुलठ यहसमऔषदकरोइकठ पीवेमलैदेहमोतास होवैकंडूपामानाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीरापलअर्धतथासिंधूर कटुतैलअष्टपलतामोपूर यहपकायतनपरमलवावे यामारोगतनतैंमिटजावे

॥ अथकछूकुष्टलक्षणं ॥ १६

॥ चौपई ॥ पादनकेगुल्मनपरजोय अरुहाथनपरदम्मठहोय खुरकदाहउपजैतिन्हमांहि कछूचंवलभाषसुनांहि.

॥ अथकछूकुष्टकिचित्सा ॥ १६

॥ लेपन ॥ चौपई ॥ वावचीकाशमर्दजुपवाड हलदीअरुमणिमंथसुडार कांजीअरुदधिमंडमिलावे लेपेकंडूअरुकछूजावे ॥ अन्यच ॥ कोमलदलवासाकेआन हलदीसमलेपीसलगान गूत्रसाथादिनतनि जुवार लेपैदद्रकछूपामाटार ॥ चूरण ॥ रजनीचूर्णदोइपलआन गूतरसोंनितपीयेविहान व्रणकोरोगनाशतवहोय निश्चयकीजैमनमोसोय अथश्रीवासघृत ॥ चौपई ॥ श्रीवासकवीलागंधकपाय मनछलजवाणसरजरसथाय यहसभऔषदपलपललीजै प्रस्थएकघृतमोंधरदीजै पकायअग्निमृदुखावलगाय सूर्यकिरनसमपक्कमिटाय ऐसोकछूरोगनरहै निश्चयकरोसास्त्रयोंकहै ॥ अथसिंधूरादितैल ॥ ॥ चौपई ॥ सिंधूरमोमैंगुग्गुलयहआन रसोंतजुनीलाथोथाठान कटूतैलमिलायपकायमिलावैं कछूपिटकाश्रवतीयावैं ॥ अथवृहतसिंधूरादितैल ॥ चौपई ॥ सिंधूरप्रयंगूवायविडंग चंदनमांसीकुठधरसंग दोनोरजनीपद्ममंजिष्टा खदरवरचविषधरोजथेष्टा वैंतमूलअरवासालीज लेवेलोध्रपवउकोवीज निंवकरंजूत्रिवीसमान कूटसभीकटुतैलहिंठान पकायलगायकुष्टहोइनाश अश्विनीकुमारकीयोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ दोनोरजनीअमलतास काकमाचीपत्रलषजास पवाडवीजलेसमपीसावै कटुकतैलमोंपायपकावैं खावैमलैकुष्टहोइनाश रोगमिटैतनदुतिप्रकाश.

॥ अथातनुत्वककुष्टलक्षणं ॥ १७

॥ चौपै ॥ कालेलालफटाकशरीर तनुत्वककुष्टनामसहपीर'

॥ अथतनुत्वककुष्टचिकित्सा ॥ १७

॥ चौपै ॥ दालहलदगिलोयआनो अवरजुत्रिफलातासमोठानो यहसमपायक्काथकरलीजै गुग्गुलुपायजुतासकोपीजै वातिसचूर्णगूत्रकेसंग वाउष्णवारिसोंखायनिसंग तनुत्वककुष्टतासतैंजाय अवरकुष्टसभिदेतनसाय.

॥ अथशतारूकुष्टलक्षणं ॥ १८

॥ चौपै ॥ लालश्यामदेहमंझार पडेफटाकसपीडअपार अरुफोडनउपजैतनदाह नामशतारुकहियेताह जोकालीफुनसीतनहोय कंडूसहतिश्रवतहोइसोय तिंहविचिरचिकानामवखानै यहभीभेदशतारूमानै'

॥ अथशतारूकुष्टचिकित्सा ॥ १८

॥ चौपै ॥ शिलाजितकंवीलाजुमुलछ हरतालसरजरसकरीइकछ मनशिलफटकडीउत्पलपाय नवनीतसंगतिसलेपवनाय यहसमकीजैलेपैतास होयविचरचिकाकोतवनाश.

॥ अष्टादशकुष्टनाम ॥

कपाल १ उदुम्बर २ मंडल ३ जान रिक्षजिव्ह ४ पुंडरीक ५ पछान एककुष्ट ६ सिम ७ काकन ८ जोय कुष्टचर्म ९ किटिभा १० हैसोय वैपादक ११ अलसक १२ अनुमानो ॥ दद्रुमंडल १३ चर्मदल १४ जानो। पाम १५ कछू १६ तनुत्वक १७ जान। शतारु १८ यह अष्टादशमान ॥ ()

॥ अथकुष्टभेदश्वित्रकुष्टक्षलणं ॥

॥ चौपै ॥ श्वित्रकुष्टदोईपरकार साध्यअसाध्यभेदमनधार वातपित्तकफकरइकजान व्रणकरकुष्टदूसरामान श्वित्रकुष्टजाकेतनहोए लक्षणसाध्यसुनोतुमसोए एकदोषवाचिकनाजान कालेवालवीचपरमान थोडेचिरकाजाकोहोय अथवाअग्निदग्धकरसोय लक्षणसाध्यलिखेपरमान असाध्यतीनदोषकाजान लिंगहाथतलओष्टमेंहोय होतनवीनाविवर्जितसोय अथवातादिकभेदेनधातुसंश्रयश्वित्रलक्षणम् वातजश्वित्ररूक्षकरजान पित्तजताम्रकमलवतमान होवत्तजामोवहकरदाह रोमरहितजानोतुमताह कफतेश्वेतरंगवहुहोय कठिनगुरुकंडूयुतसोय रक्तमांसमेदायहतीन इनयुतवातपित्तकफचीन रक्तवाततेंरंगजुलाल मांसपित्ततेंकमलकेदाल कफअरमेदतेंश्वेतपछान किलासनामतिसकियोप्रमान.

॥ अथकुष्टभेदश्वित्रकुष्टचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ श्वेतकुष्टकीकहौंचिकित्सावंगसेनकेभाय चूरणलेपनतैलघृतसोसभकहौंसुनाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ चूर्णवावचीसूक्ष्मपीसाय खदरआमलेक्काथवनाय तासोंचूरणपीवैसोय नाशश्वेतकुष्टकोहोय शंखकुंदइंदुसमस्वेत ऐसो॰ष्टजायलहुभेद ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ भंगराअवरवावचीवीज यहसमचूर्णगूत्रसंगपीज स्वेतकुष्टकोहो॰नाश देहसुरूपलखैयेतास ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ सुक्केगोहनकोलैस्यार चित्राचूर्णतासमेंडार गूत्रसाथलेपजोकरै स्वेतकुष्टतनतैपरिहरै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मनशिलमयूरपित्तकेसंग लेपैश्वित्रकुष्टहोयभंग अन्यच ॥ लेहरतालभस्मजुकीजै मयूरपित्तसोंलेपनदीजै श्वित्रकुष्टको

होवैनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ गजमदअवरमालतक्षियार लेपैस्वेतकुष्टनिरवार ॥ अन्यच ॥
॥ चौपई ॥ थोहरअर्कजायफलआनो अमलतासदलकोमलठानो अवरकरंजुभीसमलेय पीसगू-
त्रसोंलेपकरेय स्वेतकुष्टहोईहैनाश रोगजायसुभरूपप्रकाश अवरपांमदद्रूभीजावै यहनिजमनमोंनिश्च
यल्यावै ॥ अन्यच ॥ कदलीभस्मकाकविष्टाय लेंपैस्वेतकुष्टमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥
मनछलसेंधावायविडंग कासीसअवरगोरोचनसंग अमलतासलेसभपीसाय लेंपैस्वेतकुष्टनरहाय
॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णश्यामतिलआनो अंजनवावचीवीजपछानो अरुआमलेभस्म-
सभकीजै रसभंगरेसोंलेपनदीजै अथवागोवररसकेसंग घरषणकरलैपैरुजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई
दालहलदकोगडकेफूल अंजनसूर्य्यवक्रीसमतूल वसमावन्हिपुष्पभंगराय इन्हकेरसचूर्णलेपाय घर्षणक
रपुनलेपेसोय स्वेतकेश्यामरंगहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कपोतवंकसेंधायुतलीजै चित्रकमूलल.
सुनसंगकीजै अश्वलिद्दरससंगरलाय पीसमहीनकरलेपलगाय स्वेतकुष्टनाशहोइजावै सुगमउपाय-
सुमनमोंल्यावैं ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दंतीकौडहिंसराआन कुष्टवावचीवचापछान सरषपस्योनाक-
अरुहयमार वीजमूलीभिलावैडार गिलोयत्रिकुटावायविडंग दोइकंडचारीत्रिफलासंग मुत्थरतुत्थजु’
चित्रपिसाय पुनचंवेलीकेदलपाय मालकंङुणीतासमोदीजै कूटसभीशुभकल्ककरीजै करंजानिंवजुअ.
म्मलतास कर्षकर्षसमकीनप्रकाश गोगजअश्वअजाकोमूत इकइकआढिककरोसंयूत थोहरअर्क
कोलीजिंक्षीर तैलजुकटुककुडवद्वयवीर मंदअग्निसोंताहिपकावै लेपदोयसितकुष्टमिटावै ॥ अथसोम-
राजीघृत ॥ चौपई ॥ सोमराजीपलदोइपहिचान अष्टपलखदरताहिमोंठान दालहलदात्रिफलाजुमि.
लाय मुत्थरपर्पटनिंवरलाय पलपलइनकोलेपरमान कंडचारीवडींदोयपलठान दोइआढिकजलपा.
यपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै सोमराजीपलचारप्रमान खदरएकपलकरोमिलान पटोलमूलकौडत्रि.
फलाय जवांहांत्रायमानलषपाय कर्षकर्षइन्हकोपरमान दोपलगुग्गुलतामोठान मंदअग्निसोंताहिप-
कावै लेपनकरैयथावलखावै स्वेतकुष्टअष्टादशकुष्ट आमवातप्रदरहोइनष्ट दीपनपाचनयाकोजान
सोमराजीघृतकीनवखान ॥ अथनीलनीघृत ॥ चौपई ॥ नीलनीआढिकएकप्रमान आढिकत्रिफलाक.
रोमिलान वायसीशंखनिकाकमाचीजोय तुलातुलाभरजानोसोय द्रोणदोयजलपायपकावै पादशे॰
षप्रस्थघृतपावै प्रस्थएकभंगरारसठान पुनयहऔषधपीसामिलान वारणात्रिकुटाभृंगसुरदार शमीकंडचा.
रिइंद्रयवडार पारावतपदीदोइदोइपललीजैं पकायखायपुनमर्दनकीजैं स्वेतकुष्टअवरसभकुष्ट जानल.
होसभहोवैनष्ट ॥ अथमहानीलनीघृत ॥ चौपई ॥ अमलतासवायसीमंगावै सुरसामदयंतीजुमि.
लावै यहसभतुलातुलापरमान दोइआडिकत्रिफलातिंहठान दंतीदालहलदयहलीजै कुटजवरुणत्व.
चएकत्रकीजै अर्कमूलचित्राकंडचारी काकमाचीसभचहियेडारी दशदशपलइन्हकोपरिमान चार.
द्रोणजलपायपकान अष्टमभागरहैहैजवै वस्त्रछाणलीयेहीतवै पुनदधिदुग्धजुघृतगोमूत गोवरर
सयहकरोसंयूत यहआढिकआढिकपरमान पुनयहचूरणतामोंठान त्रिफलानकमालकेफूल
दंतीचित्राश्यामातूल निंवसुहांजणकिष्ठाडार नीलोत्पलकिरायताधार कौडवावचीत्रिकुटा-
पावे वस्तुसभयहकल्कवनावे मुत्थरअवरनीलनीजानो यहसभपलइकइकमानो मृदुलअग्निसोंताहिप-
कावै खावैमैलकुष्टसभजावै स्वेतकुष्टअष्टादशकुष्ट परवतवज्रज्योंहोवैनष्ट स्वर्णवरणदेहपुनहोय ऐसे॰
गुणताकेलषसोय ॥ अथमाल्हकंङुणीतैल ॥ अपामार्गकोक्षारजुमेल सिद्धकरेमाल्हकंङुणीतैल सोनि॰

तमर्दनदेहकरावे श्वित्रकुष्टतातेमिटजावैं सभीहोयकुष्टकोनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ कुष्ठचिकित्सायहकही येग्रंथदेषविचार रोगीकुष्टनाशैसभीवरतेइहअनुसार चित्रकुष्टकोलेप ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ थोहरगतलाअग्निभुनावे ताम्ररसमेंगृहधूमरलावै सेंधातैलमिलायलिपाय चित्रकुष्टयाहीं तैंजाय ॥ इतिश्वित्रकुष्टचिकित्सा. ॥

॥ अथकुष्टरोगसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ हरडआमलेहरदलजान भिलावेखदिरकनेरसुमान पत्रचंवेलीकोजुलहिये अवरअमलतासुनकहिये सप्तपर्णअरवायविडंग यहदशकुष्टकरैंनितभंग ॥ अन्यच ॥ चंदनअमलतासनिंवकहिये छडगुडीवकमजुकोगडलहिये सर्षपमहुजुदालहरिद्रा मुत्थरयहदशकहेजुमित्रा कंडूनाशनयाकोजान ग्रंथकारमतकह्योसुमान ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ प्रियंगुत्वचाबासाजुपटोल निंवलैंहुकरहोसमतोल काथकरैमधुसाथापिलावे कुष्टविकारयाहितैंजावे वमनकरावनजोअधिकार चूर्णमैनफलकाथहिंडार ॥ अथरेचनप्रकार ॥ चौपई ॥ दंतीत्रिवीअवरत्रिफलाय यहसमपीसिचूर्णवनाय मधुमिलायकरखावैतास रेचनलगैंहोयरुजनाश ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ हरडकरंजूहलदविडंग सितसर्षपसेंधाधरसंग गूत्रसाथसोलेपलगावै कुष्टजायरोगीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एलाकुष्ठविडंगशतावरि दंतीवरचरसौंतचित्राधरि यहसमलेपैकुष्टनिवारै निजमनमेंायहनिश्चयधारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मनछिलमरचअर्कपयपाय तैलमिलायसुलेपलगाय कुष्टरोगकोहोइहेनाश निश्चयकीजैमनमेंतास ॥ अन्यच ॥ करंजुबीजपवाडकोविजि अवरकुष्ठगूत्रसंगलीज लेपकरैहोवैरुजभंग वंगसेनमतकह्योसुचंग अन्यच चौपई धात्रीथोहरबीजपवाड अवरसरजरसतामोडार तुषजलसाथलेपसोकरै कुष्टरोगकीपीडाहरै कछूदद्रुकरेजुनाश कंडूरुजसभहोयविनाश अन्यच अमलतासदलपीसलगावै वापत्रकाचमाचीघसलावै अथवापत्रलेपहयमार त्वचारोगसभजाहिंविकार पीसतैलसंगमर्दनकरै त्वचारोगसभतातेंटरै अन्यच चौपई पवाडबीजकुठसेंवासंग सर्षपअवरमिलायाविडंग कांजीसोंलेपैसभअंग तनकोरोगहोयसभभंग अन्यच ॥ चौपई दालहलदकोगडत्रिफलाय मुत्थरअमलतासंगपाय कुष्ठस्वेतसर्षपचूर्णठान लेपकरै स्नानअरुपान त्वचारोगसभनाशैतास श्रेष्टउपायकीनप्रकाश ॥ अथवुटणः ॥ चौपई ॥ लाक्षसरलरसत्रिकुटाकुष्ठ दोनोरजनीकरोइकष्ठ स्वेतसर्षपामूलीबीज पवाडबीजसमचूर्णकीज वुटणाकरयहदेहमलावै कुष्टसमस्तनाशहोइजावै ॥ अथमर्दन ॥ केवलमालकंगुणीतेल मलैसदासभकुष्टहिरेल अथलेप ॥ चौपई ॥ पवाडबीजदंतीजुविडंग दोइरजनीसेंधाधरसंग वासादंतीअर्कपयपाय गृहधूमरलायलेपसोलाय कुष्टसमस्तनाशहोइजावैं यहअपनेमननिश्चयल्यावैं ॥ अन्यच ॥ उपाय ॥ चौपई ॥ करैखदरजलसाथस्नान अरुकरहैताकोनितपान याकोजोजनसेवनकरै समस्तविकारत्वचाकेहरै ॥ अन्यच ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीरसरसखदरमंगाय मधुघृतसोंमिलायसोखाय कुष्टरोगकोहोइहैनाश निश्चयआनोमनमेंतास ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ निंवपत्रनिंवफलआन विडंगआमलेवावचीठान यहसमकाथमलेअरुपीवे तौभीनाशकुष्टरुजथीवे ॥ चूर्ण ॥ दूर्वारजनीयहसमसेवै कुष्ठरोगनाशकरदेवै ॥ लेप ॥ ॥ चौपई ॥ स्वेतकनेरमूलकुठआन करंजुदालहलदपुनठान मालतीपत्रसभीसमलीजै लेपैकुष्टरोगतवछीजै ॥ काथ ॥ चौपई ॥ खदरगिलोयनिंवजुपटोल त्रिफलावासालेसमतोल करैकाथपीवैनि-

त्तास होवैसर्वकुष्टकोनाश ॥ अथनवकषाय ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंवमंजीठपटोल वरचकौडहलदी-
समतोल यहसमकाथकरपीवैजोय नष्टकुष्टपित्तकफकोहोय ॥ अथनिंवादिमहाकषाय ॥ चौपई ॥
निंवपत्राडअवरमुर्वाय दोनोरजनीअरुत्रिफलाय त्रायंतीचित्राजुगिलोय धरेकपटोलभिडंगीजोय खद
रकरंजुपतीसफगवाडी अपरोटत्वचाअरदोयकंडचारी उत्पलहरडविडंगपछानो एरंडसुंठवचातुमजा-
नो त्वचासप्तपर्णअरुवासा वैंतकणासरींहलषतासा कोगडदंतीकिरायताठान वावचीगजपीपलको
आन पाठातुम्मालेकुशमूल त्रिवीपापडापिपलामूल चंदनकौडमांजिष्टापाय अवरराजद्रुमसभसमभाय
करैक्काथताकोंजोपीवै सर्वप्रकारकुष्टहतथीवै स्वर्णवरणसमदेहसुहावे ऐसोगुणताकोलषपावै
॥ अथमंजिष्टादिमहाकषाय ॥ चौपई मंजिष्टानिंवविडंगजुवासा चित्रादोइरजनीलषुतासा त्रिफ-
लाखदराकिरायताठान वावचीरक्तचंदनपहिचान वर्चगिलोयजुत्रायेमान अमलतासतुम्मापुनठान मूर्वादं
तीतासमोपाय कोगडत्वचाजुपीसरलाय पाठाश्यामामरचपटोल मघांअनंतालेसमतोल करैकाथपी-
वैपुनतास सर्वप्रकारकुष्टहोइनाश ॥ अथउदयमार्तंडक्काथ ॥ चौपई ॥श्यामाखदरगिलोयमंगाय सरींह-
सुहांजणशिलाजितपाय सुरसासरजकरंजमिलावै निर्गुंडीस्योनाकरलावै गजकरणीतुम्माजुमिलावै
वासावरचवैंतलषपावै निंवकदंवजुदेवदियार लेवैताकोवीचमोडार सप्तपर्णकाकादनिआन कंडचारीलघु-
कोगडठान करणकारअरुलेगजकेसर करमर्दकजंवूरजनीधर अर्कक्ककोडेतिनसपछानो सारवागोधा-
चित्रामानो लाक्षकचूर.पवाडमिलावै अष्टाविंशेषक्काथपिलावै कुष्टअष्टदशहोवैंनाश याकेगुणअसकी
नप्रकाश॥ अन्यच ॥ क्काथ ॥चौपई ॥ निंववैंतकृष्णखदरपटोल अरुत्रिफलाजानोसमतोल
यहसमकाथपकायपिलावै कुष्टरोगयातैंमिटजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ काकोदुंवरकाजोलीजै
वासात्रिकुटानिंवलहीजै अवरलेहुसंगवायाविडंग चूरणखायकुष्टहोइभंग ॥ अथमोदक ॥ चौपई॥
कणावावचीवायाविडंग हरडलांगुलीचित्रासंग अरुत्रिफलासंगपीसमिलाय सभसमगुडमोदकवंधवाय
प्रातहिंउठइकमोदकखावै रोगकुष्टनाशहोईजावै चूर्ण ॥ चौपई ॥ केवलवावचीवीजपिसाय
कर्षप्रमाणसाथजलखाय सघृतदुग्धपथ्यजोखावै कुष्टरोगदूरहोइजावै ॥ अन्यच्च ॥ चौपई ॥
त्रिफलात्रिकुटाशरकराजान तिलअरुमधुघृतकरोमिलान भिलावेवासातासरलावो विधिवतचूर्णसुष्ट,
वनावो यहसमचूरणखावैजोय मेदकुष्टनाशतवहोय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ पथावल
नित्यनिंवरसपीवै सघृतपथ्यभुक्तापुनथीवै ताकोकुष्टनाशहोइजाय सुगमउपायकह्योजुसुनाय
॥ अथचूर्णगुटका ॥ चौपई ॥ गिलोयहरडत्रिकुटाअरुचित्रा भिलावैवावचीभंगरामित्रा यहक्रमवृ-
द्धजुचूर्णकरै गुडअरुतैलमेलकरधरै गुटकावांधयथावलखाय तनतैंकुष्टरोगमिटजाय ॥ अथलेपन ॥
॥ चौपई ॥ रजनीचित्रामूर्वाआन गृहकोधूममयनफलठान मरचअर्कथोहरपयपावै यहसमलेपै,
कुष्टमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अर्कपत्ररसहलदीचूरण पीसतैलकटुमोंकरुपूरण लेपैपामाकं,
डूजाय अरुविचर्चकारोगनसाय ॥ अथात्रिफलागुटका ॥ चौपई ॥ त्रिफलाभंगरावावचीभिलावै
त्रिकुटालांगालिगुडजुमिलावै लोहचूर्णवाराहकिंद यहसभपलपलगुटकेवंद अक्षप्रमाणप्रातउठाखावै
कुष्टसमस्तनाशहोइजावै वर्षंअयंतजुयाकोंखाय स्वेतकेशश्यामरंगथाय अरुशतवर्षजीवतोरहै त्रिफला,
गुटकाकोगुणलहै ॥ अथत्रिफलामोदक ॥ चौपई ॥ त्रिफलापंदरांपलपहिचान दोइपललोह,
चूर्णतिहठान सातोपलतिंहप्रायविडंग पलदशवावचीताकेसंग शिलाजितदोइपलगुगुलदोय पलइकपु,

ष्करमूलसमोय सेंधापलजुडेढपरिमान इकशतताहिंभिलावेठान चित्रामरचांपिपलीनागर तजपत्रजु-कुंकुमअरुलहुमुत्थर कर्षकर्षयहऔषदपावे पीसेइन्हसमखांडरलावे बांधेमोदकपलपरिमान एकनि-ताप्रतिखायविहान अष्टादशकुष्टनाशहोइजांहि भगंदरलिफगुल्मनरहांहि अस्सीरोगवातकेजावे चाली-सपित्तकेरोगनसावें कफकेरोगवीसहोंइनाश सन्निपातसिररोगविनाश नेत्ररोगभ्रुवरोगजुचूर कंठता-लुरोगहोंइदूर जिव्हाउपजिव्हारुजनाशे यहमोदकपरमरसायणभासे ॥ अथमहाभलातलेह ॥ चौपई ॥ निंबजुसारिबामुंडीजान त्रिफलात्रायंतीमघठान मुत्थरकौडअनंतावरच पटोलवावचीतामोंसरच चंदन पाठाखदरकचूर वासानुराभिडंगोगूर किरायताकोगडइयामाआन तुम्मामूर्वाचित्रामान गजकरणअरु धरेकेविडंग गिलोयपतीसरजनीदोइसंग सप्तपर्णिउच्चिटापटोल सरीहअमलतासतिंहघोल मंजीठ-लांगलीरिहसनपाय करंजपुनर्नवाताहिमिलाय दंतीजीवकअषरोटत्वचाय कुटंन्नटभंगरायहसमभाय-दोइदोइपलइन्हकोपरिमान कुंद्रोणजलमांहिठान अग्निचढायपकावैसोय अष्टमभागरहेतिसजोय वस्त्रछनायदृढवासनपाय ताकोंधरेजुयत्नकराय पुनसहस्त्रत्रयआनभिलावे द्रोणलेपजलतामोंपावे चंदनकु छजत्रायमाआन पलरसुरहताहीजलठान करेकाथअरुमजवरहे पुनसहवस्त्रछाणलोगहे दोनोकाथएकठैकरे तुलाप्रमाणगुडतामोंधरे संदअग्निसोंताहिपकाय पुनयहऔषदपीसरलाय सहस्रभिलावेमज्जाठान त्रिफला त्रिकुटामुत्थरजुआन चित्रासेंधावायविडंग यहपलपलचूरणदेसंग चतुर्जातकचूर्णपाय सुगंधिद्रव्यतिसमाहि रलाय नित्ययथावलताकोंखावे श्रीशिवरच्योलेहलषपावे भल्लातिकलेहनामइसजान प्राणिनाहितशिवरच्यो महान याकोकुष्टअठारांनाश वातरक्तउदवर्त्तविनाश कृमव्रणपांडुरोगामिटजावें षट्प्रकारअर्शनरहावें भगंद-रस्वासजायअरुकास आमवातकोकरैविनाश उदरविकारसमस्तनसावे बडीकांतितनकीदरशावे याके अनूपानसुनलीजे रसगिलोयदुग्धसंगपीजे उष्णअमलभोजननहिंखावे यहअविलेहमहौषदकहावे ॥ अ-थचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंलेहुनिंबफलफूल त्वकअरपत्रअवरलेमूल यहसमपीसधरैनिजसाथ खदर-असनकोपुनकरैकाथ अष्टाविशेषक्काथमोपावे ताकोंपुनधरधूपसुकावे अमलतासअरखांडरलाय हरड-जुसुंठभलावेपाय मघांमरचपवाडकोवीज आमलेभखडेवाकुचीलीज लोहेचूर्णहरिद्रापावे यहवस्तु-समभागरलावे पुनचित्राविडंगसमजोय रसभंगरेमोंपीससमोय ताकोंभीधरधूपसुकाय पु दोनोकोंपी-सरलाय पीवैखदरअसनसंगक्काथ प्रातःकालएकलगमास खावेगुणतिसकरोंप्रकाश अष्टादशजुकुष्टप्रकार तिलकेलरसनतनतैटार अवरहुंतनकेरोगनिवारे सातप्रकारक्षईकोंटारे इकशतवर्षजीवतोरहे एतेगुण-याकेउरगहे ॥ अथत्रिफलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिफलानिंबकलिंगपतीस कणापटोलकौडवचपीस पद्म-कमूर्वारजनीदोय तुम्माब्राह्मीसंगसमोय किरायतादंतीत्रिविपलास विधिवतलेचूरणकरुतास यथोतर-द्विगुणजुवस्तुपावे ब्राह्मीत्रिगुणजुताहिसमावे यांकोंजोजननितप्रातिखावे त्वचासुप्तकुष्टमिटजावे ॥ अ-थपथ्यादिवटका ॥ चौपई ॥ हरडइंद्रयवफलजुपलास अर्कवावचीअम्मलतास आवर्त्तनिचित्राकुठ-जुधावे वरचविडंगसभसमपीसावे वटकागूत्रसाथवंधवाय वधावैइकइकत्रैसेंखाय हतनासकाकुष्टहोइ-नाश करणपाककुष्टजुविनाश पाकहस्तपादअंगुलीको कक्षपाकउरकुष्टनाशको व्रणकृमअरुदुर्गंधविनाश सूर्यन्यायतनहोयप्रकाश ॥ अथतिक्तघृत ॥ चौपई ॥ निंबपटोलजवांहांआन दालहलदतिक्तपुनठान त्रि-फलाकौडपलअधअधपाय परषटत्रायमानपलपाय आढिकजलमोंपायपकावै अष्टाविशेषरहिवस्त्रछ-नावे चंदनअवरकणापुनजान किरायतात्रायमानपीसान मुथरइंद्रयवयहपुनलीजे कर्षकर्षयहजानप-

तीजै षट्पलघृततिंहपायपकावै खायकुष्ठप्रमेहनसावै अर्शशोथसंग्रहणीजाय पांडुविचर्चिकाकफनसाय पितकाकंडूनाशकरावै तिक्तजुघृतकेअसगुणगावै ॥ अथपंचतिक्तघृत ॥ चौपई ॥ निंवपटोलवासाजु. गिलोय कंड्यारीलघुलीजैसोय यहदशपलजलद्रोणपकावै पादशेषप्रस्थघृतपावै त्रिफलाइयपल. पीसामिलाय पकायसुखायकुष्टसभजाय अस्सीवातजरोगनिवारै पित्तजचालीरोगबिडारै वीसरोगकफ. केकरैनाश व्रणक्रमअर्शपांचपुनकास ॥ अथगुग्गुलघृत चौपई गिलोयकरंजूतिक्ताआन कोगडअरु. पटोलपीसान यहसभवीसवीसपललीजै द्रोणपायजलताहिपकीजैं पादशेषप्रस्थघृतपावै दारुहलद. त्रिफलाजुमिलावै चित्रालीजैचवकपतीस पाठाअवरकलौंजीपीस त्रिकुटादूर्वादोनोक्ष्यार अवरइंद्रय. वजीराडार वरचजवायणकौडविडंग सप्तपर्णिअक्षअक्षधरसंग गुगुलअष्टपलपीसरलावै खावैकुष्टरक्त. पितजावै दुर्गंधविसर्पीकोहोइनाश गुग्गुलघृतयहकीनप्रकाश इन्हसौंतैलपक.यलगावैं खावैरोगसोइमि. टजावै ॥ अन्यचगुग्गुलघृत ॥ चौपई ॥ निंवगिलोयपटोलमंगावै वासालघुकंड्यारीपावै यहसभहोद. शदशपलपाय पायद्रोणजलताहिपकाय पादशेषप्रस्थघृतपावै त्रिकुटासज्जीसंगमिलावै त्रिफलामुथर. रजनीदोय पाठादारुचित्रसमोय गजपीपलअरकौडभिलावे पिपलामूलमंजीठरलावे कोगडशालपर्णी. जवक्षार पतीसविडंगवचातिहडार अवरकुष्ठजुसारिवादोय मालकंगुणीताहिसमोय शत. पुष्पाअक्षअक्षप्रमान गुग्गुलपलपच्चीसमिलान पकायजुखायतबचारुजजाय यहनिश्चयरुजमांहिवसाय कुष्टजुसुप्तत्वचानहिरहै गंडमालअर्बुदकोंदहै नाडीव्रणहृदरोगविनाशै प्रमेहभगंदरक्रमरुजनाशै रक्तविकारविष्मज्वरजावै उन्मादगुल्मशोथनरहावै पांड्कामलाअरुविषदोष एतेतजहोइजावैशोष ॥ अथमहातिक्तघृत ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णपाठाजुपतीस अमलतासत्रिफलासंगपीस मुत्थरकौडप. लेटोलउशीर निंवपापडासंगधरवीर उपकुल्पाचंदनपद्मकवरच रजनीदोयदोयसारवसरच जवांहावा. ष्टसाइंद्रयवठान मूर्वासतावरकिरायतामान गिलोयमुलष्ठीत्रायेमान यहसमऔषदकरोमिलान कोगडतुम्मा जुमिलाय विधिवत्कल्कजुतासमिलाय सभीकल्कतेंचौथाभाग त्रायेमाणमुलठीमिलभाग दुगुणोघृतजुअ गुणतोय आमलेरसघृतदुगुणसमोय मंदअग्निसोंतासवनाय पकायखायरोगवहुजाय कुष्टरक्तपित्तनरहावै अ. र्शविसर्पीपांडुनसावै स्फोटकामलाज्वरहोइनाश हृदयरोगपिटकाजुविनाश गंडमालाजुभगंदरजावै पामा रोगनतनठहरावै ॥ अथवज्रकघृत ॥ चौपई ॥ वासात्रिफलानिंवगिलोय पटोलकरंजुअसनहेजोय. अवरवैंतयहसभसमलीजै कल्कहिक्वाथमोघृतजुपकीजै बज्रनामघृतखायलगाय यातेंकुष्टसमस्तमिटाय हाथपादअंगुरीगिरिहोय कंठभिन्नकंपतनजोय याकरप्रथमदेहसमथावै जीवैवर्षशतरुपलषावै ॥ अथमहावज्रघृत ॥ वासात्रिफलानिंवपटोल कंडयारीकरंजुगिलोसमतोल याहिक्वाथसोंधीउ. पकावै एकमासपरयंतसुखावै पतिननासकाअंगुलीकरपाद पुनपूरणहोंहियहमरयाद जायाविष्मज्वर. अरुप्रमेह याकोगुणअैसैंलषलेह ॥ अथखदरादिघृत ॥ खदरत्रिवीचित्रात्रिकुटाय अमलतासदंती. कुठपाय निंवपटोलवावचीवीज त्रिफलापाठाकोगडलीज विडंगजवांहारजनीआन करंजुवजिदो. पत्तारवाजान कौडाभिलावैगुगुलपतीस यहसभऔषदसमलेपीस करैक्वाथघृततुल्यमिलाय खाविकुष्ट. विसरपीजाय कंठरोगविषरोगनसावै व्रणगलगंडविचरचिकाजावै इंद्रवज्रकरपर्वतजैसैं यातेंरोगन. ष्टहोइंतैसैं ॥ अथमहाखदरादिघृत चौपई पंचतुलाभरखदरमंगाय असनतुलापुनताहिमिलाय तुला. सिंसपापुनतिंहठान अर्धतुलाभरयहसभजान करंजुनिंववैंतत्रिफलाय वासारजनीकोगडपाय गिलो.

यविडंगपटोलसुजोय त्रिवीसप्तपरणींसमहोय कुचलाअमलतासतिहपावै कूटवन्तुसभकल्कवनावै यह-सभअर्धतुलापरिमान दशोद्रोणजलमोसभठान पादशेषलीजैसुपकाय आढिकअर्धघृततामोंपाय त्रिकु-टादिकतीक्षणजोजेती अर्धअर्धपलपावैतेती पुनपकायकरखवैतास कुष्ठअष्टदशहोवैंनाश

॥ अथवज्रतैल ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णमालतीकनेर अर्कसरीहकरंजूहेर अरुथोहरइन्हसभकेमू-ल करंजुवीजचित्रासमतूल मनशिलमहुराकाहीडार अवरजुपावैहस्तीझंगार दोइरजनीगिरिकरणका जान सर्षपस्वेतपवाडसमान त्रिफलात्रिकुटावायविडंग यहसमपीसगूत्रकेसंग तैलमिलायपकावैसोय मलैकुष्टअष्टादशषोय नाडीव्रणहिंकहैंजुनथूर याहिमलैंहोवैंसोदूर ॥ अथमहावज्रकतैल ॥ चौपई ॥ एरंडनीयप्रयंगूमुत्थर कदंवकंवीलातुम्मालषधर देवदारुदोधिकजुभिडंगी सरलवृक्षरसकीजैंसंगी पुष्क-रमूलविडंगजुपाय थोहरदुग्धरसोंतरलाय अर्कदुग्धगुग्गुलहरताल निर्गुंडीमनाशिलसभसमडाल तैल-मिलायपकायलगावैं कुष्टसमस्तअर्शमिटजावैं ॥ अथतृणतैल ॥ चौपई ॥ चतुर्गुणतृणरसतैल-मिलावै मंजिष्टाहलदीजुभिलावैं अमलतासपवाडकेपत्तर कर्षकर्षसभकरोइकत्तर तैलमिलायपकायल-गाय कुष्टजुअष्टादशनरहाय ॥ अथवृहतत्रिणतैल ॥चौपई ॥ दालहलदमूलहयमार अमलतासमूल-पुनडार वासामूलउत्पलजुविडंग सरीहकसुंभाचंदनसंग काशमर्दपद्मकजुमुलठ गंधकनिंववरचअरुकुठ रजनीसैंधालाक्षपवाड मंजीठस्वेतसर्षपसुरदार मूर्वामांसीवावचीपावो षदरसारसपटोलमिलावो करंजुवीजअजवायणठान यहसभकर्षकर्षपरमान प्रस्थस्वेतसर्षपकोतेल त्रिणरसषट्गुणतामोंमेल ताम्रक-टाहिमंदाग्निपकावै षावैमलैकुष्टसभजावै थिम्ममहाददूहोइनाश पामविचरचकाहोयविनाश विव-र्णजायसुंदरतनहोय ऐसोगुणमनमोंलषसोय ॥ अथमरचादितैलं ॥ चौपै ॥ मरचत्रिवीदंतीसुरदार-दोनोंरजनीमांसीडार अर्कदुग्धगोवररसआन तुम्माकुठचंदनपहिचान करवीरविडंगमनछलहरताललांग-लिचित्राकोगडडाल पवाडसरीहनिंवयवक्ष्यार थोहरसप्तपर्णपुनडार अवरजुपावैतासगिलोय माषप-र्णीलेताहिसमोय अंवलतासमुत्थरपहिचान नक्तमालवरचपुनठान षदरवावचीइकठीकीजै माल-कंगुणीपलपललीजै दोइपलविषआढिककटुतेल मृतकपात्रवालोहेमेल मंदअग्निसोंताहिपकावै मलैअष्टदशकुष्टमिटावै देहव्यंगताव्रणसभटारै तनकोमलसुंदरताधारै वालअवस्थाइस्त्रीजोय लेनस-वारतासकीसोय जराअवस्थाकोंनहिंगहै पतितस्तनकवहूंनाहिंलहै ॥ अथअन्यमरचादितैलं ॥ चौपै ॥ मरचांमघांकुठसुरदार अर्कदुग्धगोवररसडार दोनोंरजनीमांसीजान तुम्मारक्तचंदनपहिचान विषकर-वीरमनछलहरताल अर्धअर्धपलयहसभडाल सूक्ष्मपीसप्रस्थकटुतेल गोमूत्रचतुर्गुणतामोंमेल लोहपा-त्रवामृत्तकाआन तामोंपायजुकरोपकान इसमर्दनतेंकुष्टसमस्त नाशहोंहियहजानप्रशस्त देहत्वचाको-कोमलथावै स्वेतकुष्टत्रिवार्षिकजावै वृषभअरुवहस्तीजोषावै वायुसमानपराक्रमथावै इस्त्रीवालअवस्था-मांहि नसवारजुलेपजराहोइनांहि स्तनपरमर्दनकरहैजोय पतितस्तनहिकदापिनहोय जोपुरुषमलैअरु-लेनसवार योजनअष्टचलैवलधार श्रमसोंथकैनांहिनरजोय इहप्रकारलखलीजैसोय ॥ अथमहामरचा-दितैलं चौपै अमलतासफकवाडीआन मदजंतीतुलसीकरोमिलान इकइकतुलाजुइनकीपाय त्रिफला-आढकलेजुमिलाय दंतीदालहलदअरुकुठ वालपुनर्नवाकरोइकठ विजोरारहसनलषोप्रवीन यहली-जैइकइकपलतीन पायद्रोणजलताहिपकाय पादशेषरहैलेहुछनाय मरचांत्रिफलाकुठरसगोवर अर्क-दुग्धरजनीदोइमुत्थर क्षारवचारक्तचंदनपुनआन इकपलपलइन्हकोपरिमान विषपलअर्धगोमूत्रसभ

पीस पायतैलकटुलैपलतीस मंदश्राग्निसौंताहिपकावै रोगीकौंनसवारादिवावै सर्वरोगकोहोइहैनाश दंतरोगशिररोगविनाश दुर्गंधनासकामुखकीजावै अर्धशिरागलगंडमिटावै मुखकोव्यंगअवरगलरोग करकशत्वचाहरेशुभयोग बालापणतियलेनसवार जगप्रातनहिंहोइतिसनार श्ररुस्तनपतितहोहिंनहिंतास कोमलतनहोइदुतीप्रकाश यहनसवारपुरुषलैजोय अष्टयोजनचलथकैनसोय इसमर्दनअष्टादशकुष्ट नांहि-रहैंहोवैंसभनष्ठ करपदश्रंगुलीनासाकान पतितजुहोंहिसोंपूरणजान जोयहमलैअवरयहषावै देहनवीन-तासहोइश्रावै अश्ववृषवभन्नजोवात तिहकौंभीयहहितविख्यात ॥ अथविषतैल ॥ चौपै ॥ नक्तमाल-दोइरजनीश्रान अर्कतगरकरवीरपछान वरचकुठगिरिकरणीलीजै रक्तचंदनमालतीलहीजै मंजीठ सिंधुवारकपुनश्रानो यहसभअर्धअर्धपलठानो विषइकपलसभपीसमंगावै गूत्रचतुर्गुणमांहिमि-लावै प्रस्थतैलपुनपायपकाय मर्दनकरैकुष्टसभजाय स्वेतकुष्टनाशैव्रणसंग यातेंहोंहिरोगयहभंग ॥ अथस्वेतकरवीरादितैल ॥ चौपई ॥ पलकरवीरस्वेतकोमूल विषपलएकलेहु-मतभूल गूत्रचतुर्गुणतहिमिलाय तैलअष्टगुणपायपकाय देहमलैसभकुष्टविनाशैं तनकेअंगसुंदरअति-भासैं अथकरंजादितैल ॥ चौपई ॥ करंजूअर्कदुग्धअरुचित्रा रजनीअवरमेलियेभंगरा कृतमाल-त्वचाअरसैंधालीजै वस्तूयहसभकठीकीजै यहसमगूत्रचतुर्गुणपाय तैलअष्टगुणपायपकाय मर्दनकरै-कुष्टसभनाशैं तनकेअंगखछसभभासैं अथथोहरादितैल ॥ चौपई ॥ थोहरदुग्धविडंगमंगाय अर्क-दुग्धमघलांगलीपाय कोसातकीवलापलासकेवीज यहसभसमचूरणकरलीज चतुर्गुणगूत्रअष्टगुणतेल-पकायमलायकुष्टसभठेल अथकनकविंदुनामअरिष्ट ॥ चौपई ॥ षदरक्काथइकद्रोणप्रमान घृतमर्दनकुं-भताहिमोठान खपरीयापीसषटपलतहपावै त्रिफलात्रिकुटारजनील्यावै मुत्थरनिंवभिलावैसंग गिलोयवाव-चीवायविडंग यहद्वोदोपलपीसमंगाय सभीमिलायकुंभतिसपाय मासप्रयंतअन्नमंझार राषदवायभ-लीपरकार पुनमासप्रयंतयथावलषावै महाकुष्टरोगमिटजावै एकपक्षजोयाकोषाय अर्शश्वासकासनरहा-य शोथभगंदरदूरप्रमेह कनकवरणभासेसभदेह कनकविंदुअरिष्टयहकह्यो ग्रंथवंगसेनमतलह्यो ॥

॥ अथकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कुष्टरोगकेपथअपथभाषतहोंसमुझांय वैद्यशास्त्रसुनज्योंकहैतेसेंदेहुंलषाय ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ पक्षपक्षप्रतिवमनकरावै मासमासप्रतिरेचादिवावै षटषटमासप्रतीयोंजान रुधरछुडावै-पथ्यप्रमान त्रैत्रैदिनप्रतिलेनसवार घृतजुपुरातनपथ्यविचार यवगेहूंजुपुरातनजान पुरातनचावलमुंगप-छान मधुअरुमसुरपटोलकहीजैं वैंतकूमलीपथ्यलहीजैं कंडचरीफलपथ्यपछानो कायांकोठींपथक-रमानो निंवयत्रमोचरसभनिये इटसिटककडशृंगीगनिये पुनहेडवाजुभिलावैआषे षैरतालफलपथ्य-सुभाषे चित्राअवरजायफलमानो गजकेसरजुकुसुंभाजानो करंजुअवरतिलसर्षपतेल निंवतैलपथ्यल-षमेल चीढदेवदारूशिंसपातेल यहभीपथ्यमांहिलेमेल क्ष्यारगर्मकस्तूरीकहिये तिक्तसमस्तवस्तुपथ-लहिये गोऊष्टरपरवकरीजान महिषीइन्हकीमूत्रप्रमान लघुजुअन्नलघुवस्तुसमस्त कुष्टरोगमोंपथ्य-प्रशस्त ॥ दोहा ॥ पथ्यकहेसभकुष्टकेकरोंअपथ्यवषान जैसेंभाषेग्रंथमोतैसेंलषोसुजान ॥ अथअप-थ्य ॥ दोहा ॥ मैथुनखेततिलमाषमांसदधिगुडदुग्धव्यायाम रोकनवेगजुवमनकोमद्यअपथदुखधाम ॥ इतिकुष्टरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः ॥ दोहरा ॥ कुष्टरोगवरननाकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचि-कित्सावरनकैपथ्यापथ्यवखान ॥ इतिकुष्टरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथकुष्टरोगकर्मविपाकमाह ॥

॥ अथपुत्रहीनतथाकुष्टदोषकारणउपायानिरूपणम् ॥ अथकारणं ॥ चौपई क्षेत्रीचरतीगौवनताई जै-उनिवारानिकासेगाई सोपुत्रहीनअरुकुष्टीहोय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ गोपयस्वनीवत्सासंग तरुणिसवस्त्राभूषणअंग पुष्पनकीमालापहिरावै मुक्तादामसुपुछलगावै स्वर्णदोइतों-लेकेशृंग रजतचारपलखुधरसंग शतपलताम्रपृष्टवनवाय कांसिपात्रसाठपलधराय ऐसीगौविधिवतपूजावै गंधपुष्पनैवेद्यचढावै पुनद्दिजवरकीपूजाकरै श्रद्धाभावअधिकउरधरै विवधभांतकेभोजनसंग ब्राह्मणकों-करतृप्तअभंग संकल्यसदक्षिणदेगौतास देयमुक्तिहोइलहैहुलास ॥ दोहरा ॥ पुत्रहीनअरुकुष्ट-कोकारणकह्योउपाय विसर्प्परोगकेदोषकोंभाषोंभलैवनाय ॥ इतिपुत्राहीनकुष्टदोषकारणउपाय ॥

॥ अथकुष्टरोगज्योतिषम् ॥

॥ चौपै अठमेचौंथेवारमेमंगलपडैसंजोग तांपरदृष्टीगुरूकीवैरभावसोंहोय कुष्टविकारहोयताहिनरइ-हअरिष्टहैनेम मंगलकीआराधनाजपाविधानकरक्षेम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकुष्टरोगवर्णनम् ॥

॥ रोगकुष्ट ॥ चौपई ॥ अठारांभेदकुष्टजोहोई जुजांमनाममतफारससोई तुचामांसकादोषपछां-नो भेदसतारांसाध्यवखांनो एकोभेदअसाध्यकहावे आगेलक्षणप्रघटसुनावे मछीदुग्धमेलकरखाय विगडेरुधिरकुष्टप्रघटाय पक्षीमांसदूधसंगखावे वाजलजीवदूधसंगभावे कर्कमिथुनकासूरजहोई ऐसाभोजनकरेनकोई रुधिरदेहमेअतिवलपावे अतिषटेआईतवजोखावे वाअतिमारगचलेजुकोई शीतलजलसोंन्हावेसोई वाअतिपर्सातनमेंआवे शीतलजलाशिरऊपरपावे वस्त्राभिगोयसोइतनलाय चिरपाकचीजवाचरवीखाय इनकररुधिरदोषवलपावे विगडेरुधिरकुष्टप्रघटावे मूत्रपुरीषवमनजो-होई अथवावीरजरोकेकोई माषअधिकवामूलीखावे विनागलेदुधचावलभावे अथवाअतितिल सेवनहोई मैथुनप्रातकरेनरकोई सायंकालसयनमनलावे वर्षवीचनहिरुधिरछुडावे अथवादस्त-वमननाहोई वासीभोजनकरेजुकोई ऋतवसंतकौडाआतिखावे सीतकालतनअधिकतपावे षु-श्काभोजनकरेजोकोई गिल्लीपवनलगेतनसोई ऊपरतोंमिठेआईखावे मिठेआईखायवापवनल-गावे ताकररुधिरविगडकरसोई अथवावातपित्तकफहोई सोईरुधिरत्वचापरआवे भेदअठारांकु-ष्टकहावे कुष्टीसंगरहेजोकोई खांनपानकरकुष्टीहोई कुष्टीकेघरसंततिजांनो उत्पतहोएकुष्टपह-चांनो गरमीअधिककलेजेआवे विगडेतिलीदोषप्रघटावे वातिकभोजनकरेजोकोई विगडेरुधि-रदोषतवहोई पूर्वरूपकुष्टीकामांनो सकलजोडपरसोजपछांनो फटेअंगयक्ष्मफुनिहोई नेत्रश्वेत. पीलेहैसोई पाछेदेहसकलगलजावे झडझडपडेअंतदुखपावे कंठनासिकाजवनाहिआवे तवत-कयतनकरेहटजावे चारभेदकरकुष्टविचारो वातपित्तकफरुधिरनिहारो लक्षणप्रथमवातकाजांनो तूचापरदाणेकरडेमांनो कृष्णवर्णपीडाअतिहोई रूक्षदेहखुषकीकरसोई निदानमाधवीऐसागावे खा. जनाडपीडाप्रघटावे धूडारंगदेहकाजांनो ऐसालक्षणवातिकमांनो आगेकफकालक्षणहोई श्वेतरं. गजलनिकसतसोई गिल्लादेहचिकनहोजावे रुधिरस्थांनपरप्रघटादिखावे ठंडादेहखाजअतिहोई ग-रमीकीइछाकरसोई आगेपित्तजलक्षणमांनो संभ्रमाचित्तताहुकाजांनो सरदीकीइछामनहोई सोज-

अंगप्रघटावतसोई नाडीसकललालहोजावे पीडाजलनजोडप्रघटावे मोटेजोडताहुकेजांनो आ-
गेलक्षणरुधिरपछांनो खाजहोएफुनिलालीहोई सोजरुधिरनिकसेदुखसोई अमलीरहेनशाप्रघटावे मु-
खतेंरुधिरसुगंधीआवे पुशकीदेहवीचप्रगटाय दाणाकर्डागोलदिखाय लक्षणचारदोषकाजांनो काकपक्ष-
वतरंगपछांनो किटिभनामकरकहियेसोई चक्राकारपीडअतिहोई एककुष्टऐसाप्रघटावे वातजकाले-
अंगदिखावे रुधिरदोषकरलालीहोई पीलापित्तजमांनोसोई मयलाश्वेतरंगकफजांनो करनिश्चा
फुनिजतनपछांनो जवतकअंगझडेनाकोई कंठनासिकामेंनाहिहोई कृमीदोषहोवेनाहिजाको आगेयतन
लिखासुनताको नखउतारफुनिसीसधुलावे दातनकरासितवस्त्रलगावे तौफुनिवमनकरेनरसोई आगेवातज
औषधहोई अतरीफलचिरायताल्यावे सुंठीपादवहेडापावे छिलकानिंववृक्षकालीजै वांसापत्रभागसम
कीजें करेक्काथसीतलहोजावे मासेतींनवावचीपावे प्रतिदिनपांनकरेनरसोई कुष्टदूरतनसुंदरहोई वातिक-
कालादेहादिखावे ताहूकेहितजतनवनावे वीससेरतिलतेलमंगावे भलावेंआठसेरसंगपावे भलावेऊ-
परछिद्रकराय चाढअगनपरसोगडकाय भलावेतरकरऊपरआवे तेलशुद्धकरऔषधपावे जौखारसज्जी-
मंगवाय काचलूणविडलूणरलाय सौंचरलूणतांहिसंगपावे गंधकअमलसारमिलावे दारूहर्दलतासं-
गहोई काष्टताडवृक्षकासोई हीराकसीसदक्षनील्यावे रतकलालसोरासंगपावे तोलेतींनतींनस-
मलीजें हरतालजर्दछेतोलेदीजें हरताललालडिडतोलापावे सकलऔषधीदर्दकरावे कंवीलाचोक.
कुठमंगवाय अमलतासहलदीसंगपाय हीराकसीसआनिएसोई रोइनवूटीतासंगहोई तोलेपांचपां-
चसमलीजें आगेडौरऔषधीदीजें छिलकाहर्डफडकडील्यावे आमलेकाफुनिछिलकापावे
दसदसतोलेतोलामिलाय तीनसेरमघवावचीपाय चित्रकाछिलकामंगवावे एकसेरसोंसंगरलावे
आधसेररालसंगपाय जमालगोटानौमासेल्याय करइकत्रसभदर्दकराय सोलांमणपाणीमेपाय
चाढअगनपरसोगडकावे दोमणनीरशेषरहजावे भलवितेलताहुमेपाय चाढअगनपरक्काथजलाय
शुद्धतेलजवहीरहजावे देषवलावलरोगीखावे दसमासेवाचौंदांखाय रहेपथ्यपरकुष्टहटाय
वतांऊंतेलतिलोंकाखावे चुलाईसागकणकमनभावे कुष्टदूरसुंदरतनहोई वलवीरजवृद्धीकरसोई
वातिककुष्टकफीकाजांनो जाहितैलकरदूरपछांनो आगेजतनपित्तकाहोई पुरानतनिंवकाष्टलेसोई
नीरपायकरसोगडकावे कटोराअर्धप्रमांनवनावे फुनिगिलोईजोऐसीहोई पलासवृक्षकेऊपरजोई
सोमासेइक्कीसमंगावे रगडनीरसंगवीचरलावे उनुंजादिनतकपीवेकोई पित्तजकुष्टनासतवहोई
रहेपालपरपथ्यकरावे निश्चेपित्तजकुष्टहटावे औरसंतमतऔषधहोई आगेलिखीकुष्टहरसोई निंमवृक्षके-
फलमंगवावे जोपक्केपलिहोजावे इक्कीसेरसोइमंगवाय अर्धभागभांडेमेपाय नीरपायमुखवंदकरावे
दिनइक्कीतकताहिरखावे अर्धभागनिंवफलजोई चूरणकरसेवेनरसोई एकतलीभरप्रतिदिनखावे एकसे-
रजलसोईपिलावे दिनइक्कीतकसेवनकारिए कुष्टदोषताहीछिनहारिए द्वदजकुष्टजाहुकोहोई आगे-
यतनालिखासुनसोई वावचीभागदोईमंगवावे सिकडनिंमभागत्रैपावे पीसछानचूरनकरलीजें एकतली
भरसेवनकीजें सीतलजलसोंसेवनभावे छेईमासतकप्रातिदिनखावे खारीथिंदामिठाजोई दूधआदसे-
वेनहिसोई मुंगीपथ्यानिताप्रातिखावे रहेपालपरकुष्टहटावे रुधिरकुष्टजाकेतनहोई आगेऔषधसुनि-
एसोई मैनफलमासेसातमंगावे मासेतींनलूणसंगपावे तप्तनीरसंगचूरनखाय वारवारविधिवमनकराय
चावलघुशकेताहिखुलावे सीतलजलऊपरमनभावे दिवससातलगऐसाकीजें तौफुनिसेवनऔषधदीजें

मासेसातत्रिवीमंगवावे थोरदूधमेंपीसरलावे छायावीचसुकावेकोई खावेतत्तनीरसंगसोई जाविधदस्त-खूपश्राजावे दिवससातलगऐसाभावे तौफुनिरुधिरछुडावेसोई दोनोभुजापैरदौहोई तौफुनिमस्तकरु-धिरछुडाय पांचोनाडीरुधिरकढाय जादिनझडवर्षानाहोई तादिनरुधिरछुडावेसोई मुंगीभातानिताप्र-तिखावे विनालूणपरहेजकरावे वाहेडमकेवीजमंगाय चावलसोंखिचडीकरखाय सिकडखैरनिंवका-ल्यावे रोहीवूटीसंगरलावे वासादारुहर्दलल्याय किरायताहर्डगिलोईपाय आमलेहलदीसंगरलावे चंदनलालवावचीपावे मरुआत्रमलतासमिलाय कटुखर्वूजेकीजढपाय जढजमालगोटेकीआंनो वाविडंगछडगुडीठांनो धमाहपडोलपत्रमंगवावे वादवदायरःमघांमिलावे मर्चत्रायमा-नसगपाय भागवरावरदर्डकराय तोलाडूडनिताप्रतिपावे चारसेरजलकाथचढावे अधसेरकाथजवहोई पीवेकुष्टरोगहरसोई.

॥ रोगफुलवहरीकुष्ट ॥

॥ चौपई ॥ फुलवहरीकुष्टहोतहैजाको वरइानाममतफारसताको कफकाको-पतुचामेजांनो श्वेतरंगकेचक्रपछांनो गरडजालकाघरज्योंहोई गिर्दरुपैएवतहैसोई कसी-सगुजरातीकालील्यावे तोलाडूडतोलमंगवावे गुजरातीलौंगसोंतोलेचार कालेतिलाडिडसे-रविचार करइकत्रपीसेनरकोई सेरएककीगोलीहोई गोलीवांधअठाराल्यावे वाकीऔषधजुदा-रखावे गोलीएकनिताप्रतिदेवे सेरदूधनितगोकासेवे कच्चादूधपानकरसोई अथवादूधभेड-काहोई वैठेनित्यधूपमेजाय देषवलावलधूपलगाय भोजनखिचडीमुंगखुलावे सठीचावलमोठसु-खावे रोटीकणकनिमकविनखाय फुलवहरीजहांतहांपकजाय तातेंजलपीलानिकसावे ठारांदिनत-कऔषधखावे शेषऔषधीलीजोसोई तामेऔरऔषधीहोई पारातोलेतींनमंगावे गंधकतोलेतींन-रलावे सोधितपारागंधकहोई दूधवीचकजलीकरसोई करइकत्रफुनिखर्लकरावे कृष्णवर्णकेऊपरआवे पूरवऔषधवीचरलाय मधूमेलदसमासेखाय जेकरपित्तअधिकलखपावे तातेमिसरीमेलखुलावे पुरा-तनसोफुलवहरीजाय तीनमासतकसेवनभाय पाचकनिंवलहोवेजवहीं रुधिरपाकसोविगडेतवहीं स-रदीतरीताहुमेहोई ऋतूवतलेसदारकफसोई गाढाचिकनाकफप्रघटावे ताकरतुचाश्वेतहोजावे अजा-मूत्रवागूत्रमंगावे वीचवावचीसिडरखावे आठपहरतकराखेकोई उबलेवीचगूत्रकेसोई तौफुनीछि-लकाजुदाकरावे गिरीवीचछायाकेपावे पांचोअंगनिंवकेल्याय गिरीवरावरपीससुकाय करइकत्रछे-मासेखावे प्रतिदिनश्वेतकुष्टहटजावे वावचीसर्वतसेवनकारिए श्वेतकुष्टताहीछिनहरिए वावचीसेर-एकमंगवाय पुरातननिंवकाष्टसंगपाय गूलरकाष्टसेरइकलीजें त्रिफलामेंदीतासंगदीजें नौनौटांक-तोलकरपाय नीरपायकरकाथचढाय काचपात्रमेराखेसोई दिनचालीतकसेवनहोई मर्दनऊपरदाघ-करावे श्वेतकुष्टनिश्चेहटजावे वनउपलेसंगरगडेकोई मर्दनकरेसीघ्रसुखहोई सांखिआसज्जीखारमंगावे रगडदाघपरलेपचढावे जेकरयक्ष्मतहांपडजाय तौकिक्करकाछिलकाल्याय करेकाथधोवेनरसोई य-क्ष्मदूरसुंदरतनहोई अथवादाघताहुपरलावे श्वेतकुष्टनिश्चेहटजावे ताजाअंवतोडिएजवहीं निकसे-रसलेपनकरतवहीं अंवरसालेलेपकरावे औरयतनविनकुष्टहटावे

॥ रोगवगलगंध ॥

॥ चौपई ॥ वगलगंधहोजावेजाको फारसगंदवगलकहुताको प्रथमऔषधीरेचकभावे सरेरोरगकारुधिरछुडावे दोइभुजातिरुधिरछुडाय पिंनीऊपरपछकराय सुरमामुरदासंगमंगावे कपूरभागसमपीसरलावे मर्दनछाछसंगाहितहोई वगलगंधनासैकरसोई पुरातनचूनापीसमंगावे सुपेदीकुकडांडकीपावे दोईमेलमर्दनहितहोई वगलगंधकरनासेसोई हाथपैरपरपरसाआवे मर्दनकरपसीहटजावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांकुष्टरोगाधिकारकथनंनामपंचत्रिंशोऽधिकारः ३५

॥ अथविसर्पिरोगानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंविसर्पिनिदानकोंकारणआदिसुनाय तिंहकारणतैंप्रगटहोइलषियेमनचितलाय ॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ अमलपित्तदुखउपजैजवै तामोछर्दंजुप्रगटैतवै रौकैछर्दंतवैजनकोय तातैंरोगविसर्पीहोय तीक्षणरूक्षविदाहीक्षार खावैभोजनभोजनधार अरुवहुलवणअमलकटुषावै उष्णवहुषायाविसर्पीथावै काहिवातादिकत्रैदोष करैंविसर्पीधरिवडरोष वातपित्तकफकोपजुधारत जलरुधिरमांसत्वकदेतवगाडत तातेंहोतविसर्पीरोग जानलीजियेसभतुमलोग सर्वदेहमोंफैलैसोय यातेंनामविसर्पीहोय सोऊविसर्पीसातप्रकार ताकोविवरोकरोंउचार वातपित्तकफतींनसुजान-सन्निपाततैंचौथामान इंदजतीनतासकोकहै सातनकोविवरोयहलहै ॥

॥ अथविसरपीरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोविसरपीरोगकोवंगसेनकेभाय सोसुनचितमोंधारियेरोगीकोंसुखदाय ॥ चौपई ॥ रोगविसरपीजिसलषपरै वमनविरेचनसोनरकरै रुध्रमोक्षभीकरैजुसोय यहहितकर-उपायतिसहोय लंघनलेपनरूक्षणजान अवरजुसेचनकीनप्रमान ॥

॥ अथवमनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ पटोलमयनफलइंद्रयवनिंव मघांमिलायवमनइन्हसंग वमनविधीपाछेजोकही विसर्पिरोगमोंजांनोसही

॥ अथरेचनाविधि ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलेकेरसत्रिवीमिलावै घृतामिलायकरताहिपुलावै रेचकरावैयाहिप्रकार विसर्पि-रोगपरयहहितकार रुध्रजलौकादनकेसंग मोक्षणकरैहोयरुजभंग ॥

॥ अथवातादिभेदनिरूपणम्

॥ चौपई ॥ वातपित्ततेंजोयहलहिये अग्नीनामतासकोकहिये वातअवरकफतैंजोमानो नामजुग्रंथीतासवषानो जोकफपित्तहुतेंप्रगटावै कर्दमनामतासकोगावै ॥

॥ अथकेवलवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ स्फोटस्फुरनअंगअरुभेद सूचीवेधइवप्रगटैषेद वातजज्वरसमानदुखहोय रोमहर्ष-वातजलषसोय ॥

॥ अथवातजविसर्पीउपायलेपन ॥

॥ चौपई ॥ रासनाउत्पलपायमुलठ चंदनदालहलदजुइकठ वलावेरसमलेपीसाय पयघृत-संगसुलेपलगाय होयविसरपीवातजनाश इहप्रकाररुजहोतविनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गूत्रअवरगोवररसआन दुग्धपंचमूलसमठान करैउष्णपुनलेपलगावै रोगविसरपीवातजजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुठशतावरिअरुसुरदार मुत्थरशूरणधनियांडार उष्णगणलैकृष्णगंधाजोय घृतसोंलेपैहितकरसोय अरुयहाहितकरसेकमंझार यहनिजमनमोंनिश्चैधार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ द्राक्ष्यकाश्मरीअम्मलतास एरंडत्रिफलापीलूप्रकाश त्रिवीहरडपुनयहसभजान विसरपीशोधनमोंहितमान

॥ अथरक्तजविसर्पीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रक्तमोक्षभीअहैउपाय पुनलेपनभीकहोंसुनाय लेपवटरुंवलअश्वत्थपलक्ष बैंतलसूडाजानप्रतक्ष मंजिष्ठाअरुचंदनदोय मधुजष्टीउशीरलषसोय गेरीघृतशतधौतमंझार यहसमलेपनकरैविचार रक्तविसर्पीकोहोइनास दाहपाकपीडासभनाश आवशोथपुनदूरनिवारै एतेगुणयहलेपनधारै

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शीघ्रसमस्तदेहमोंधावै लालरंगतनकोप्रगटावै पित्तज्वरकेसभचिन्हलषांहि पित्तजलक्षणइहविधिगांहि ॥

॥ अथपित्तजविसरपीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सरींहमुलठीचंदनएला नतमांसीवासाकरमेला दोनोंहलदीकुठरलाय यहदशांगघृतसहितलिपाय पित्तविसर्पीकुष्ठनिवारै शोथरोगदूरकरडारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पुंडरीकमंजीठमंगावै पद्मकाष्टइंदीवरपावै चंदनअवरमुलठउशीर समसदुग्धलेपैमातिधीर पित्तविसरपीहोवैनाश शास्त्रवचनसत्यलखतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कसेरूकमलसिंगाडेमुत्थर अरुसिवाललेउतपलसमकर जलसोंपीसघृतलेपसोकरै पित्तविसरपीकोदुखहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चंदनलोध्रउशीरजुभेह उत्पलकमलसारवाएह हरडआंवलेसमलेपाय पित्तविसरपीतातेंजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वटकीजटामुथूअरुभेह कदलीगर्भआनसमएह घृतशतधौताहिंपीसलिपाय तौभीपित्तविसरपीजाय.

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफजविसर्पीहोवेजबे षुरकसनिग्धदेहहोइतबे कफजविसर्पीइहविधिकहिये कफज्वरन्याईंजुलक्षणलहिये.

॥ अथकफजविसरपीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफजविसरपीजातनहोय वमनविरेचनाहिंतकरसोय अरुकफहरहैंऔषदजेती कफजहिसभीश्रेष्ठलषतेती.

॥ अथवमनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ मुलठनिंवमयनफलसंग अरुसइंद्रयववमनरुजभंग ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ षदरसप्तपरणीअरुमुत्थर वासाअमलतासस्योनाकधर यहलेपनकीजैसविधान कफजविसरपदुिखकोहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ असगंधसरलकासमर्दअजशृंगी हरडसगूत्रहिंपीसोचंगी इहप्रकारजोलेपनकरै कफजविसरपीरुजसोहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सरींहपुष्पजुलसूडेछाल कृतमालपत्रकाकजंघाडाल असगंधप्रयंगूयहसमलीजै पीसउष्णकरलेपनकीजै कफजविसरपीकोहोइनाश निश्चयकीजेंमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अमलतासकेपत्रमंगावै त्वचालसूडेकीजुमिलावै सरींहपुष्पसमलेपनकीजे तातेंकफजविसरपीछीजे ॥ अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ मुत्थरलीजैनिंवपटोल क्वाथसुकीजैलेसमतोल पीवैकफजविसरपीजाय वंगसेनमतकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरनिंवगिलोयपटोल यहजोक्वा-

थकरैसमतोल कफजविसरपीहरयहकाथ निश्चययहसमझोमनगाथ ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलाषदरसारयहआन अमलतासपुनसभसमठान याकोविधिसोंकीजैकाथ पांजैगुगुलपादहिंसाथ कफजविसरपीकुष्टनसावै याकोगुणऐसेंलषपावै.

॥ अथसन्निपातविसर्पीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसभलक्षण इकठेजामोंलषैंविचक्षण त्रिदोषजसोऊविसर्पीजान द्वंदजलक्षणकरोंवषान

॥ अथद्वंदजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अथअग्निलक्षणं ॥ वातपित्तकरमिलतजुजोय मूर्च्छात्रिषाछर्दज्वरहोय अस्थिभेदआमअतिसार दग्धअंगहोंइजनुअंग्यार अवरअरोचिकतमहोयजास रक्तनीलविस्फोटप्रकास शीघ्रउठैंहोयशीघ्रजुनष्ट विस्फोटविधीइहजानसपष्ट जहंजंहअंगाविसर्पीधावै विस्फोटअग्निदग्धदरशावै यादुखकरपृथिवीपरलोटै देहपसारेछिनमोंघोटै हृदयहुतेंजोउत्थितजान वातहोयतिसकोवलवान अंगपीडवहुकरहेजोय संज्ञानिद्रानासेसोय ऐसेलक्षणउरमोधार अग्निविसर्पिकियोउचार ॥ अथग्रंथीलक्षणं ॥ वातअवरकफमिलकरदोय वारक्तवृद्धकोंरोकेसोय त्वकरक्तमांसशिरास्नायूजान तिनकोदूषितकरैसुमान दीर्घह्श्ववृत्तस्वरजोय उपजावैजुविसर्पीसोय रक्तग्रंथमालातनहोवत ज्वरअरुश्वासकासभ्रमजोवत मुखशोषैमूर्छाअतिसार हिक्कावमनअंगभंगविकार यहकफवातकोपतेंजान भाषसुनायोग्रंथनिदान ॥ अथकर्दमलक्षणं ॥ जोकफपित्तहुतैंप्रगटावै ज्वरनिद्राशिरपीडाथावै भ्रममूर्छावकवादकरैसो मंदअग्निजुअरुचउपजैतौ त्रिषाअस्थिपीडाउपजात देहगलतनाडोंप्रगटात इंद्रयगौरवसोजाथावै फटाकपीतसितअरुणालषावैं मुरदावतआवैतनवास ईंहविधिलक्षणाकरैप्रकाश आमाशयतेंउत्थितजान विसर्पीकर्दमकनिवखान होयविसर्पिशस्त्रपरिहार सर्पादिविषनतैंभीसंचार ॥ अथक्षतजविसर्पिलक्षनं ॥ क्षततेंकुपितहोतजववात रक्तपित्तकोंदेतउठात सोरक्तपित्तविसर्पीकरै कुलथन्यायविस्फोटसुधरै पीडासोजज्वरदाहजोहोय रुधिरस्यांमजिसप्रगटितजोय देहगलैवहुरुध्रप्रवाह अहैविसर्पीरोगअथाह.

॥ अथविसर्पीउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरजुअरुचगलजावैमास छर्दअवरअतिसारप्रकाश त्रिषाहोएक्रमस्फोटविपाक विसर्पिउपद्रवजहसुनवाक

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफजोयहतीन भिन्नभिन्नइन्हतैंप्रगटीन सोऊविसर्पीसाध्यकहावैं त्रिदोपजसोअसाध्यलपपावै क्षतजविषजभीअहैंअसाध्य लषोविसर्पीमहाउपाध्य जांकोतनसुरमेकीन्याइं होयअसाध्यलषोतिसताईं अग्निविसर्पीअहेअसाध्य ग्रंथीकर्दमकष्टसुसाध्य ॥ दोहा ॥ रोगविसर्पीभाष्योताकोसकलप्रकार समुझपछानैचतुरनरताकोंवैद्यविचार इतिविसर्पीरोगनिदानसमाप्तम्

॥ अथसामान्यविसर्पीचिकित्सा ॥

॥ अथक्राथ ॥ चौपै ॥ किरायतावालाकौडपटोल त्रिफलाचंदननिंवसमतोल क्राथपिलायविसरपीजाय दाहशोथविस्फोटमिटाय त्रिषावमनज्वरकंडूचूर एतेरोगहेंहिसभदूर ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलदा-लहलदजुमुलठ निंवकौडत्रायमानइकठ यहसमलेयक्राथकरपीजै रोगविसरपीयातेंछीजै ॥ अन्यभेद ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिदोषजद्वंदजजातनहोय त्रिदोषजक्रुयाकरैसुनसोय कफयुतरक्तपित्तहोइजास त्रिफलेको-सोकरैअभ्यास ॥ क्राथ ॥ चौपई ॥ जवांहांपित्तपापडाआन कौडपटोलक्राथसमठान पीवैनाशवि सरपीहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अथवासाद्यंघृतं वासाषैरनिंवत्वक्पत्रपटोल गिलोयहरडधात्रीसमतोल क्राथकरैघृतपायपकावै खविरोगविसर्पीजावै रक्तमदगुल्मकुष्टहोयनास वंग सेनमतकीनप्रकास ॥ अथगौरवादिघृत ॥ चौपई ॥ दोनोरजनीमूर्वापाय दोइचंदनशालीपार्णीमिलाय-मधुपरणीसारवाष्टजुमुलठी केसरपद्मउशीरइकठी उत्पलमेदाअरात्रिफलाय वटादिपंचतरुवलकलपाय अक्षअक्षइन्हकोपरिमान प्रस्थएकघृततिन्हमोंठान ताहिपकावैषावैतास देहमलेजुविसरपीनाश विष-विस्फोटनाशव्रणहोय कीटलूततनरहैनसोय ॥ अथकरंजादितैल ॥ चौपई ॥ करंजूसप्तपर्णकौआन लांगालिचित्राभंगराठान थोहरदुग्धअर्कपयपाय रजनीयहसमलेपीसाय गूत्रतैलसोपायपकावै देहलगा-यविसर्पीजावै विस्फोटअवरविर्चचिकानाश वंगसेनमतकीनप्रकाश जोघृतकुष्टजुव्रणमोंकहै यामो-सोभीहितकरलहै ॥ दोहा ॥ विसर्पिचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार याहिसमुझवरतेतऊरहैनदेहवि कार ॥ इतिविसरपीरोगचिकित्सासमाप्तं ॥

॥ अथविसरपीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगविसरपीकेकहोंपथ्यापथ्यअधिकार जैसेवैद्यकशास्त्रमोंकीनेभलेंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै मोक्षणरक्तजुलेपनलंघन वमनअवरजानोपुनरेचन यवअरुकनकपुरातनमानो कंगुणीसठीमुंगपछानो मसुरचनकवनमृगपक्षिमास द्राक्षअनारपथ्यलषतास धात्रीफलजानोनवनीत करेलेघृतलषलेवोमीत वैंतअग्रदलषदरपछान गजकेसरपुनलाक्षप्रमान सरींहवीजकरपूरभनीजै चंदनलेपनपथ्यकहीजै ॥ दोहा पथ्यविसरपीकेकहैलपहोवुद्धिउदार अवअपथ्ययाकेकहोंसोसभकरोंउचार ॥ अथअपथ्यम् ॥ चौपई ॥ अग्नितापव्यायामलषीजै वहुतशयनसंभोगभनीजै क्रोधशोकअरुमाषकुलत्थ अन्नपानगुरुजानअपथ्य वमनवेगरोकनजुकहैये सकलमांसपुनलसनलहैये वनमृगपक्षीविनाजुमास सोसभमांसअपथल-षतास तिलअरुमद्यखेदपुनजान दाहकअरुकटुवस्तुपछान अवरसलूणाजलजोअहै एतेतासअ-पथलषकहै ॥ दोहा ॥ रोगविसरपीकेकहैपथ्यअपथ्यविचार पथ्यगहेत्यागेअपथतनहोइवि-नाविकारः ॥ इतिविसरपीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारः ॥ दोहा ॥ रोगविसरपीवरन्योप्रथमहि कह्योनिदान पुनहिंचिकित्सावरनकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिविसरपीरोगसमाप्तम्

॥ अथविसार्पेरोगकर्मविपाक ॥

चौपै जेउसुगंधीद्रव्यचुरावै ताहिविसर्पीतनप्रगटावै उपाय रूपेकोइकपटबनवावै रूपसहितातिंहकमल-लिखावैं चारोउरगंधर्वलिखाइ विधिवतपूजैप्रीतलगाइ हवनकरैमंत्रनअनुसार पटपरकस्तूरीकुंकुमडार करसंकल्पविप्रकोंदेय देहविसर्पीरोगनलेय ॥ दोहा ॥ दोषाविसर्पीकहदियोकारणसहितउपाय पांडुरोगअबकहितहोसोसुनलेचितलाय ॥ इति ॥

॥ अथज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ सूर्यजोहोवैमीनमेंमंगलदृष्टीतिहसार रोगविसर्पहोइताहिकोनिश्चैजीयविचार सूर्यमंगल दुहिनकोंविधिसोंप्रीतमनाय सर्वरोगसंतापतजरोगविसर्पीजाय ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांविसर्पीरोगाऽधिकारकथनंनामषट्त्रिंशोऽधिकारः ३६

॥ अथपांडुरोगनिदानलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पांडुनिदानवषानहोंसोहैपांचप्रकार वैद्यकग्रंथनिदानमोंजोकीनोउद्धार ॥ चौपई ॥ वातपित्तकफतेंपहिचांनो अरुत्रिदोषतैंहोवतमानो मृत्यकाभक्षणतेंभीहोय पांचप्रकारपांडुहोइसोय अतिमैथुनकरनेतेंजान अतिहीअमलभक्षणतेंमान मद्यपानतेंहोवतलह्यो अतिहीअमलभक्षणतैंकह्यो धूपतापगरमीअतिधावै तीक्षणवस्तुखायहोइआवै अतिहीदिनकोंसोवैजोई जाकोंभीयहप्रगटतहोइ वातपित्तकफयहजोतीन त्वचहिंप्राप्तहोवैंपरवीन सोऊपांडुरोगउपजावत पूर्वरूपतिन्हकेयोंगावत ॥

॥ अथपांडुरोगपूर्वरूपलक्षणं ॥

चौपै तुचाफटैअंगपीडाहोइ मृतिकाभक्ष्यणइछाजोइ नेत्रोपरकछुसूजनहोवै मलमूत्ररंगपीलातिसजोवै अन्नपचैनाहीमनहरै लौकिकपांडुरूपतिसधरै थुकथुकीबहूरहेनितजास पूर्वरूपतिसाकियोप्रकास ॥

॥ अथवातकृतपांडुस्वरूपं ॥

॥ चौपई ॥ त्वचामूत्रनेत्रकृष्णाअरुलाल भ्रमअरुशूलशोथहोइनाल रूषादेहअफाराहोय पांडुवातकृतलक्षणसोय ॥

॥ अथवातकृतचिकित्सा ॥

चौपई त्रिकुटाचूर्णकरैसुवनाय विजोरेरससंयुक्तपिलाय वातअवरकफकामलानाशै तनकोदुतिअतिसुंदरभासै

॥ अथपित्तकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रनेत्रहोंइपीत त्रिषादाहज्वरजानोमीत विष्टाभन्नपीततनभासै ऐसेलक्षणतासप्रकाशै यहपितकृतकेलक्षणकहै ज्योंनिदानग्रंथतेंलहै ॥

॥ अथपित्तजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लोहचूर्णआमलेपिसावै हलदीत्रिकुटासमलषपावै मधुघृतपंउमेलतिसचाटै पित्तजपांडुरोगयहकाटै

॥ अथकफकृतपांडुस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ सोजानिद्राआलसजान गुरुतामूत्रविष्टासितमान मुखतेंलालाचलेसुहेत त्वक्मुखनेत्ररंगजोश्वेत ऐसेलक्षणजासकेहोय कफकृतपांडूजानोसोय ॥

॥ अथकफकृतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफकराजिसेपांडुरुजहोय क्काथयहीकरपीवैसोय लेदशमूलसुंठजुमिलाय करैक्काथपीवैसुखपाय पांडुशोथज्वरग्रहणीजावै श्वासअरुचअतिसारमिटावै हृदयकंठरोगकोंनाशै रोगजांहितनदुतिपरकाशै ॥ इतिकफचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषकृतपांडुस्वरूपम् ॥

चौपै ॥ सर्वअन्नजोसेवनकरै त्रिदोषकोपताकोअनुसरै त्रिदोषजपांडूतातेंहोय जानालीजियेतुमसभसोय ज्वरत्रिष्णाअरुछर्दलषावै तनश्रमअरुचहछासादिषावै असरोगीजवहोवैक्षीन सभइंद्रीहोइजावैंछीनजवहींअसरोगीलषपावै वैद्यचिकित्सातजउठजावै ॥

॥ अथमृत्यकाभक्षणकृतपांडुस्वरूपं ॥

॥ चौपई ॥ मृत्यकाभक्षणजासस्वभाउ वातादिकदोषकोपतिसताउ कसैलीमृतकाजोजनषावै वातदोषताकोंहोइआवै पित्तकाहलीमृतकाकरै माटीमधुरकोपकफधरै जोमृतकाभोजनअनुसरै रूषा-भोजनवातसुकरै नाडीपूरणकरैनिरोध अन्नपाकमेंधरैबिरोध रसधातूरूक्षकरैनितजोय निजमननिश्चय जानोसोय प्रथमहिंइंद्रियवलकोनाशै वीर्यतेजकोंवहुतविनाशै पाछैंपांडुरोगउपजावै वर्णअग्निनाशहो इजावै भ्रूअरुनेत्रकोणनंझार पादनाभिलिंगनितधार इन्हअस्थानोसोजापरै अैसोदोषपांडुरुजकरै कृमककफरुअसाहितावेिराऊ निकसावतहैपांडुरुजाऊ

॥ अथमृदभक्षणचिकित्सा ॥

॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाबिल्वरजनीलेदोय त्रिफलामुथरैताहिसमोय दोइपुनर्नवा-पाठापाय लोहचूर्णसुरदारुमिलाय वृश्चिकालीअरुवायविडंगि पुनताहूमोंपायाभिडंगि प्रस्थपायघृतक-रैमिलान आढकएकदुग्धतंहठान अक्षअक्षऔषदसभजानो घृतपकायषावेहितमानो मृतकाभक्षणपां-डुविकार नाशहेंहिमननिश्चाधार ॥ इतिमृदभक्षणाचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पांडुरोगचिरकालीजवै रूषीदेहलषैनिजतवैं अरुसभवस्तुपीतदरसावैं मनमोंसदामि-लानरहावैं थोहडीवहुतोजोविष्टाउ कफयुतस्वेतरंगप्रगटाऊ मूर्छाछर्दत्रिषाहोईआवें दांतनेत्रनषपीत-लषावैं शोथप्रगटहोइगुदामंझार पांडुअसाध्यरूपानिरधार ऐसोरोगीलषहैजवै वैद्यत्यागजावैतिसतवै ज्वरअतिसारजासमेंहोय वैद्यत्यागजावेतिससोय जंघवाहुशिरशोथसुपरै मध्यदेहनिर्वलताधरै ऐसेलक्षणजिसतनदेषे वैद्यत्यागजावैइसलेषे पांडुमांहिकामलापुनहोय कछुकभेदतामोलषसोय ॥ दोहा ॥ पांडुनिदानवर्णननकियोवैद्यककेअनुसार अववरनतहोंकामलालषहोवुद्धिउदार ॥ इतिपांडु-रोगनिदानलक्षणसमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पांडुचिकित्साकोंकहों देषसुग्रंथविचार चतुरवैद्यहसमुझकेपुनकरहैउपचार.

॥ अथसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजपांडुजासतनहोय स्निग्धक्रियाजुकरैनितसोय तीक्षणसीतलपित्तमोंजान कटू-उष्णकफकीनप्रमान मिश्रितरोगजानिनरजवही क्रियाजुमिश्रितकरहेतबही हरडचूर्णघृतमधुजुमिलाय सेवतरहैपांडुरुजजाय ॥ अन्यच ॥ रजनीपायपकवृतपावै सेवैसदापांडुरुजजावै ॥ अथचूर्णप्रकार ॥ ॥ चौपई ॥ लोहत्रिकुटातिलभागजुकोल स्वर्णमाषीचूर्णसमतोल मधुसैंमिलयथावलपावै ऊपरतक्रपी यहुखजावै पांडुरोगकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चित्रासैंधवमरचां-नागर अजमोदाजानोवुधसागर यहसमचूर्णसुपीसछनाय अमलतक्रसोंनितउठषाय पांडुअर्शकोनाशनए हु अपनेमनमाहींलषलेहु ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णदिनसातप्रमान षरलकरैगोमूत्रमिलान दुग्धहिंसाथयथावलपावै पांडुरोगतनतैंमिटजावै अन्यच ॥ चौपई ॥ मनूरपीसगोमूत्रजुसंग षरलकरै-

दिनसातश्रभंग गुडमिलायसुयथावलषावै पांडुरोगकोनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मनूरडली-बहुवारतपावै बहुपुठगायमूत्रदेवावै पुनपीसैमधुघृतजुमिलाय चाटैताहिपांडुमिटजाय ॥ अन्यच ॥-॥ चौपई डलीचीकनीमृतकालेय तपायगूत्रमोंपुठांदेय कौडनिंवकंडयारीश्रान इन्हकोरसकरगूत्रमिलान मृत्यकापीसपरलतिंहकरै पावैताहिपांडुरुजहरै.

॥ अथघृतप्रकारःमूर्वादिघृत ॥

॥ चौपई ॥ मूर्वातिक्तादोहलदामिलाय परपटचंदनमुत्थरलाय त्रायंतीयवासाजुपटोल किरायतामुस्थरलेसमतोल यहसभअक्षअक्षपरिमान प्रस्थएकघृतमोंलेठान चारप्रस्थपयपायपकावै वलअनुसारनित्यउठपावै पांडुसोथाविस्फोटकजाय अर्शरक्तपितज्वरनरहाय.

॥ अथकटुकादिघृत ॥

॥ चौपई ॥ कौडमुथहलदीसुरदार मघांपटोलइंद्रयवडार चंदनमूर्वात्रायेमान जवाहाभृंगीकटत्रिणठांन अक्षअक्षयहलेपीसावै प्रस्थएकघृतमोंसवपावै आढकदुग्धपायसिद्धकरै वलअनुसारपायदुःखहरै पांडुदाहज्वरशोथविनाशै अर्शप्रदरविस्फोटकनाशै.

॥ देवदारुघृत ॥

॥ चौपई देवदारुत्रिफलाजुभिर्डंगि लोहचूर्णदोइहलदविडंगि त्रिकुटाचित्रामघामिलाय लोध्रवृश्चिकालीसंगपाय अवरपुनर्नवालीजैदोय प्रमाणसहितमेलेतिहसोय पाठाअक्षअक्षपरिमान प्रस्थएकघृततामोंठान मूत्रचतुर्गुणपायपकावै पायपांडुसंग्रहणीजावै ॥ अथरजनीघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंरजनीकाथवनावै पुनरजनीघृतपायपकावै यहघृतपावैपांडुविनाशै देहरंगहोइदुतिपरकाशै ॥ अथत्रिफलाघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रसंगपाय माहिषघृतमोंपायपकाय प्रातहिंउठनितषावैजोय नाशपांडुरोगकोहोय ॥ अथदंतीघृत ॥ चौपई ॥ दंतीरसपलचारकढावै आंवगिटकपलचारपिसावै प्रस्थघृतपायपकायसुपाय हृदरुजपांडुगुल्मलिफजाय इतिघृतप्रकारः अथयोगराजः ॥ चौपई ॥ स्वर्णरौप्यमक्षीशिलाजितमनूर यहपलपांचपांचलेंहुचूर चित्रात्रिकुटात्रिफलाश्रान अरुविडंगयहपलपलठान मिसरीअष्टपलताहिमिलाय सभमिलायकरखरलकराय मधुसोंगुटकावांधेजास वलअनुसारसेवनिततास कपोतकाकमाचीजुकुलत्थ यहनाहिंपावैजानकुपथ्य नामयाहिकोंहैयोगराज अमृततुल्यकरैवहुकाज सभरुजहरैरसायणअहै वंगसेनयाकेगुनकहै पांडुकुष्टश्वासअरुकाश राजयक्ष्मज्वरविषकरनाश हिक्कामृगीअरुचकोंनाशै हृदयरोगकामलाविनाशै स्वर्णरजतजोप्रातिनहोय केवलोहचूर्णधरसोय अथशिवगुटका चौपई ॥ कोगडवीजात्रिफलासंगपाय निंवपटोलमुथसुंठमिलाय परितैयहत्रिगुणमिलावै पीसरलायपरलकरावै शिलाजितपुनहिंअष्टपलपाय पुनमिसरीपलअष्टमिलाय मघांवंशलोचनकर्कटश्रृंगी त्रिसुगंधकरेधात्रीफलसंगी कंटकारीफलमूलजुपाय वस्तूसभलेकूटपिसाय यहसमस्तइकइकपलजान मधुसोंगुटकेअक्षप्रमान प्रातनिहारगुटकाकरपान अनूपानताकरोंवपान रसअनारदुग्धपहिचानो मदराकांजीवालषमानो इन्हअनूपानतसोंजोषावै पांडुकुष्टज्वरलिफामिटावै अर्शकामलाशोथविनाशै गलग्रहगुल्मभगंदरनाशै कर्णदोषअरुवीरजदोष विषअरुउदररोगतैंमोष रुअरोगमुखरोगविनाशै रक्तपित्तइत्यादिकनाशै

॥ अथत्र्यूषणादिलोह ॥

॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाहलदीदोय फलनीलनीद्राक्षसंजोय मुस्थरइंद्रयवकौडमंजीठ चित्रागजपीपल-लषईंठ मूर्वाशतावरिवायविडंग दोइकंडयारिजवांहांसंग अवरजुदेवदारुतहदीजै भिलावेलेकरतास-मिलीजै विशालापृष्टपर्णिपहिचान शालपर्णीवीजसुहांजणेमान रहसनपाठाअवरकचूर स्वर्णमषीस भसमलेचूर अवरजुपावेयवकाक्षार वस्तूसभलेतामोडार सभतेंदुगुणलोहचूरणपावै गोमूत्रमोंपायपकावे यवप्रमाणगुटकाकरजास तंडुलजलसोंपीवैतास तिसतेंभागेपांडुरुजकैसें मल्लदंडतैंराक्षसजैसें अर्श प्रमेहकुष्टकृमनाशैं ग्रहणीशोथजुगुल्मविनाशैं लिफभगंदरश्वासअरुकास उदररोगसभकरैविनाश दोहा ॥ पांडुचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार आगेंवरनोकामलासुनहोपुरुषउदार इतिपांडुरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथकामलारोगनिदानलक्षणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पांडुरोगतैंउपजहैकहैंकामलातास अतसयपितकरवस्तुजोसेवैताहिप्रकाश ॥ चौपै ॥ पांडुमां-हिवहुपैतिकषावै मांसरक्तदग्धहोइजावै तवैकामलाउपजैरोग मनमोजानोसांचायोग तातैंभोजननांहिप चावै प्रघटकामलालक्षणगावै पीतवर्णपुखनेत्रनखजान पीतवर्णत्वकतासुमान रक्तपीतविटमूत्रजु तास भेकवर्णतनतासप्रकास निर्वलताअंगपीडाहोवै दाहअरुवभोजनकीजोवै बहुतापिचरक्ताश्रयजान कोष्ठकामलारहैंप्रमान इंद्रियासिथलजासकीहोय कामलालक्षणजांनोसोय

॥ अथकामलारोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोचिकित्साकामलासुनलोजैमनधार वैद्यचतुरसोइआपियेवरतेइहअनुसार ॥ चौपै ॥ जासदेहकामलालषावै प्रथमहिंरेचनताहिकरावै पाछेअवरचिकित्साठानै वंगसेनयाभांतवषानै अथरसः ॥ चौपै ॥ त्रिफलेकारसभलैंकढावै वागिलोयरसलेयछनावै अथवादालहलदरसलीजै मधु-मिलायकरप्रातहिंपीजै रोगकामलाहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथअंजन ॥ चौपै ॥ द्रोणपु-ष्पीकेरसकोंआन अंजनपावैप्रातसुजान रोगकामलातनतैंजावै होयआरोग्यमहासुखपावै ॥ अन्यच ॥ हरदलगेरीआमलेलीजै महीनपीसकरअंजनकीजै तातैंकामलारोगनसाय वैद्यग्रंथमतदियोवताय ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ ककोंडेजढकोंपीसमंगावै प्रातसांझनसवारदिवावै होयकामलातातैंनास रोग जायतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ रसफलजालनीघ्राणतैंपीजै नासकामलारोगकरीजै ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपै ॥ गेरिहिलदआमलेपावै तीनीकासमचूर्णवनावै प्रातसमयपावैतिसजोय रुजकामलानाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गिलोयपत्रचूरणकरलीजै तक्रसंगपीजैदुखछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ वचापत्रलोह चूर्णकरवाय तक्रसाथपीजिदुखजाय भातपथ्यछाछसोंपावै रोगकामलाभाग्योजावै ॥ अथअविलेह ॥ ॥ चौपै ॥ लोहचूर्णदोइहलदीपाय त्रिफलाकौडसमलेपीसाय मधुघृतसंयुतचाटैसोय नाशकामलाको-तवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ हरडचूर्णमधुगुडजुमिलाय चाटैरोगकामलाजाय ॥ अथदशांगलोह-॥ चौपै ॥ किरायतातिक्तमुथसुरदार गिलोयदालहलदपुनडार कौडपडोलजुआंहाआनो त्रिफलात्रि-कुटानिंवपछानो पित्तपापडाअवरविडंग यहसमचूर्णकरोइकसंग सभसमचूर्णत्रिलोहमिलावै स्वर्ण जतलोहालपपावै घृतमधुमेलसुगुटकाकीजै वलअनुसारतक्रसोंपीजै पांडुकामलाशोथप्रमेहु हलीम-कग्रहणीअर्शहरेहु श्वासकासरक्तपित्तजावै आमवातअर्धांगमिटावै हृदयरोगव्रणरोगमिटावत कफज-

रोगविद्रधीनसावत गुल्मअवररुजकुष्टविनाशै स्वेतकुष्ठकोंदूरनिकाशै ॥ अथहरिद्रादिघृत ॥ चौपै ॥ हरिद्रात्रिफलावलाजुआन निंबलेहुसमचूरणठान मुलठघृतदुग्धमिलायपकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै रोगकामलाहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथगडूचीघृत ॥ चौपै ॥ गुडचीरसजुगुडूचीचूरण माहिषघृतमेंकीजिपूरण दुग्धचतुर्गुणपायपकावै नितषावैकामलामिटावै अथहरिद्रादिचूर्ण चौपै ॥ दोइहलदित्रिफलासंगलीजै लोहचूर्णकौडसमकीजैं घृतमधुमेलचूर्णयहषावै रोगकामलादूरकरावै

॥ अथअन्यचकामलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुक्तवातजोजवै वाहिरपित्तनिकालेतवै तिसकोमूत्रपीतहोइजावै विष्ठादांतस्वेतरंगथावै कवजअवरतनगुरुताहोय ज्वरअरुश्वासअफाराजोय अमलरूक्षकटुवस्तूतास हितकरताकोंकीनप्रकाश तीतरमोरमांसरसजान दशमूलकुलत्थरसहितकरमान ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साकामलावंगसेनअनुसार कुंभकामलावरनहोसुनलीजैचितधार इतिकामलारोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ कुंभकामलालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ वहुतकालकरतनजुकठोर कुंभकामलातवहोएघोर ताहिअसाध्यकामलाजानो विष्ठामूत्ररयाहप्रगटानो अथवापीतवरणहोइजावै लोचनमुखवालालदिषावै दाहअरुचत्रिष्णाप्रगटावै कामक्रोधवेगहोइआवै अग्निसकलउरनाशैजवही कामलानाशैनरकोंतवही अरुजवश्वासकासप्रगटावै विष्ठापतलीपीतलषावै कुंभकामलेवालाजेऊ तवहीनष्टहोतहैतेऊ

॥ अथकुंभकामलाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जेऊचिकिकामलाकही कुंभकामलाकीसोसही अथशिलाजितचूर्ण चौपई ॥ शिलाजितकोचूरणवनवावै मूत्रधेनुसोंतासपिवावै कुंभकामलाहोवैनाश वैद्यकग्रंथनकियोप्रकाश ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ पुरातनडलीमनूरमगावै अष्टवारिसोतप्तकरावै करकरतप्तगोमूत्रहिंपाय चूरणकरमधुसंधामिलाय वलअनुसारताहिनितषावै कुंभकामलानाशकरावै इतिकुंभकामलाचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथकामलारोगकर्मविपाकमाह ॥

अथकामलारोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनभातचुरावैजाईं तिसेकामलारुजप्रगटाईं ताकोकहोंउपायसुनाय जैसेंकर्मविपाकजनाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ रूपेकोइकगरुडवनावै स्वर्णपक्षताकेवनवावै चुनिघेंकिदोनेघ्रलगाय भातशाकतिसनिकटरषाय स्वेतवस्त्रऊपरओढावै गरुडमंत्रसोंहवनकरावै विधिसोंकलशउपरांतहजजै विश्नुआवाहनकरजजभजै कुंभजलहिमांजनजुकरेय करसंकल्पद्विप्रकोंदेय रोगकामलाहोवैनाश स्वस्तिहोयतनदुतिपरकाश ॥ दोहा ॥ दोषकामलारोगकोकारणकह्योउपाय पांडुरोगकेदोषकोंभाषोंसभाहिंसुनाय ॥ ॥ इतिकामला-

॥ अथकामलारोगज्योतिष ॥

दोहा चंद्रशुक्रजुगएकठेहोनकिसीघरमाहि औरअधिकातिनग्रहोंपरशुक्रदशाभीआहि अधिकव्याधितिहनरकरैनानारोगविकार तवप्राणीकोअवश्यकरकामलरोगअपार चंद्रशुक्रपूजनकरैनिश्चैमनमोधार सर्वव्याधिसंकटहरैकरेजुयेहिविचार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथहलीमकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अवरहलीमकपांडुमंझार प्रगटतहैसोकरोंउचार जवैपांडुरोगीकोअंग हरतश्याम पीतहोइरंग वलउत्साहरहितहोइजावै तंद्रानिद्रावहुप्रगटावै मंदमंदज्वरहोवैजास इस्त्रीसंगकीइछानाश अंगसमस्तटूटणेलागैं त्रिषाअरुचभ्रमतनमोंजागै तवैहलीमकरोगपछानै वातपित्ततैंउपज्योमानै ॥ दोहा ॥ कह्योकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकजान कहौंचिकित्साइन्हनकीमुनहोपुरुषसुजान

॥ अथपानकीलक्षणम् ॥

चौपै भग्नविटहोवेनरसंताप अंतरवाहिरशीतसुव्याप पीतवर्णहोयनेत्रमोंरोग पानकीलक्षणजानैलोग

॥ अथपानकीअसाध्यलक्षणम् ॥

चौपै जंघपादभुजशोथगुदालिंग कृशहेमध्यअतीसारजुसंग ऐसोनरमृततुल्यपछानो असाध्यसुलक्षणपानकी-मानो ॥ इतिपांडुकामलादिरोगनिदानलक्षणम् ॥

॥ अथहलीमकरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगहलीमककीकहो सुनोचिकित्सासोय यहउपायजेऊकरैनाश्चहलीमकहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ लोहचूर्णमोंमुथ्पावै पैरतोयसौताहिपिवावै रोगहलीमकहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ सितामुलठवलात्रिफलाय तिक्ताहलदीदोयापिलाय मधुअरुघृतमि-लायसोऊषावै रोगहलमिकदूरनसावै वातपित्तहरअन्नअरुपान षावैपीवैपुरुषसुजान पांडुकामलाऔ-षदजेति रोगहलीमककीलषतेती ॥ अन्यच ॥ रसगिलोयचूर्णजुगिलोय रोगहलीमकहरलषसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हयमारअवरघृतसाथपिलावै दुग्धचतुर्गुणपायपकावै रसअरुचूर्णगुडू-चपािय यथावलपायहलीमकजाय ॥ इतिहलीमकरोगाचिकित्सासमाप्तम् ॥

अथपांडुकामलाकुंभकामला हलीमकपानकरोगेसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥ दोहा ॥ सामान्याचि कित्साकौंकहौं सोसुनलेहुसुजान पांडुकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकहान ॥ अथक्काथ चौपई दालह-लदकिरायताजानों रेठेकीजढनिंवपछानो अरुपुनर्नवाहरडामिलावो यहसमक्काथवनायापिवावो पांडूका-मलाहेविनाश शोथश्वासरुजकरैविनाश ॥ अथनवायसचूर्णम् ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथ्विडंग अवरहुंचित्रामेलोसंग यहसमचूर्णकरोवनाय नवगुणलोहचूर्णसंगपाय तक्रसाथवागूतरसंग वामधुघृतसों भक्षरुजभंग पांडुकामलाहृदकोरोग कुष्टशोथहरलषहैंलोग अर्शभगंदररूमकोंनाशै जराहरैअरुअरुच-विनाशै इंद्रीसकलशुद्धहोरहै नवायसचूरणनामयोंकहै इति अथमंडूरवटिका चौपई पुनर्नवात्रिकुटात्रिवी विडंगदालहलदचित्राधरसंग त्रिफलाहलदकुिठामिलाय दंतीचवकमुथ्कौडरलाय पुनकलिंगअरुपिपलामूर यहसभपलपलदुगुणमनूर यहमिलायसभचूर्णकरेय आढिकअर्धगोमूत्रधरेय मंदअग्निकरताहिपकावै घणाहोयवटिकासुवंधावै तक्रामिलायजुवलअनुसार नितषावेहोइरहितविकार पांडुप्लीहविष्मज्वरनाशैं अर्शकुष्टरूमशोथविनाशै संग्रहणीकामलानिवारै अवरहलीमकररोगविडारै ॥ अथमहतमंडूरवटिका ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथ्विडंग चित्राचवकत्वकमेलोसंग दालहलदपुनलहुसुरदार पिपला-मूलस्वर्णमषीडार यहऔषददोइदोइपलजान दुगुणमंडूरचूर्णातिंहठान अष्टगुणागोमूत्रमंगावै मंडूर-

चूर्णतिंहमांहिपकावै पाछेतेंसभचूर्णमिलाय वटिकाकर्षतुल्यवनवाय निस्ययथावलषावैतास पांडुकुष्टशोथहोइनाश ऊरूस्तंभकफरोगमिटावै अर्शकामलादिकनरहावै प्रमेहप्लीहरोगयहदहै पांडुरुजीकोंप्राणदअहै ॥ अथानिंवादिगुटका ॥ चौपई ॥ निंवपडोलकोगडमुथनागर त्रिफलाअठअठपलचूर्णलेकर आढिकजलमोंताहिपकावै पादशेषशीतलकरवावै अठपलशिलाजीतकोचूरण तामोमेलकीजियेपूरण पात्रपायइकमासप्रयंत भूमींगाडरखैलषुतंत पुननिकाशयहचूर्णरलावै सुनहोभिन्नाभिन्नसुवतावै धात्रीफलकंडयारीआनो ककडशृंगीमोचरसठानो त्रिफलावंशलोचनत्रिविजान अठअठपलइन्हकोपारिमान नीकैंपीसकरीइकसंग मधुमिलायनितषायअभंग वलअनुसारदुग्धसोंषावै पांडुकामलाशोथमिटावै अवरहुंज्वरकोकरहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथमंडूरगुटका ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामुथरविडंगपिसावै षडूषणदेवदारुमिलावै सममंडूरअग्निपकवाय सातवारगोमूत्राहिंपाय पुनपीसैसभचूर्णमिलावै मूत्रअष्टगुणपायपकावै अक्षअक्षगुटिकापरिमान इकइकदिनप्रतिकरहैपान पांडुकामलादिकदुखजावै रोगनासतनमुखउपजावै विभीतकादिगुटका ॥ चौपई ॥ वहेडेसुंठलोहकोचूरण समलेपीसकरैसभपूरण तिलगुडमेलतक्रसोंषावै अतिहीवृद्ध.पांडुमिटजावै ॥

॥ अथमंडूरवज्रगुटका ॥

॥ चौपई ॥ पंचकोललेवैहितमान पांचनामसुनकरोंवषान पिपलींपिपलामूलपछानो चित्राचवकसुंठपुनमानो त्रिफलादेवदारुसनलीजै मरचांहिंगुमुथरसंगकीजैं यहसभतीनतीनपलजान मंडूरसभनतैदुगुणप्रमान मंडूरअष्टगुणमूत्रपकावै सघणहोयतवचूर्णमिलावै अक्षप्रमाणगुटिकावंधवाय तक्रसहितषावैदुखजाय पांडुअरुचमंदाग्निविडारै अर्शशोथसंग्रहणीटारै ऊरूस्तंभहलीमकनाशैं कृमप्लीहकामलाविनाशैं उदरकंठकेरोगनिवारै मंडूरवज्रकायहगुणधारै मंडूरजहांजहांलिखेआहोय तहांतहांप्रथमसाधलेसोय अष्टपुठगूतरकीदीजै पुनसवैंत्रसंयुक्तकरीजै हैसर्वत्रयहगूत्रप्रमाण अष्टगुणाऔषधतैंजाण विडंगादिलेह ॥ चौपई ॥ वायविडंगमघांत्रिफलाऊ दालहलदपुनलहुत्रिकुटाऊ लोहचूर्णयहसभसमलेऊ मधुघृतमेलकरोअविलेहु प्रातसमयउठयाकोंचाटै पांडुकामलादिकरुजकाटै ॥ आमलक्यादिलेह ॥

॥ चौपई ॥ फलवापत्रपीडद्रोणपरिमान रसआमलेनिकालसुजान तासमतक्रतासमोंपावै मृदुलअग्निसोंताहिपकावै पाछैंयहसभऔषदपावै पीसमहीनकरतासरलावै प्रस्थएकमघपीपलजान दोइपलतहांमुलठीठान द्राक्षमनकाप्रस्थजुएक आद्रकदोइपललषोविवेक वंसलोचनपलदोयीलयावै चूरणकरतिसमाहिरलावै अर्धतुलशरकरामिलाय मंदअग्निसभपायपकाय घणाभयेसोजानैजवै मधुइकप्रस्थमिलावैतवै पलप्रमाणनितचाटैसोय पांडुहलीमककामलाषोय ॥ अथषदरलेह ॥

॥ चौपई ॥ षदरक्काथप्रथमाहिंवनवावै तासमध्ययहचूर्णमिलावै वलासुतिकामिसरजान त्रिफला, अवरमुलठीठान लोहचूर्णअरमुथरविडंग अवरशिलाजितलेतिहसंग दोनोंहलदीसमपीसावै क्वाथमां; हियहसभीमिलावै मधुघृतपायनिताप्रातिचाटै पांडुहलीमककामलाकाटै ॥ अथकल्याणगुड ॥ चौपै ॥ मघांपिप्पलामूलअनावै मरचांचित्रासेंधापावै अजवायणत्रिफलाजुविडंग धनियांअजमोदाधरसंग वदरीफलगजपीपलपावै चूरणपीसमहीनरलावै यहसभऔषदपलपललीजै त्रिवीपांचपलजानपतीजै

घृतअरुतैलअष्टपलपावै धात्रीफलरसप्रस्थामिलावै गुडपंजाहपललेहसुजान मंदअग्निसोंकरोंपकान बलअनुसारखायसुविहान पांडुकामलाज्वरकीहान अर्शप्रमेहकुष्टहोइनास हृदरोगक्षईग्रहणीहरश्वास- ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ पुनर्नवानिंबभूनिंबगिलोय सुंठपटोलहरडसंजोय दालहलदयहसभसमपावै करैकाथपरभातापिलावै पांडुकामलाकासअरुश्वास सर्वांगशोथशूलहोइनाश उदररोगसभहोवैंदूर- बलकरहैगुणयामोंभूर ॥ दोहा ॥ पांडुकामलाकुंभकामलाअवरहलीमकजान जेउचिकित्साइन्हनकी सोऊकरीबषान ॥ इतिपांडकामलादिचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुरोगेकामलारोगेपथ्यापथ्यम् ॥

कुंभकामलाहलीमकरोगेपथ्यापथ्य अधिकारनिरूपणं ॥ दोहा ॥ पांडुकामलापथअपथवरनोंभलीप्रकार वैद्यसुकग्रंथविचारकैसोसभकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ बमनविरेचनइटसिटजानो द्रोणपुष्पीबू- टीपहिचानो यवचावलअरुकणकपुरानी मुंगमोठमसुररसजानी वृद्धकूष्मांडलषलीजै पटोलगि- लोयसुजानपतीजै कदलीफलनवीनलषलेहु शाकचुलेरीपथसुनएहु लस्सुणगंढेहरडकंदूरी बनवृंताक- समुझजिसपूरी कक्कडशृंगीहलदीजान धात्रीफलजुभिडंगीमान तुषजलतक्रतैलसुनमीत घृतमनूरकुंकम- नवनीत कांजीअरुयवक्षारपछानो पथ्ययाहिकेयहमनमानो अरुजिन्हठौरनदागादिवावै सोसभठौरनकों- जोंगावै गुल्फचरणसंधकरमूल अरुस्तनमस्तककंठकेकूल अरुकुक्षनकेमध्यपछानइन्हठौरनमोंदागप्रमान दोहा पांडुकामलापथ्यसभभाषैग्रंथविचार अवअपथ्यवरननकरोंसुनहोपुरषउदार ॥ अथअपथ्यं चौपई रक्तमोक्षअरुधूमरपान रोकनवेगवमनपुनमान मैथुनस्वेदनिंबहिंगुलहिये पत्रशाकषलसरषपकहिये मृत- काभक्षणादिनकोसीन तीक्षणवस्तुभक्षणवहुलीन पानपत्रअरसभषटेयाई विरुद्धअन्नजलवस्तुविदाही गिरिविंध्याचलसह्ययहदोय इन्हपर्वतनदियनकोतोय अरुजोभारीवस्तुकहावैं अपथ्यपांडुकामलालषावै ॥ इतिअपथ्यं दोहा पांडुकामलादिकनकोप्रथममहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्सापथअपथनीकेंकीनवषान ॥ इतिपांडुकामलादिरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथपांडुरोगकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ नरहोइपरदारारतिजोय ताकोंपांडुरोगतनहोय तासनिवारणकहोंउपाय सुनलीजैअपनोचितलाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ त्रैपलरजतपृथ्वीवनवावै मध्यचतुर्भुजमूर्तलिषावै वामेहस्तकलशलिखवाय दक्षिणहस्तकमलधरवाय सप्तसमुद्रतिसचारोओर। पुननवरत्नधरैतिनठौर द्वादशपलकांसिपात्रवनाय तामोंसोपृथिवीधरवाय पुनलक्ष्मीआवाहनकरै विधिसोंपूजैश्रद्धाधरै हवन- करायाविप्रकोंदेय आपहिंदोषमुक्तिलपलेय ॥ दोहा ॥ पांडुरोगकेदोषकोंवरन्योभलीप्रकार करणासोथ अवरोगकोताकोंकरोंउचार ॥ इतिपांडुरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ पांडुरोगज्योतिष ॥

दोहा अष्टमघरमोशानिपडेसिंघराशिमोचंद पांडुरोगकरसोइनरपीडितहोवैमंद छायासुतपूजनकरेऔरचं- दजपहोम समाधानपूर्वजुकहेकरैदानजपहोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारपांडुरोगकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ पांडुरोगकामलाकहिए यरकांननांममतफारसलहिए चारभेदकाजांनोसोई वातपित्तक-रमांनोदोई तीसरजलसंजोगतेंजांनो चौथाअनपचअन्नपछांनो गर्मवस्तुअतिहींनरखावे पांडुरोगता-हिप्रगटावे पीतनेत्रलक्षणपहचांनो सकलदेहजरदीपरमांनो तरखरबूजाखीराहोई इनकेबीजसदाहित-सोई हिंदुआनानित्यप्रातनरखावे जाविधपांडूरोगहटावे दूधभातनरखावेसोई भेडदूधवागोकाहोई ताजीमिठीछाछखुलावे आगेऔषधकरसुखपावे विलकत्थमंगायनीरमेंपावे मलेसोइजलनाकचढावे ऊपरखैंचचढावेकोई दिमागजपित्तदूरसभहोई पुटकंडेकीजढमंगवावे ढाईतोलेदर्डकरावे चारसेरज-लकाथचढाय आधसेरजवहींरहजाय मलेप्रातपीवेनरसोई ऊपरछाछपानहितहोई पुटकंडेकीजढमंग-वावे जढपन्हीजढहींसमिलावे सतसतमासेकाथचढाय मिसरीमिलप्रभातपिलाय कंडेआरीछोटीके-फललीजें रसनिकालसोईनेत्रनदीजें पीलाजलनेत्रनतेंआवे वमनदस्तकरदोषहटावे भेददूसराऔरपछांनो आंमवातनामाकरमांनो सरीररुधिरघटजावेसोई श्वेतरंगकछुपीलाहोई आंमवातताहीकरजांनो वहुताकरनारिनकोमांनो छोटीउमररतीमनलावे ताकरअधिकरुधिरनिकसावे अथवाआर्तवसमाजो-होई ता।छितअतिजऊपीवेसोईअथवागर्भवतीजोजांनो सुपारीमिटीसेवनमांनो षटेआईखायगर्भके पाछे आमवाततिसहोवतआछे ताहियतनऐसामनभावे प्रथमदेहपरसूईचुभावे चलेंरुधि-रतवयतनपछांनों रुधिरनहींतोअसाध्यवखांनो ॥ पवंगकछंद ॥ मःखीतोलेसातमारकरलीजिए छाछसंगचुपचापताहुकोदीजिए रोगीलखेनभेदवहांनाठानिए परहांहकींमोंपांडूहोवेदूरसत्यमनमा निए विछरूलजीवसुकायसुचूरनकीजिए दसमासेनितप्रातताहुकोदीजिए सीतलजलअनुपांनप थ्यमनठानिए परहांहकींमोंपांडूहोवेदूरसत्यमनमानिए ॥ चौपई ॥ पुरातनमलर्लोहेकीहोई अग्नीविचतपावेकोई गोमूत्रकेवीचवुझावे सातवारविधऐसीभावे तौफुनिचूरनकरिएसोई घृतमखी-रसंगसेवेकोई ऊपरताजीछाछपिलावे पांडुरोगनिश्चेहटजावे पथ्यमुंगघृतदीजोसोई विनापथ्यदुख-दूरनकोई गोमूत्तरमणएकमंगावे चाढअगनपरसोगडकावे वृक्षवारनाछिलकालीजें वावडिंगहलदी-संगदीजें दारुहरदलचित्राल्यावे त्रिफलाद्याराइंद्रजौपावे पिप्पलामूलभागसमलीजें चौगुणमललोहे-कीदिजें पुरातनमलजोऐसीहोई सौवर्षतेंऊपरसोई चूरनपीसमहीनवनावे गोमूत्तरकेवीचरलावे घृत-मखीरताहीसंगहोई गडकायसघनकरराखोसोई तोलाडूडछाछसंगखावे पथ्यमुंगघृतपांडूजावे इला-चीमघसुंठीमंगवावे दसदसमासेपीसरलावे नौतोलेमिसरीसंगहोई फुलादभस्मत्रैतोलेसोई छेमासे नितचूरणखावे रातप्रातपांडुदुखजावे वांसात्रिफलाकौडमंगावे छिलकानिंवगिलोईपावे किरायता-मेलभागसमहोई साडेत्रैमासेसोई चारसेरजलपायचढावे दिनइकीकरक्वाथपिलावे लोहाएकसेर-मंगवावे तपायछाछकेवीचवुझावे आठपहरराखेनरसोई प्रभातसमेउठपीवेकोई प्रतिदिनछाछसेरइ-कजांनो पांडुदूरसीघ्रसुखमांनो पारासिलाजीतमंगवावे सोनमखीभस्मलोहेकीपावे वावडिंगहरड-संगपाय लेसमऔषधपीसवनाय गोघृतमासेसातमंगावे तोलाडूडमखीरमिलावे तासंगचूरनसेवन-करिए निश्चेकरपांडूदुखहरिए सज्जीखूपमहीनपिसाये घडेवीचजलपायरलावे चाढअगनगडकावे-कोई निर्मलजलपीवेसुखहोई दिवसतोंनलगऐसाकरिए पांडुरोगताहीछिनहरिए भेदतीसरापांडुहो-ई वातकोपकरकालासोई तिलीस्थानचौतर्फाजांनो भाराहोवेलक्षणमांनो पीडारहेकलेजेमांही का-

लारुधिरनिर्वलीताही कालारुधिरकलेजेहोई तिलीस्थांनपहुचेजवसोई पचेनाहिनिर्वलताजांनो कृष्ण. पीतरंगदेहीमांनो लक्षणपीडकलेजेआवे वासलीफतेंरुधिरछुडावे विनपीडाजोपांडूहोई आगेऔष. धसुनिएसोई त्रिफलाजीरालूणमंगावे पौनेदोदोमासेपावे थोडासंगमुसबरहोई चूरनजलसोंसेवेकोई वातजपांडूदूरहटावे निश्चेगुणकरसुखउपजावे रत्तीएकसुहगालीजें मिसरीसंगभुंनकरदीजें सातदिव- सतकऐसाकरिए पांडूरोगताहिछिनहरिए अनपचभोजनहोवेजवही पीतरंगनेत्रनकातवही काला. रंगमूत्रकाजांनो हिंदीनामहलाकपछांनो वमनदस्तसोहोवतनाहीं असाध्यरोगमारकहैतांही औषध- त्रैदिनएकनकीजें तृषाहोएजलतत्तादीजें तौफुनिपिप्पलमूलमंगावे हरडकौडमुस्थरसंगपावे साडेत्रैत्रै- मासेहोई करेकाथपुनलीजोसोई त्रिवीपीसदोमासेपावे पीवेपांडूदोषहटावे वडकेपत्रसंगावेकोई उवालपेटपरवांधोसोई दिवसतींनलगऐसाकरिए दस्तहोतदुखपांडूहरिए पथ्यमुंगघृतदीजोताही तापदेखवृतदेवेनाही पित्तपापडाइमलील्यावे नागरमोथावालापावे साडेत्रैत्रैमासेहोई करेकाथपी- वेनरसोई चारसेरजलकाथचढाय आधसेरपीवेदुखजाय पथ्यमुंगरसदीजोसोई आगेभेदऔरइकहोइ देसांतरजलपीवेकोई अतीनीरसंगपांडूहोई गरिफतगीआवनामसोकहिए पीलारंगदेहकालहिए नेत्ररंगपी लानाहिहोई पित्तजऔषधकरिएसोई रोगकामलाऐसाजांनो जोदेखेसभपीला'मांनो मुसब. रजढजलपायवसावे ताछिनवीचनासिकापावे वाहिंगूजलपायघसावे नेत्रपायदुखदूरहटावे नित्यआंमलेखावेकोई रोगकामलानासैंहोई कौडीतोरीकारसल्यावे वीचआमलागुलीघसावे नेत्रवीच- अंत्रनाहितहोई वावंदालवीजलेसोई वहुतवारनेत्रनमेंपावे रोगकामलासीघ्रहटावे ॥

॥ रोगमांसभक्षक ॥

॥ चौपै ॥ तीक्ष्णपित्तहोतहैजाको रोगमांसभक्षकहैताको कदीकिसीकोऐसालहिए अकसःगो- शतखोराकहिए किसीजोडकेपठेहोई पडेतहांप्राततकसोई पैसाभरमांसप्राततकखावे मारकरोगअ- साध्यकहावे औरयक्ष्मतेकरडाताहीं वैद्यपतनधारेमननाही जेकरताकीआयुषहोई करेयतनहटजावेसोई प्रथमदावगिरदेपरलावे ताहियक्ष्मपरमल्हमभावे सिरकानीरमिलावेकोई धोवेखूपलेपफुनिहोई हरता- लकलीचूनामंगवावे पीसमोमघृतसंगरलावे करेलेपताहूपरसोई विनादाघऐसाहितहोई तैलगर्मकरऊ- परपावे विनादाघऐसेहटजावे जोडमांसभक्षकजोहोई काटिताहिसीघ्रसुखसोई नातरनित्यमांसकोखावे विनकाटेजीवननाहिभावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांपांडुरोगाऽधिकारकथनंनामस प्तत्रिंशोऽधिकारः ॥ ३७ ॥

॥ अथशोथरोगनिदानम् ॥

॥ दोहा ॥ शोथनिदानवषानिहोंसोहैनवपरकार ताकेभेदसमस्तजेकरेनिदानउचार ॥ चौपई ॥ वात-दोषदुष्टजवहोई दुष्टरक्तपितकफलेसोई वाहिरनाडिनकरतप्रवेश धास्योजिसेकोपकोवेश रक्तपित्तक-फरुकपंथान दुष्टवातदोषसोऊजान त्वचामांसमोंप्रविशेश्राय त्वचामांसकोंवहुतफुलाय शोथनामताहू-कोभनैं भेदतासनवविधियोंगनैं

॥ अथनवभेदशोथवर्ननम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजपित्तजकफजपछानो दोदोदोषजषट्सोमानो होयत्रिदोषजसप्तममान अष्टम-अभिघाततनतेंजान नवमभेदविषकरलषलीजे ऐसेंशोथनवभेदकहीजै

॥ अथशोथपूर्वरूपं ॥

॥ चौपई ॥ एकस्थानऊपरविस्तार नाडिंमिलसभकरेंसंचार उपतापरहेअंगभारीभासें योंनिदानशोथपरकाशैं

॥ अथशोथकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनाविरेचनज्वरतेंजानो अभोजनकृशतिर्वलदेहीमानो क्षारउष्णअमलतीक्षणभारी इन्हकोलेवेजोनरनारी इन्हकारणतेंसोजापरे शाकभक्षणभीसोजाकरे दधिअपकअन्नवहुषावे अरुमा-टीभक्षणउपजावे अन्नविरुद्धनएजलपीवे विषभक्षेसोजातिसधीवे अवरहुंअर्शरोगाजिहंहोय अरुविनचे-ष्टाहैनरजोय ऐस्योकोंभीउपजेसोज समुझलहोयहमनमोंषोज जाकीदेहअशुद्धलहीजे वमनविरेचनयो-ग्यकहीजे वमनविरेचनमहिंकरवावे ताकोंशोथप्रगटहोइआवे मर्ममांहिताडिनलषलपैये ताहिशोथउपजे-योंलहिये काचोगर्भपाताजिसनारी सोभीहेवेशोथविकारी वमनवरेचनमांहिअपथ्य जोकरहैतिसहो-इलषतथ्य.

॥ अथशोथसामान्यलक्षणम् ॥

चौपै अंगमेंगौरवअवरसंताप रोमहर्षकृशनाडीथाप ऊचोहोयजुअनकस्थान सामान्यलिंगयोंशोथप्रमान चित्तस्थि तीरहैनहितिसको रूपविवर्णहोयतनाजिसको.

॥ अथवातजशोथलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ षहुतीपतलीत्वचाजुजास लालश्यामरंगहोइप्रकाश स्पर्शवस्तुकोहोइअज्ञान रोमहर्षविन कारणहान अरुसोजेकोमलेंदवावे तौकछुशोथशांतिकोंपावे पीडाकरेचलितरहेजोय ऐसेलक्षनजा-समेहोय रात्रिनिर्वलदिनकोंवलवान वातजशोथचिन्हयहजान

॥ अथवातजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई वातजशोथजासतनहोय करैचिकित्साऐसेंसोय त्रिवीअर्धमासलगसोऊ षावैवातशोथहतहोऊ पुनएरणकोतैलपिलावै वासमतीसहदुग्धषवावै वारसमांससाथपथदेय मर्दनलेपस्वेदहितलेय ॥ क्वाथः ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठइरंडइटसिटपंचमूल इन्हकोकाथकरैसमतूल पानकरावैवातजजाय वंगसेनमतऐसेंगाय

॥ पित्तजशोथलक्षणम् ॥

चौपै ॥ मृदुलहोइवहुश्वेदजुकरै लिंयेश्यामतापीतरंगधरै गंधत्रिशामददाहसमेत भ्रमज्वरषेदसाहितलखभेत इपर्शकरणेंपींडामानें शोथपित्तकेभेदवखाने नेत्रलालपाकतनहोंय पित्तजशोथचिन्हलषसोय

॥ अथपित्तजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजशोथजिसेलखपावे तासचिकित्साऐसेंगावे न्यग्रोधादिगणसंगघृतपकावै पित्तजशोथीकोंतुपिलावै अरुपुनदुग्धकरावैपान त्रिषादाहशोथकीहान अरुहोवेजुमोहकोनाश जान-लहोयहकीनप्रकाश ॥ काथ ॥ चौपई ॥ त्रिशादाहमोहजिसहोय काथत्रिफलागिलोयपियेसोय ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रकेसंग पीवैहोयसोथरुजभंग सीतललेपनहिमकोपान पित्तशोथमें-कियोप्रमान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जासउदरपरशोथलषावै ऐसेंतासउपायवतावे महिषी-मूत्रसप्तादिनपान सदुग्धपथ्यषावैरुजहान जलकोपानकरैनाहिंसोय शोथउदरनाशतवहोय अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ ऊउणिवकरीमूत्रजुपीवै उदरशोथनाशतवथीवै ॥

॥ अथकफजशोथलक्षणं ॥

॥ चौपै स्थिरअरभारीशोथपछान पांडुवरणमुखलालांमान निद्रावहुतअरुचितासंग मंदअग्निहो-इवमनअभंग वलकरजोकोऊशोथदवावै निवेनहींकठिनदरशावै दिननिर्वलरात्रहिंवलवंत कफजशो-थकोयहविरतंत चिरकरउत्थिताचिरतेंनास कफकाशोथाकियोपरकास.

॥ अथकफजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ तज्जअर्कपुहांजणाजान नक्कमालपुनतामोंठान दालहलदअरुअम्मलतास सभहीसमलै-पसितास गूत्रमिलायलेपसोकीजै कफजशोथताहीतैंछीजे ॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ दालहलदनिवत्रि-फलाय पटोलपाययहकाथवनाय गुगुलपायताहिकोंपीवै पित्तकफजशोथहतथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अमलतासकेकाथमंझार पीवैतैलएरंडकोडार कफजशोथनाशतवहोय निश्चयआनोमनमैंसोय जोमं-दाग्निशोथमोंलहिये निंवक्ष्यारसमचूर्णवनैये मद्यतक्रगोमूत्राहिंसंग पीवैहोयमंदाग्नीभंग ॥ अन्यच ॥ चौपै पुनर्नवासुंठीत्रिशीगिलोय अमलतासपुनहरडसमोय देवदारुसमकाथजुकीजै अथवाचूर्णगूत्रसोंपीजै चूर्ण-गुगुलुसाथपछान काथपांनकरहैदुखहांन अन्यच त्रिकुटात्रिवीकिरायतापावे लोहचूर्णअरकौडरलावे पासम हीनकरचूरणठानो त्रिफलारससोंपीसुखमानो होवेकफजशोथकोनाश निश्चैआनोमनमोंतास अथचूर्णचौपै हरडेंकेवलचूर्णकीजै गोमूत्रसोंताकोपीजै होवेकफजशोथकोनाश ताकोगुणयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै विडंगसुंठसुरदारुपतीस वरचइंद्रयवसमलेपीस उष्णतोयसोंअक्षप्रमान पीवेमरचसहशोथकी-हान ॥ अन्च ॥ चौपै ॥ पुनर्नवाकेवलचूर्णकीजै उष्णतोयसोंताकोंपीजै होवैकफजशोथकीहान यहअ-पनेमननिश्चयठान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ थोहरदुग्धसोंमघांभिगावै हरडमिलायगूत्रसोंपावै कफजशोथना-शतवहोय निश्चयआनोमनमोंसोय.

॥ अथपुनर्नवाअविलेह ॥

॥ चौपै ॥ पुनर्नवासुरद्रुमअरुदशमूल गिलोयलीजियेयहसमतूल इन्हकारसआढिकपरमान आद्र-करसपरथइकठान तुलाप्रमाणगुडपायपकावै सिद्धहोयपुनचूरणपावै तज्जपत्रदालचीनीअरएला मुस्थ-रकर्षकर्षकरमेला शीतलकरैकुडवमधुपावै बलअनुसाराहिताहिचटावै कफजशोथकोहोवैनाश अरुच-अरकासश्वाससुविनाश वलअरुपुष्टदेहप्रगटावै मंदअग्निहरअग्निवधावै.

॥ अथद्वंदजात्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दोदोदोषचिकिन्हलषैजहां शोथदुदोषीलषियेतहां जहांत्रिदोषलिंगलषपैये शोथत्रिदोष-जताकोंकहिये.

॥ अथआमजशोथलक्षणम् ॥

चौपै हृदयअशुद्धक्षुधाकोनास गौरवजठरतंद्राहोयतास शयनादिदोषतेंउत्पतहोय संयुक्तआमतुमजानोसोय

॥ अथआमजचिकित्सा ॥

चौपै ॥ आमजशोथजासलषपरै लंघनपाचनशोधनकरै तातैंशोथहोतजोनास वंगसेनमतकीनप्रकास

॥ अथद्वंदजात्रिदोषजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ मघपीपलगजपीपलआन जीराकंडयालिठान चित्राहलदीपिपलामूल पाठामुत्थरसुं-ठसमतूल चूर्णउष्णतोयसोंपान त्रिदोषजशोथनाशकरजान अरुवहुचिरकाशोथनसावै यहनिश्चयनिज-मनमोंल्यावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ किरायतासुंठसमचूर्णकरै आद्रकपानपत्ररसधरै दोनोसमरससोंकरषान त्रिदोषजशोथहरनयहमान दुग्धसाथपथ्यपुनषाय शोथत्रिदोषजभाग्योजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकु-टासौंचलदोइसमभाय पीसमधुकेसाथमिलाय अल्पउष्णकरएरणतेल ताकेमध्यवीजियेमेल प्रातहिंउ-ठनितताकोंषाय शोथत्रिदोषजनाशकराय दुग्धभातयहपथ्यएलावै रोगनाशयातेंलषपावै.

॥ अथअभिघातशोथलक्षणम्

॥ चौपई ॥ दंडादिकताडिनकरजोय शस्त्रादिकछिदभिदक्षतहोय सामुद्रपवनजुहिमालेप-वन जासदेहमोंइहजोलगन कपिकलूभल्लातकजान रसशूकरपर्शजुइनकोमान तातेशोथप्रग-टहोएजोय शोथचालितजानोतुमसोय लालवर्णजुहोवतदाह पैतिकलक्षणलपिएताह तिंहअभिघात-शोथपहिचानो विषजशोथसुनहोजुवषानो ॥

॥ अथअभिघातजशोथचिकित्सा

॥ चौपै ॥ सुंठपुनर्नवाअरुसुरदार अरुदसमूलसुहांजणाडार पीसउष्णकरलेपलगावै अभिघातजशोथ-समस्तामिटावै ॥

॥ अथविषजशोथलक्षणम् ॥

॥ चापई ॥ विषसंयुक्तजीवकेकैसैं तनपरफिरैसोजकरऐसैं कैतैंतनपरमूत्रैसोय तिन्हकेमूत्रशोथ-तनहोय अवरकितेविषजीवकहावैं दाढदंशकरशोथउपावै नखक्षतकरसोंसोजाकरैं ऐसेंजीववहुतलष-परैं विषतेंरहितजीवजोजाने नखदंतदंशाजिनकेभीमाने विदाएूतवीर्यमलजिन्हकी दस्त्रमिलतहोवै-

जोतिन्हकी सोइवस्त्रपहिरैजनजोय तिंहभीसोथप्रगटतनहोय कईंजुवृक्षगुल्मविषधारी तिन्हकीवात-स्पर्शदुखकारी वातस्पर्शताशोथउपावै केवलविषभीशोथजनावै कावैअन्नकोंजहअस्थान कुद्धदोषजों-तंहप्रगटान ऊर्द्धभागदेहीकोजोऊ सोजाप्रगटावतहैंसोऊ अरुजोअन्नपकअस्थान कुपहोंहिसोदोष-महान सोतनमध्यसोथप्रघटावैं ऐसेंग्रंथनिदानसुनावैं जोविष्टाथलकेमंझार कुपदोषसोऊकरैंविकार अधोभागपदजंघांजोय तहांसोथप्रगटावैंसोय जोसमस्तदेहकेमांहि कुपदोषतेऊप्रगटांहि तौसमस्त-तनसोजाहोय इंहप्रकारलषलीजैसोय कोमलचलितअधोगामीजान उत्पतशीघ्ररुजदाहपछान ऐसे-लक्षणजासतनमाही विषजशोथकेलक्षणगाही.

॥ अथविषजशोथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलवस्तूलेपनकरै विषजशोथकोंतुरताहिंहरै कृष्णमृत्यकातिलसमभाय लेपेविषजशो-थमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तिलचूर्णनीकैपीसावै महिषीमाषनदुग्धमिलावै लेपकरैविषदोषन-साय यहउपायभाष्योसमुझाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तिलमुलठसमचूर्णकीजै मापनमेललेपसोकीजे विषजशोथहोवैतननाश यहउपायकीनोपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तिनसवृक्षमूलकीमाटी जलमों-पीसकरैइकठाटी लेपनकरैसोथविषजाय भाषसुनायोतासउपाय ॥ अन्यच ॥ जोविषरोगचि-कित्साकही विषजशोथकीजानोस्ही ॥ इतिविषजशोथचिकित्सा ॥ अथशोथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ श्वासकासअरुचदुर्वलसविकार ज्वरहिकाछर्दत्रिषाअतिसार शोथउपद्रवएतेजान ना-शकरैरोगीपहिचान पादनतेंजोऊचोंजावं नाशपुरषकोसोऊकरावै मुखतैंशोथजुनीचैधावत नारीको-सोनाशकरावत नाभिस्थलजोसोजापरै नारीनरकोंहतसोकरै.

॥ अथसाध्यअसाध्यशोथलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रहितउपद्रवशोथजुलहिये अरुनवीनहोइसाध्यसुकहिये सहितउमद्रवहोयपुरातन सोअ-साध्यजानोतिसघातन ॥ दोहा ॥ शोथनिदानवषान्योशास्त्रणकेअनुसार समुझचिकित्साजोकरैउपजैनां हिविकार ॥ इतिशोथनिदानसमाप्तं ॥

॥ अथसामान्यशोथचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ हरडभिडंगीसुंठागिलोय चित्राअरुपुनर्नवाजोय दालहलदजानोसुरदार यहसमकीजैकाथसुधार पीवैशोथसकलपरकार सर्वांगशोथनाशैउरधार ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ पु-नर्नवामूलकसुंठिसुरदार चित्राअरुगिलोयसमडार यवागूमेलपकायसुपावै सर्वप्रकारशोथभगजावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई त्रिकुटादंतीचित्राआन त्रिवीपायपयकरोपकान पीवैशोथसमस्तप्रकार नाशै-निश्चयमनमोंधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ देवदारुसुंठीसुनलीजै अरुपुनर्नवासंगमिलीजै दुग्धपायका-ढसोंपीजै शोथरोगताहीतेंछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विल्वमूलत्रिकुटासमभाय श्यामाचित्रासंगमि-लाय दुग्धमिलायपकायसुपीवै शोथरोगनाशतवथीवै ॥ अथशाकः ॥ चित्राअरुपुनर्नवाशाक षावै-शोथहरैसतवाक मूलिकसुंठीयूषवनावै पीवैसर्वशोथमिटजावै ॥ अथप्रक्ष्यालनकाथ ॥ अर्कपुनर्नवानिं-वसमान इन्हकोकरहैकाथसुजान तासेसाथशोथकोंधोवै शोथजायरोगीसुखसोवै ॥ अन्यच ॥ को-

सेगौमूत्रकेसंग धोवैहोयशोथरुजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ करंजुपुनर्नवाएरणआन यहसमक्काथपकायसुजान ताकेसंगशोथजोधोवै नाशरोगशोथकोहोवै ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ पुनर्नवासुंठअरुसुरदार सर्षपस्वेतसुहांजणाडार यहसमकूटेकांजीसंग लेपनउष्णशोथरुजभंग ॥ अन्यच ॥ बहेडेगिरीपीसलेपाय पीडादाहशोथमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जोफुनसीशोथाहिंपरलहिये ताऊपरयहलेपकरैये कपित्थपत्रचंदनयहआन मुत्थरमुलठीसमलेठान याकोलेपनकरहैजोय पिटकाशोथनाशतवहोय ॥ अथवुटणा ॥ चौपई ॥ रहसनअर्कतज्जात्रिफलाय मूसेकरणीचित्रापाय मूर्वाकौडसुंठजुविडंग काकमाचीसौंचलधरसंग निंवपतीसकिरायतापावै नःखसुहांजणातासरलावै मघपुनर्नवाअरुकंड्यारी यहसमऔषदचहियेडारी पीसैगूत्रहिंसाथमिलाय करवुटणातनशोथमलाय गूत्रपायउष्णकरसोय अथवाशोथताहिसोंधोय शोथरोगकोंहरहैसोय तनअरोग्यसुखउपजैजोय ॥ अन्यच ॥ चौपई-त्रिकुटालोहचूर्णअरुक्षार त्रिफलायहसभहीसमडार चूर्णवनावैमर्दनकरै शोथरोगतनहूतेंटरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठीगुगुलअरुसुरदार यहसमचूरणकरोसुधार गूत्रसाथजोपीवैतास होवैशोथरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गिरिकरणीचूरणकरवावै गूत्रसाथपीशोथनसावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ पुनर्नवादारुसुंठहरडसमआन चूर्णतप्तोदकसोंकरपांन शोथरोगनासतवहोय निश्चयकीजेमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वासासुंठमघमरचपतीस विडंगदेवदारूसमपीस तत्तनीरसोंपीवैतास होवैशोथरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥॥ चौपई ॥ दंतीकौडविडंगसुरदार त्रिकुटात्रिफलाचित्राडार गजपिप्पल अरुत्रिवीपिसावै यहसमभागजानलषपावै लोहचूर्णदोइभागलहीजै वलअनुसारदुग्धसोंपीजै शोथरोगकोहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश केवलगोमूत्रकोंसेवै शोथरोगकोनाशकरेवै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ गुडआद्रकसमलीजैदोय अर्धप्रकुंचतैंलेकरसोय वधावैनितपलपांचप्रयंत षावैताहिलहोयहतंत मुंगीरससोंपथ्यषुलावै शोथगुल्मपीनसमिटजावै श्वासकासपुनउदरविकार अरुचपांडूहृदरोगनिवार ॥ अथसमयोगः ॥ चौपै ॥ गुडआद्रकगुडसुंठीजान गुडहरडेंगुडमघांपछान यहसमयोगकर्षलेआदि त्रैपलनकषावैमरयादि अथवापक्षवामासपर्यंत षावैइंहविधिरुजीलहंत शोथश्वासकासमुखरोग पीनसअरुचहोइजांहिअयोग ग्रहणीनजलाअर्शमिटावै जीर्णज्वरकफवातजजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पुरातनगुडआद्रकरसषाय अजाक्षीरसोंपथ्यषुलाय शोथरोगकोहोवैनाश निश्चयआनैमनमोतास ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ पुनर्नवाकोकरलेवैक्काथ किरायतासुंठसमचूर्णसाथ पीवैरोगीनितउठतास होईसर्वांगशोथकोनाश ॥ चूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ त्रैपलगुडआद्रकपलतीन त्रैपलमघांजानप्रवीन पलमनूरतिलपलजुमिलाय चूरणयहकीजैजुरलाय नित्यनेमधरयाकोंषावै सर्वप्रकारशोथामिटजावै ॥ अथपुनर्नवादिचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ पुनर्नवादालहलदगिलोय पाठासुंठीभषडेजोय हलदीमघदोनोकंड्यारी वासाचित्रासमलेहुविचारी चूर्णगूत्रसोंपीवैतास सर्वप्रकारकोशोथविनाश उदररोगव्रणरोगनसावै याकोगुणअैसीविधिगावै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ वासाअवरभिडंगीगिलोय करेक्काथत्रयवस्तुसमोय पीवैशोथश्वासअरुकास जानलेहुपावैसोनाश ॥ अथमंडूर ॥ गूत्रवीचमंडूरपकावै गूत्रसाथपुनखरलकरावै आद्रकरसजिमीकंदरससंग खरलकरेतिसहोइानिसंग इसविधिसोमंडूरवनावै षावैशोथरोगमिटजावै ॥ अथपुनर्नवादीघृत ॥ चौपई ॥ पुनर्नवाचित्राअरुसुरदार पंचोषणहरडजानयवक्षार यहस॰

मलेवैक्काथवनावै दशमूलक्काथपुनताहिमिलावै घृततिंहपायपकायसुषाय शोथरोगनाशैलषपाय ॥ अथाचित्रादिघृत ॥ चौपई ॥ चित्राधानियांअरुत्रिकुटाय दाडिमअजवायणसंगपाय चविकसुंठीअरवल्लयवाण सोभीतामोंकरोमिलाण उत्पलपाठापिपलामूल यवक्ष्यारअमलवेतसमतूल कर्षकर्षइन्हकोपरिमान आढिकजलमोंकरोपकान प्रस्थएकघृतपायपकावै षावैशोथअर्शमिटजावै ॥ अन्यच ॥ चित्रादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंचित्राचूरणकीजै घटकेभीतरलेपसुदीजें तामोंदुग्धजमावैजोय मथकरघृतकढवावैसोय पुनचित्रेकोचूर्णमिलाय तिसतक्रमोघृतसिद्धकराय प्रातसमयसोऊघृत, पीवै रोगजायरोगीसुखजीवै शोथगुल्मनाशैअतिसार वातजरुजीप्रमेहविडार ॥ अथमाणकघृत ॥ ॥ चौपई ॥ माणकक्काथजुमाणकचूरण घृतमोकीजैंयहदोइपूरण ताहिपकावैषावैजोय शोथत्रिदोषजद्वंद्वजषोय ॥ घृत ॥ चौपई ॥ थलपद्मपलआठप्रमान त्रिकुटाचारपलतामोंठान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै चतुर्गुणदुग्धसुपायपकावै षावैकासपांचपरकार शोथसहितनाशैमनधार ॥ अथपंचकोलघृत ॥ ॥ चौपई ॥ पांचकोलकोकीजैंक्काथ कुलत्थक्काथदीजैंतिससाथ तिन्हमोंघृतमंदाग्निपकावै घृतरहेतौछानकरवावै तापुनर्नवाचूरणसंग पीवैहोयशोथरुजभंग ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ पुनर्नवारहसनअरुसुरदारु शुष्कमूलिकसुंठीसमडारु इन्हमोतैलपकायमलावै शोथरोगभाग्योंकहुंजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वैंतक्षीरवृक्षत्वचाआन मंजीठलताचंदनसमठान बालाभिहपद्मकाष्ठसंगलीजै पक्कतैलइन्हकेसंगकीजे मर्दनकरैशोथरुजनाशै तनआरोग्यहोयदुतिभासै ॥ अथयवादितैल ॥ चौपई ॥ यवकुलत्थवेरदशमूल यहक्काथजुकीजैसभसमतूल तैलक्काथसमसंगमिलावै तैलचतुर्गुणअजापयपावै पुनशतावरीजीवणीआन अरुसुहांजणाचूर्णमिलान पकायसुतैलमलैअरुषावै शोथरोगनाशहोइजावै ॥ पंचमूलादितैल ॥ चौपई ॥ पंचमूललवणसुरदार सरलवृक्षगिलोयपुनडार हास्तिकरणनिचुलपुनठानो पलाशफलीयाहीपुनजानो काकनासागजपीपलजोय अहिंसराहिंसरासंगसमोय देवपुष्पपुनर्नवालीजै कृष्णगंधाकायस्थादीजै वयस्थादारुकजटलापावै जटाअलंवसासुंठरलावै एरंडहेडवांअरुणीमान गोधावतीभिडंगिसमान पलपलभागसभनकोकीजै चूर्णकरसभतैलमोदीजै अरुपुष्करधरतैलमंझार सिद्धकरैसोतैलसुधार षावैमलैशोथसभजात नाशैशोथकफजअरुवात ॥ अथदशमूलीहरीतकी चौपई ॥ दशमूलक्काथजोकरैसुधार चौसठपलतांकोकरडार तामोइकशतहरडैंपावै एकतुलागुडपायमिलावै पकविघणाहोयसोजवै चारचारपलऔषदतवै पलचारत्रिकुटाचारपलक्ष्यार पुनपलचारात्रिजातकडार यहसमचूर्णपीसरलावै अर्धप्रस्थमधुतामोपावै एकहरडनितप्रातषवावै पुनसोलेहशेषजुचटावै शोथअरुचमंदाग्निप्रमेह श्वासकासज्वरनाशैएह गुल्मपांडुअर्शमिटजाय उदररोगअमलपित्तनसाय आमजवातमिटैसुखपाय भाषसुनायोतासउपाय ॥ अथत्रिकुटादिलेह ॥ चौपई ॥ त्रिकुटादंतीवायविडंगचित्रात्रिफलादीजैसंग त्रिवीदेवदारूगजपीपल यहसमचूर्णसमलेपलपल दुगुणोचूरणलोहामिलाय नित्ययथाबलपयसोंषाय शोथरोगकोहोइहैनाश प्रथमन्यायतनकीदुतिभास

॥ अथशोथोदरहरलोह ॥

॥ चौपई ॥ पुनर्नवामाणकंदअरचित्रा सूर्यावर्त्तमूलगवाक्षीमित्रा अर्कमूलअरगिलोयीजास अठअठपलसभकूटोतास पायद्रोणजलताहिपकावै पादशेषरहिवस्त्रछनावै करशुद्धमारलोहेकोचूरण प्रमाण-

अष्टपलकीजैंपूरण ताम्रपात्रमींताकोंपावै पुनयहऔषदसंगमिलावै दोइपलअर्कदुग्धपहिचान थोहर-दुग्धचारपलठान शुद्धअर्धपलपारापावै गंधकपलइकताहिमिलावै दोइपलगुगुलचितलषलनि ताम्र-पात्रधरपुरुषप्रवीन मृदुलअग्निसुपकायउतारै पुनहिंपीसयहचूर्णडारै कंकुष्टगवाक्षदिंतीचित्रा पलाशवी-जकंचुकीइकत्रा तालमूलिकात्रिफलाजान त्रिवीविडंगवज्रवल्लीठान सूर्यावर्त्तपुनर्नवाथावै लोहसमान-चूर्णयहपावै कडछीसोंरलायभलीभांत सानिग्धपात्रधरलषुवृत्तांत मंयुक्तयथावलताकोंषावै सभहीउदरवि-कारमिटावै शोथकामलापांडुविनाशैं अर्शभगंदरकुष्टरूमनाशैं शूलअवरचिरकालकरोग नाशहोहिजा-नैंसभलोग इसतेंश्रेष्टनऔषदआन वंगसेंनयोंकीनवषान ॥ दोहा कहीचिकित्साशोथकी वंगसेन. अनुसार आगेयांकेपथअपथसुनहोकरोउचार ॥ इतिशोथरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथशोथरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ शोथरोगकेपथअपथसुनहोकरोंवषान वैद्यकशास्त्रनजोकहैजानोपुरुषसुजान ॥ अथपथ्यं, ॥ चौपई ॥ सेकैअग्निस्वेदपुनलेवै रुध्रमोक्षपथजानकरेवै मर्दनतैलतक्रकोंपीवै मदराआसवपथ्य, लषीवै यवकोकोटामुंगकुलत्थ लहोपुरातनतंडुलपथ्य अवरपुरातनघृतकोपान चित्रारक्तसुहांजणा. जान लसनककोंडेगाजरलहिये बालमूलिकागैंगुलुकहिये धात्रीफलपुनर्नवाजान अवरपटोलपथ्य. पहिचान निंववकायणहरडकहीजै एरंडतैलहलदसुनलीजै गोहसेहमोरकोमास तीतरकुर्कटपथल’ खतास शृंगीमत्ससहालपुलेहु कूर्ममांसपथ्यलखएहु गुगुलअवरभिलावैआषै अमरमेलसुंठलषभाषै दीपनतीक्षणकटुजोवस्तु क्षारवस्तुपथलषोप्रसस्तु शिलाजीतपथइंभदिवावै कस्तूरीपुनपथ्यकहावै गोमहिषीवकरीकोमूत शोथरोगयहपथइंहसूत ॥ दोहा ॥ शोथपथ्यभाष्येसकलसुनलीजैउरठान वरन-नकरोंअपथ्यअवशोथहिंनाहिप्रमान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ गरामीनमृगपाक्षिकोमास शुष्कशाक; वहुनिद्राभास अरुजलजीवनमांसपछानो भारीवस्तुदहीपुनमानो गुडविकारजेतेजगलहै सभहीशो, थअपथकरकहै मैदाअरुनवान्नपुनजानो अमलवस्तुमैथुनपुनमानो ॥ दोहा ॥ शोथरोगकेपथअपथ. भाषैसकलसुनाय पथ्यगहैत्यागैअपथतातैंशोथमिटाय ॥ इतिशोथरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ ॥ दोहा ॥ शोथरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्री शोथरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथशोथदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ विनअपराधजीवकोमारै ताकोंशोथरोगसंघारै ताकोसुनोउपायसुनाऊं शोथरोगनाशैसुसुनाऊं ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ इकपलस्वर्णमूर्त्तब्रह्माकी वनवावैआभावडिताकी रक्तवस्त्रताऊपरदेय पूजभलीविधिचितसोंलेय अगरकपूरचंदनकस्तूरी इन्हसोंपूजैमनसापूरी गणपतिदु. रगापूजेंवाय विप्रहिंदेयशोथमिटजाय ॥ दोहा ॥ शोथदोषकारणसहितभाष्योतासउपाय मैदजदोषहिंको. कहोंसोसुनलेमनलाय ॥ इतिशोथरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथशोथरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ मंगलहोवेआठमातिहपरदष्टदिनेस प्राणीभोगेशोथकोपावेदेहक्लेस तिहकारणसोंनरकरेजप-पूजावलिदान मंगलकीआराधनाजातेंहोइकल्यान ॥ इतिज्योतिषम् ॥